वर्ष : 17 अंक : 245 लखनऊ रविवार, 14 सितंबर, 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम

सूर्योदय	:	5:46
सूर्यास्त	:	6:25
अधिकतम	:	31:00°
न्यूनतम	:	26:00°

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मूल्य ₹4

नगर संस्करण **

'गेरुआ' गाने पर खर्च हुए थे 7 करोड़ 10

आंदोलन के 290 दिन पूरा होने पर प्रदेश भर में जोरदार विरोध प्रदर्शन 2 | पंख लगाकर उड़ी हिन्दी 6 | नारी सशक्तिकरण की नजीर सुशीला कार्की 12

मणिपुर के सभी संगठन शांति की राह पर लौटें

पीएम मोदी ने कुतुबमीनार से ऊंचे रेलवे ब्रिज का किया उद्घाटन

एजेंसी

इम्फाल/आईजोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की पहली रेल लाइन बैराबी-सायरंग का उद्घाटन किया। 51 किमी लंबी बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन के जरिए मिजोरम की दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता से सीधी रेल कनेक्टिविटी हो गई है। इस रेलवे रूट में 45 सुरंग, 88 छोटे और 55 बड़े ब्रिज हैं। इसके अलावा 114 मीटर ऊंचा देश का दूसरा पियर ब्रिज भी है, जो कुतुब मिनार (72 मीटर) से भी ऊंचा है। पीएम ने कहा, 'लंबे समय से हमारे देश की कुछ राजनीतिक पार्टियां वोट बैंक पॉलिटिक्स कर रही हैं। जिन्होंने मिजोरम को अनदेखा किया, लेकिन आज मिजोरम फ्रंटलाइन में हैं।' दरअसल, पीएम मोदी दो दिन के नॉर्थ ईस्ट दौरे पर हैं। वे सुबह मिजोरम के आईजोल पहुंचे, यहां लेंगपुई एयरपोर्ट से 9000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया।

इसके बाद पीएम मणिपुर गए। वहां चुराचांदपुर और इंफाल में 8,500 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। चुराचांदपुर में पीएम ने कहा- मैं सभी संगठनों से शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने की अपील करता हूं। मैं वादा करता हूं, मैं आपके साथ हूं। शाम करीब 6 बजे पीएम असम के गुवाहाटी पहुंचे। वहां भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में रोड शो किया और कार से लोगों का अभिवादन किया। पीएम मोदी रात में स्टेट गेस्ट हाउस में आराम करेंगे। रविवार को, दरांग जिले से 19,000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे।

मिजोरम रेलवे से नयी दिल्ली से जुड़ा

पीएम ने कहा कि आज से आइजोल भी देश के रेलवे मैप पर होगा। मुझे यह अवसर मिला कि मैं रेलवे लाइन का उद्घाटन कर सकूं। कई चुनौतियों से उबरते हुए यह रेल लाइन का सपना सच हो सका है। हमारे इंजीनियर की योग्यता ने इसे साकार किया। मिजोरम प्रतिभाशाली युवाओं से भरपूर है और हमारा काम उन्हें सशक्त बनाना है। हमारी सरकार यहां पहले ही 11 एकलव्य आवासीय स्कूल बना चुकी है। 6 और विद्यालयों पर काम शुरू होने वाला है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस क्षेत्र में लगभग 4500 स्टार्टअप और 25 इनक्यूबेटर काम कर रहे हैं। मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा। जल्द ही यहां हेलिकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी, जिससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच आसान हो जाएगी। हमारे दिल हमेशा से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। अब पहली बार मिजोरम का सायरंग, राजधानी एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली से सीधे जुड़ जाएगा। यह सिर्फ एक रेल कनेक्टिविटी नहीं है, यह बदलाव की जीवनरेखा है।

पीएम मोदी शनिवार को मणिपुर के चुराचांदपुर और इंफाल भी पहुंचे। उन्होंने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ औ इंफाल में 1,200 करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। मणिपुर में मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी का यह पहला दौरा है।

प्रधानमंत्री ने इंफाल में कहा- मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें राज्य को शांति और विकास के रास्ते पर लेकर जाना है। पीएम चुराचांदपुर में हिंसा पीड़ितों से मिलने रिलीफ कैंप गए। इंफाल में कार्यक्रम स्थल पर हिंसा पीड़ितों से बात की। चुराचांदपुर कुकी बहुल पहाड़ी इलाका है। इंफाल घाटी इलाका है और मैतेई समुदाय का गढ़ है। पिछले दो साल से, दोनों समुदायों की एक-दूसरे के इलाकों में आवाजाही बंद है।

पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर, मां भारती के मुकुट पर सजा मुकुट रत्न है। हमें मणिपुर की विकासवादी छवि को लगातार मजबूत करना है। मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। ये हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ भी बहुत बड़ा अन्याय है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है।

काम की गति से दो कदम आगे चलें

सीएम योगी डॉ . राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। हमारे जीवन की तीन स्थितियां होती हैं, जिसमें पहली प्रवृत्ति, दूसरी विकृति और तीसरी संस्कृति होती है। इसमें स्थिति का यथारूप रहना प्रवृत्ति है। इंसान परिवर्तन तो चाहता है, लेकिन परिवर्तन करने के लिए अपने आपको तैयार करने में हिचकता है। वहीं अगर कोई संस्थान या इंसान लगातार गिरावट की ओर जाता है तो यह विकृति होती है। इसी कड़ी में अगर एक व्यक्ति निर्णय लेता है। उसका निर्णय व्यापक जनहित और राष्ट्रहित में है, तो उसका निर्णय संस्कृति है। इसी संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान है। संस्थान ने महज 19 वर्षों में 20 बेड से बढ़कर 1,375 बेड का विस्तार किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने 298 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और व्यक्ति की गति काल की गति है। हमें काल की गति से दो कदम आगे चलने के लिए तैयार रहना चाहिये।

डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान के स्थापना दिवस पर प्रशस्ति पत्र देते सीएम योगी। साथ मौजूद है डिप्टी सीएम बृजेश पाठक।

सीएम ने समारोह में 298 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति, समाज या देश काल की गति को पहचान नहीं पाता है, वह काल की चपेट में स्वयं आ जाता है क्योंकि काल की गति तो वही है, जिसके बारे में डॉ. श्याम नारायण पांडेय ने कहा था कि ये महाकाल का आसन है, इस पर किसी का शासन नहीं होता है। यदि कोई यह मन में बैठा ले कि मैं समय की गति को अवरुद्ध कर दूंगा, तो यह उसकी गलतफहमी होगी। ऐसे में हमें काल की गति से दो कदम आगे चलना होगा। अगर हम इस गति से चलेंगे तो प्रगति करेंगे, अगर नहीं चल पा रहे हैं, हम अपने को केवल समय के अनुरूप लेकर के जा रहे हैं, तो फिर हमें यथास्थितिवादी के रूप में लोग मानेंगे। हम कब आए, कब गए किसी को पता नहीं होगा। वहीं अगर हमारे कारण संस्थान को नुकसान हो रहा है तो मानकर चलिए कि आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। काल की गति के मामले में संस्थान ने अच्छी प्रगति हासिल की है। यही वजह है कि संस्थान ने पांच वर्षों में प्रदेश के टॉप तीन चिकित्सा संस्थान में अपना नाम दर्ज कराया है। इसमें पहला केजीएमयू 110 वर्ष की अपनी आयु पूरी कर चुका है, दूसरा एसजीपीजीआई जो लगभग चार दशक पुराना है। वहीं लोहिया संस्थान ने काफी कम समय में एक लंबी छलांग लगाकर, प्रदेश के तीसरे टॉप चिकित्सा संस्थान में अपना नाम दर्ज कराया है। संस्थान की यह उपलब्धि दर्शाती है कि हमारी दिशा और लीडरशिप सही है। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान कई भौतिक चुनौतियां आती हैं, लेकिन टीमवर्क होता है, कार्य करने का जज़्बा होता है, तो वह लोगों के मन में एक नए उत्साह का संचार करता है। सीएम योगी ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान टेक्नालॉजी का प्रयोग कर जिस तरह भीड़ को नियंत्रित किया गया, आज भी उसे अपनाकर अस्पतालों और संस्थानों में भीड़ को कम किया जा सकता है।

टेली कंसल्टेशन की सुविधा दूर-दराज के क्षेत्रों में पीएचसी, सीएचसी और डिजिटल अस्पतालों में उपलब्ध कराकर मरीजों की स्क्रीनिंग को सही तरीके से पूरा किया जा सकता है।

बारिश बनी बाधा तब पीएम मोदी सड़क मार्ग से पहुंचे

एजेंसी

इम्फाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी के दृढ़निश्चय की झलक भी देखने को मिली। असल में जब पीएम मोदी का विमान इंफाल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ तो वहां भारी बारिश हो रही थी। मौसम इतना ज्यादा खराब था कि चूड़ाचांदपुर के लिए हेलीकॉप्टर की उड़ान रद्द करनी पड़ी। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तय किया कि वह सड़क के रास्ते चूड़ाचांदपुर जाएंगे। पीएम मोदी का कहना था कि उन्हें लोगों से मिलना है और बात करनी है। इसमें मौसम बाधा नहीं बन सकता। बता दें कि इंफाल से चूड़ाचांदपुर की दूरी सड़क के रास्ते करीब डेढ़ घंटे की है।

बता दें कि प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे से पहले राज्य में भारी बारिश हुई। इंफाल के कांगला किले के कुछ हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया, जहां मोदी को एक जनसभा को संबोधित करना निर्धारित है। चूड़ाचांदपुर कस्बे में भी भारी बारिश हुई। हालांकि प्रधानमंत्री तय कार्यक्रम के मुताबिक लोगों से मिलने पहुंचे। प्रधानमंत्री ने चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से मुलाकात की।

» मणिपुर में विस्थापित व्यक्तियों से की मुलाकात

वोटर लिस्ट बनाना, बदलना सिर्फ हमारा काम

चुनाव आयोग ने कहा- सुप्रीम कोर्ट का निर्देश देना हमारे काम में दखल

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा- पूरे देश में समय-समय पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा। आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता। चुनाव आयोग ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करते हैं। यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था। याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले एसआईआर कराने का निर्देश दिया जाए, ताकि देश की राजनीति और नीति केवल भारतीय नागरिक ही तय करें। ईसी ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग ने कहा कि धारा 21 के मुताबिक, वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोई तय समय सीमा नहीं है। बल्कि ये सामान्य जिम्मेदारी है, जिसे हर आम चुनाव, विधानसभा चुनाव या किसी सीट के खाली होने पर होने वाले उपचुनाव से पहले पूरा करना जरूरी है। नियम 25 से साफ है कि मतदाता सूची में थोड़ा-बहुत या बड़े स्तर पर बदलाव करना है या नहीं, यह पूरी तरह चुनाव आयोग के फैसले पर निर्भर करता है।

मतदाता सूची को सही और भरोसेमंद रखना चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है। इसलिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत 24 जून 2025 के एसआईआर आदेश के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में एसआईआर कराने का फैसला किया है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार आयोग को छूट है कि वह तय करे कि कब समरी रिवीजन किया जाए और कब इंटेंसिव रिवीजन।

सीएम यादव सवार थे, हॉट एयर बैलून में आग लगी

एजेंसी

मंदसौर। मध्यप्रदेश के गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में नाइट हाल्ट के बाद शनिवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हॉट बैलून में सवार हुए, लेकिन हवा की रफ्तार 20 किलोमीटर प्रतिघंटा होने से बैलून नहीं उड़ सका।

इस दौरान उसके निचले हिस्से में आग लग गई, जिसे वहां मौजूद कर्मचारियों ने बुझाया। दूसरी ओर सीएम डॉ. यादव जिस ट्रॉली में सवार थे, उसे सिक्योरिटी गाड्‌र्स ने संभाले रखा, जिससे डॉ. यादव सुरक्षित हैं।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार शाम को गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट में गांधीसागर फेस्टिवल के चौथे संस्करण की शुरुआत की थी। रात में वे रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में ही रुके थे। उन्होंने क्रूज पर सवार होकर चंबल डैम के बैक वाटर एरिया घूमा। शनिवार सुबह वे रिट्रीट पहुंचे। यहां बोटिंग का लुत्फ उठाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के साथ हॉट एयर बैलून के रोमांचकारी सफर पर निकल रहे थे, लेकिन उस समय हवा की रफ्तार ज्यादा थी।

» मंदसौर में तेज हवा से ट्रॉली झुकी, कपड़ा फायर प्रूफ था

नेपाल में अगले साल 5 मार्च को होंगे आम चुनाव

राष्ट्रपति ने बतायी तारीख, सभी पक्षों से की सहयोग करने की अपील

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए अगला चुनाव कराने में सभी पक्षों से सहयोग करने की शनिवार को अपील की। ये चुनाव पांच मार्च को होने हैं। देश में एक सप्ताह तक हिंसक विरोध प्रदर्शन होने और इसके चलते केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने तथा सुशीला कार्की के देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त होने के बाद यह निर्णय लिया गया। राष्ट्रपति ने एक बयान में सभी से आग्रह किया कि वे लोगों के हितों की रक्षा और आत्म-अनुशासन बनाए रखते हुए समय पर चुनाव कराने के लिए कड़ी मेहनत से अर्जित अवसर का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि एक बहुत ही नाजुक, कठिन और खतरनाक स्थिति से गुजरने के बाद देश के लिए शांतिपूर्ण रास्ता संभव हो पाया।

पौडेल ने कहा कि संविधान और संसदीय प्रणाली सुरक्षित है और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य अक्षुण्ण है। राष्ट्रपति पौडेल ने बयान में कहा कि लोगों को छह महीने के भीतर प्रतिनिधि सभा के चुनाव कराकर प्रगतिशील लोकतंत्र की राह पर आगे बढ़ने का अवसर मिला है। पौडेल ने शुक्रवार को नवनियुक्त प्रधानमंत्री की सिफारिश पर प्रतिनिधि सभा को भंग करते हुए कहा कि अगला संसदीय चुनाव पांच मार्च को होगा।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश कार्की (73) ने शुक्रवार रात देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही, देश में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर समाप्त हो गया। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच, इस सप्ताह ओली के अचानक इस्तीफे के बाद यह स्थिति पैदा हुई थी। कार्की रविवार को एक छोटा मंत्रिमंडल गठित करेंगी। उनके पास गृह, विदेश और रक्षा सहित 20 से अधिक मंत्रालय होंगे। राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्की पदभार ग्रहण करने के बाद कुछ मंत्रियों को शामिल करते हुए रविवार को मंत्रिपरिषद का गठन करेंगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों के दौरान सिंह दरबार सचिवालय स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में आग लगा दी गई थी, इसलिए सिंह दरबार परिसर में गृह मंत्रालय के लिए नवनिर्मित भवन को प्रधानमंत्री कार्यालय के लिए तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय को वहां स्थानांतरित करने के लिए इमारत के आसपास के इलाकों से राख हटाने और साफ-सफाई का काम चल रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री कार्की ने शनिवार को काठमांडू के बनेश्वर इलाके में सिविल अस्पताल का दौरा किया, जहां प्रदर्शनों के दौरान घायल हुए दर्जनों लोगों का इलाज चल रहा है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों और शीर्ष अधिवक्ता संघ ने राष्ट्रपति के संसद भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है।

पीएम पद छोड़ने वाले ओली पर एफआईआर

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ शनिवार को राजधानी काठमांडू में एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओली पर आरोप है कि 8 सितंबर को जब आंदोलन शुरू हुआ था, तब उन्होंने पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर हमले और ज्यादती का आदेश दिया था।ओली ने भारी दबाव के बीच 9 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद से ही वो आर्मी की सुरक्षा में हैं।

वहीं नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की आज घायल आंदोलनकारियों से मिलने काठमांडू के हॉस्पिटल पहुंची। सुशीला कार्की ने शुक्रवार को ही नेपाल के अंतरिम पीएम पद की शपथ ली है। उन्हें 5 मार्च, 2026 तक संसदीय चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई है। 6 दिनों की हिंसा के बाद काठमांडू के कई इलाकों से कर्फ्यू हटा दिया गया है।

बाढ़ वाले पैसे से फिर बनाया जा रहा मरकज

पाकिस्तान में चल रहा गजब का खेल, भारत ने किया था तबाह

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गजब का खेल चल रहा है। एक तरफ देश बाढ़ से जूझ रहा है। बाढ़ से देश को उबारने के लिए वह हाथ फैलाकर मदद मांग रहा है। फिर मदद के लिए मिले पैसों को यहां की सरकार आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को दे रही है। अब लश्कर इन पैसों का इस्तेमाल करके उस मस्जिद को बनवा रहा है जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तबाह हुई थी। यह मस्जिद लश्कर का मुख्यालय है। इस मस्जिद को पूरी तरह से गिराकर इसकी जगह नई मस्जिद बनाने की तैयारी है।

करीब पांच महीने पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में लश्कर के मुख्यालय को तबाह कर दिया था। इस हमले में इस मस्जिद के तीन अहम हिस्से तबाह हो गए थे। इन हिस्सों में कैडर के रहने, हथियार जुटाने और ट्रेनिंग की सुविधा का इंतजाम था। हमले के बाद केवल इसके अवशेष ही बाकी रह गए थे। जिसे आतंकी संगठन किसी तरह से इस्तेमाल नहीं कर पा रहा था।

जानकारी के मुताबिक 18 अगस्त को मरकज को गिराए जाने की विधिवत प्रक्रिया शुरू हुई। इसके लिए लश्कर ए तैयबा ने पांच जेसीबी मशीनें लगाई गई थीं। इन मशीनों ने तोड़-फोड़ से निकला मलबा हटाया। 4 सितंबर को मरकज की तोड़फोड़ शुरू हो चुकी थी। अब इसे फिर से बनाने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। गौरतलब है कि मई की शुरुआत में चार दिन के संघर्ष के बाद पाकिस्तानी सरकार ने खुलेआम ऐलान किया था कि वह सभी आतंकी संगठनों की तबाह हुए ठिकानों को सही कराएगा। इस तरह से लश्कर ए तैयबा को मदद की पहली किश्त के रूप में चार करोड़ पाकिस्तानी रुपए 14 अगस्त को मिले थे।

पीके का भाजपा सांसद जायसवाल को चैलेंजे

आरा। बिहार चुनाव की तैयारियों की बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर और बीजेपी नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। पहले बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के बाद अब उनके निशाने के पर बिहार बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय जायसवाल आ गए हैं। भोजपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान पीके ने जायसवाल को चैलेंज दे दिया। उन्होने कहा कि 'गीदड़ की जब मौत आती है, तो शहर की चरफ भागता है। इनके बड़े भाई दिलीप जायसवाल भी उछल रहे थे, अब वो भी हाथ जोड़ रहे हैं। ऐसे ही ये भी 4 दिन में ठंडा हो जाएंगे। हाथ तो मार लेने दीजिए, जितना उछलना है, उछल लें। संजय जायसवाल को चैलेंज देते हुए पीके ने कहा कि सात जन्म लगेंगे, अगर वो हमको जेल भिजवाएंगे।

भारत-पाक मैच देखने दुबई नहीं जाएंगे बीसीसीआई अफसर

पहलगाम में मारे गए शुभम की पत्नी बोलीं- बॉयकाट करें, केजरीवाल की धमकी- मैच ना दिखायें

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। एशिया कप में रविवार को दुबई में भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहला मौका है, जब दोनों देशों की टीमें आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई टूर्नामेंट का ऑफिशियल होस्ट है, लेकिन बोर्ड के ज्यादातर अधिकारी मैच देखने नहीं जाएंगे। हालांकि बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष राजीव शुक्ला जा सकते हैं, क्योंकि वे एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंबर भी हैं। इधर पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने मैच का बायकॉट करने की अपील की है। उन्होंने कहा- मेरी आंखों के सामने पति को गोली मारी गई। 26 लोग मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर में कई जवानों की जान गई। इसके बावजूद मैच कराया जा रहा है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने क्लब, पब और रेस्टोरेंट्स को मैच न दिखाने की चेतावनी दी है। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि जब खून और पानी साथ नहीं बह सकते तो मैच क्यों हो रहा है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- पहलगाम में जो हुआ इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वहीं, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर भारत-पाकिस्तान एशिया कप मुकाबले के प्रसारण को रोकने की अपील की है। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, 'भारतीय सैनिक सीमा पर अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है, ऐसे में क्रिकेट मैच खेलना देशभक्ति का मजाक है। मोदी सरकार ने देशभक्ति को व्यापार बना दिया है।'

आप ने भी दिल्ली में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि क्लब, पब और रेस्टोरेंट्स मैच ना दिखाएं। अगर ऐसा हुआ तो हम प्रदर्शन करेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस मैच के होने की जरूरत को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से तीखा सवाल पूछा है। उन्होंने पूछा है कि क्या सरकार ने इसे कराने का फैसला भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में लिया है। इस बारे में पीए मोदी से प्रश्न करते हुए पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'प्रधानमंत्री जी को पाकिस्तान के साथ मैच करवाने की आख़िर क्या ज़रूरत है? सारा देश कह रहा है कि यह मैच नहीं होना चाहिए। फिर ये मैच क्यों करवाया जा रहा है? क्या ये भी ट्रम्प के दबाव में किया जा रहा है? आख़िर ट्रम्प के आगे कितना झुकोगे?' आम आदमी पार्टी के नेताओं ने इस मैच को पहलगाम की विधवाओं के साथ धोखा करार दिया।

हम कहते थे कि व्यापार और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते, पानी और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते, बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। तो क्रिकेट और आतंकवाद साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? हमारी अंतरात्मा इस तरह कैसे मर सकती है कि हम पाकिस्तानियों के साथ क्रिकेट खेलने को तैयार हैं ताकि बीसीसीआई और आईसीसी को राजस्व मिले, ताकि प्रसारणकर्ता करोड़ों कमा सकें? यह बहुत शर्मनाक है।' पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी ने सिंधु जल समझौता स्थगित करते हुए कहा था, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। उसी तरह कई आप नेताओं ने भी इस मैच का विरोध करते हुए पीएम की तर्ज पर कहा, 'खून और क्रिकेट एक साथ नहीं चलेगा'। यह देश के साथ धोखा है। सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तानी क्रिकेटरों द्वारा शेयर की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया।

मोदी का मणिपुर जाना अच्छा है : राहुल-प्रियंका

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर की यात्रा को अच्छा तो बताया लेकिन कहा कि उन्हें दो साल से ज्यादा समय से हिंसा में जल रहे राज्य में शांति के लिए वहां की यात्रा पहले करनी चाहिए थी।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की मणिपुर यात्रा को लेकर पत्रकारों के सवाल पर कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मणिपुर जाना अच्छा है, लेकिन मणिपुर दौरे से ज्यादा बड़ा मुद्दा देश में वोट चोरी का है।₹ राहुल गांधी मणिपुर हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री पर लगातार निशाना साधते हुए उनसे जवाब मांगते रहे हैं कि वह मणिपुर कब जा रहे हैं और वहां की स्थिति को सामान्य करने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा ₹मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने दो साल बाद मणिपुर जाने का फैसला किया है।

एक नजर

डॉ. अतुल कृष्ण को महाकवि गोपाल दास नीरज सम्मान

मेरठ। सुप्रसिद्ध शिक्षाविद, संस्थान निर्माता, समाजसेवी, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय समूह के संस्थापक डॉ अतुल कृष्ण को रमहाकवि गोपाल दास नीरज सम्मान से विभूषित किया गया है। महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन के महासचिव व गोपाल दास नीरज के सुपुत्र मृगांक प्रभाकर व फाउंडेशन के जनसम्पर्क सचिव तथा उत्तराखंड सरकार के भाषा संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष शायर प्रो. अफ़ज़ल मंगलोरी ने डॉ अतुल कृष्ण को सम्मान चिन्ह, शाल, पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। फाउंडेशन की ओर से कहा गया कि अतुल जी ने जहाँ शिक्षा, समाज, संस्कृति और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, वहीं साहित्य सेवा के लिए भी जीवन का अमूल्य समय प्रदान किया है। सुभारती परिसर में हुए सम्मान समारोह में बोलते हुए प्रो. अफ़ज़ल मंगलोरी ने कहा कि डॉ अतुल कृष्ण जी की महाकवि नीरज से घनिष्ठता और आत्मीयता एक परिवार के सदस्य के रूप में रही। महाकवि नीरज जी ने अतुल कृष्ण की मेधा और अवदानों को हमेशा सराहा और स्नेह-सम्मान प्रदान किया। सम्मान के बाद फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ अतुल कृष्ण ने कहा कि यह सम्मान उनके जीवन की अनोखी और अकल्पनीय अनुभूति है। यह सम्मान श्रद्धेय नीरज के नाम पर है यह हमारे लिए गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महाकवि नीरज जी ने साहित्य को आलोकित किया और हमें प्रेरणा दिया।

2425 नवचयनित मुख्य सेविकाओं को जनपदवार तैनाती आदेश जारी

लखनऊ। विभाग द्वारा अपने मानव संसाधन की वृद्धि करने तथा विभागीय योजनाओं को त्वरित गति प्रदान करने के उद्देश्य से 17 नवम्बर 2021 को उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को मुख्य सेविका के 2693 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु अधियाचन भेजा गया। दिनांक 24 सितम्बर 2023 को आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा कराया गयी जिसका परिणाम 2 जुलाई 2025 को घोषित किया गया। इस क्रम में नव चयनित 2425 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र दिनांक 27.08.2025 को लोकभवन में मुख्यमंत्री के करकमलों से तथा अन्य समस्त जनपदों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इसी कड़ी में विभाग द्वारा ऑनलाइन प्रीफ्रेंस कम मेरिट बेस्ड एलोकेशन की पद्धति अपनाते हुए एक स्वच्छ पारदर्शी व्यवस्था के अंतर्गत समस्त चयनित मुख्य सेविकाओं को जनपदों में तैनात कर दिया गया है निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, श्रीमती सरनीत कौर ब्रोका ने यह जानकारी आज यहां दी। उन्होंने बताया कि नवचयनित मुख्य सेविकाओं की जनपदों में तैनाती हेतु उनके द्वारा जनपद की वरीयताएं प्रस्तुत करने हेतु ऑनलाइन पोर्टल विभाग द्वारा विकसित किया गया। शासन से अनुमोदित नीति के अनुसार 69 जनपदों को विकल्प हेतु पोर्टल पर खोला गया। यह ऐसे जनपद थे जहां पर 60 प्रतिशत या इससे अधिक मुख्य सेविका के पद रिक्त थे। जिन मुख्य सेविकाओं की बाल विकास परियोजना अधिकारी के पद पर पदोन्नति हो चुकी है, उन रिक्त पदों को भी सम्मिलित करते हुए विकल्प भरे जाने की व्यवस्था अभ्यर्थियों के साथ दिये गये पोर्टल लिंक https://icdspreference.upsdc.gov.in/ द्वारा की गयी थी। जिसे उनके द्वारा मोबाईल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से लॉगिन किया गया।सफल लॉगिन पर मुख्य सेविकाओं को पोर्टल पर विभाग द्वारा उपलब्ध रिक्तियाँ हेतु निर्धारित जनपदों के लिए वरीयता चुनकर उसे भरा गया। पोर्टल पर उपलब्ध सभी जनपदों की वरीयताएं भरना अनिवार्य था।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने की विकास कार्यों की समीक्षा

लखनऊ। आज उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद उन्नाव में पहुंच कर विकास भवन सभागार में जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने किसानों को उर्वरक की उपलब्धता, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दिए जाने वाले आवास, धान खरीद, बृद्धा दिव्यांग महिला पेंशन ,निर्वाध विद्युत आपूर्ति, बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, जल जीवन मिशन, राशन वितरण, शिकायतों के निस्तारण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने जनपद की समितियों में उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा की समितियां में सभी किसानों को सामान्य तरीके से उर्वरक दिया जाए, किसी के साथ भेदभाव ना हो यदि कोई भी दिक्कत आ रही है तो उसका निराकरण कर लिया जाय। उर्वरक की उपलब्धता होनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तहसील स्तर उप जिला अधिकारी और क्षेत्राधिकारी खंड विकास अधिकारी प्रतिमाह बैठक करें जो जनप्रतिनिधियों की शिकायतें हैं उनका निराकरण करें जो तहसील स्तर पर शिकायत का निस्तारण नहीं हो सकता है उसका जिला स्तर पर करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आइजीआरएस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण किया जाए जिला स्तरीय अधिकारियों से सत्यापन कराया जाए।

लोक अदालत में सुने गये वाद

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जनपद न्यायालय, लखनऊ में जनपद न्यायाधीश श्रीमती बबीता रानी की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में रवीन्द्र कुमार द्विवेदी, विशेष न्यायाधीश सीबीआई सेन्ट्रल/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत तथा श्रीमती मीनाक्षी सोनकर अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में जनपद न्यायालय लखनऊ सहित मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय परिसर, वाणिज्यिक न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, कलेक्ट्रेट एवं समस्त तहसीलों आदि में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया गया जिसमें जनपद न्यायालय में विशेष न्यायाधीश ई0सी0एक्ट द्वारा 105 मामलें, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 7165 मामलें, विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कस्टम) द्वारा 1147 मामलें, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (अयोध्या प्रकरण) द्वारा 924 मामलें तथा अन्य मजिस्ट्रेट न्यायालयों द्वारा 11910 मामलें, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के कुल 197 मामलें, वाणिज्यिक न्यायालय के 10 मामलें तथा पारिवारिक न्यायालय के 273 मामलों सहित न्यायालय में लम्बित कुल 22817 वादों का निस्तारण कर कुल रू0 558534886/- की धनराशि वसूल की गयी। प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व के कुल 100755 वाद तथा अन्य 238909 प्रकरणों सहित कुल 339664 मामलों का निस्तारण कर कुल रू0 136356286/- की धनराशि वसूल हुयी।

आंदोलन के 290 दिन पूरा होने पर प्रदेश भर में जोरदार विरोध प्रदर्शन

निजीकरण और उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के विरोध में आन्दोलन जारी

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा कि निजीकरण किये जाने हेतु बिजली कर्मचारियों पर बड़े पैमाने पर की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के वापस न लिये जाने से बिजली कर्मियों में भारी गुस्सा व्याप्त है। निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के 290 दिन पूरे होने पर आज बिजली कर्मियों ने समस्त जनपदों में व्यापक विरोध प्रदर्शनकिया। संघर्ष समिति ने कहा कि कई हजार बिजली कर्मियों को साढ़े तीन माह से वेतन नहीं दिया गया है जो पूरी तरह अमानवीय है। यह बिजली कर्मी तीन माह से वेतन न मिलने पर भी अपनी ड्यूटी कर रहे हैं फिर भी उन्हें वेतन न देना उत्पीड़न की पराकाष्ठा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि फेसियल अटेंडेंस के नाम पर कई हजार बिजली कर्मचारियों को जून, जुलाई और अगस्त माह का वेतन अभी तक नहीं दिया गया है। काम करने के बावजूद बिजली कर्मचारियों को लगातार तीन माह तक वेतन नहीं दिया जाना यह बहुत ही गंभीर उत्पीड़नात्मक कार्यवाही है और पूरी तरह अमानवीय है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण के नाम पर मई के महीने में अत्यंत अल्प वेतन भोगी संविदा कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छटनी की गई थी। कई हजार संविदा कर्मी 55 वर्ष की आयु के नाम पर निकाले गए और कई हजार संविदा कर्मियों को डाउन साइजिंग करके हटा दिया गया। ध्यान रहे की संविदा कर्मियों को बड़े पैमाने पर हटाए जाने से विभिन्न जनपदों में प्रदेश की बिजली व्यवस्था पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण के बाद निजी घरानों की सहूलियत के लिए बिजली कर्मचारियों को मिल रही रियायती बिजली सुविधा समाप्त करने हेतु बिजली कर्मियों के और पेंशनरों के निवास पर जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि विगत 9 माह से निजीकरण के विरोध में चल रहे बिजली कर्मियों के आंदोलन से खीझा हुआ प्रबंधन बड़े पैमाने पर उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां कर दमन पर उतर आया है। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों का आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का निर्णय निरस्त नहीं किया जाता और समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस नहीं होती। संघर्ष समिति के आह्वान पर आज लगातार 290 वें दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी रखा। आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरदुआगंज, जवाहरपुर, परीक्षा, पनकी, ओबरा, पिपरी और अनपरा में विरोध प्रदर्शन किया गया।

रूफ टॉप गार्डेनिंग से संवरेगी शहरी क्षेत्र में बागवानी : दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को उद्यान निदेशालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक कर शहरी क्षेत्रों में घरों की छत पर सब्जियों, फलों, औषधीय पौधों और मसालों की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु रूफ टॉप गार्डेनिंग योजना बनाए जाने के निर्देश दिए। उद्यान मंत्री ने कहा कि रूफ टॉप गार्डेनिंग शहरी क्षेत्र में बागवानी का एक उत्तम तरीका है, जिससे वातावरण में हरियाली, प्राकृतिक सुंदरता और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं। उन्होंने बताया कि सीमित स्थानों में हरियाली बढ़ाने का यह एक आधुनिक उपाय है, जो तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इससे नागरिकों को जैविक रूप से उगाई गई उच्च गुणवत्ता की सब्जियां और फल भी प्राप्त होंगे। उद्यान मंत्री ने निर्देश दिया कि इस योजना का विस्तृत प्रस्ताव आईआईवीआर वाराणसी के तकनीकी सहयोग से तैयार कर भारत सरकार से अनुमोदित कराया जाए।

ग्रीन फायर वर्क्स शो से जगमगाएगा दीपोत्सव-25 26 लाख से अधिक दीपों से रौशन होगी अयोध्या

सीएम योगी के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने दिव्य और भव्य दीपोत्सव-25 की तैयारियां शुरू कीं

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार दीपोत्सव-25 को भव्य और दिव्य बनाने की तैयारियों में जुट गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पर्यटन विभाग द्वारा 19 अक्टूबर को दीपोत्सव में ग्रीन फायर वर्क्स शो का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय ग्रीन फायर वर्क्स के मानक पर आधारित होगा। यह आतिशबाज़ी पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त होगी। इसके साथ ही दीपोत्सव में पर्यटकों को संगीत और तकनीक के साथ कोरियोग्राफ का अनूठा अनुभव दिखने के साथ सुनने को मिलेगा।

सीएम योगी के निर्देश पर पर्यटन विभाग द्वारा दीपोत्सव-25 पर सरयू नदी के घाटों और राम की पैड़ी पर 26 लाख से अधिक दीपक जलाए जाएंगे, जो भगवान राम के अयोध्या आगमन का प्रतीक बनकर ये दीप असंख्य श्रद्धालुओं की आस्था का प्रकाश फैलाएंगे। भक्ति-भाव से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के बीच इस बार ग्रीन फायरवर्क्स शो खास आकर्षण का केंद्र होगा, जो आस्था और नवाचार को साथ लाकर एक प्रदूषण-मुक्त रंग-बिरंगी रौशनी से जगमगाएगा। करीब 10 मिनट तक चलने वाला यह शो संगीत, लेज़र इफेक्ट्स और आधुनिक कोरियोग्राफी से सजा होगा। कई मीटर से ऊंचाई तक उठने वाली आतिशबाज़ी सरयू के जल पर अद्भुत प्रतिबिंब बिखेरेंगी और वहां मौजूद हर दर्शक को रोमांचित कर देगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप दीपोत्सव-25 को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। इस पर बार 26 लाख से अधिक दीपक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदूषण-मुक्त आतिशबाज़ी के साथ हम अयोध्या की सांस्कृतिक भव्यता को प्रदर्शित करेंगे, जो हर श्रद्धालु को अविस्मरणीय अनुभव देगा। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि इस बार के दीपोत्सव-25 में परंपरा और नवाचार दोनों का उत्सव देखने को मिलेगा। इस बार पर्यावरण हितैषी और कोरियोग्राफ्ड आतिशबाज़ी हमारे स्थायित्व के संकल्प को हर श्रद्धालुओं तक पहुंचाएगी। साथ ही अयोध्या की धरोहर को विश्व मंच पर प्रस्तुत करेगी। यह सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत का गौरव है।

सपा मुखिया अखिलेश मिले प्रयागराज के नाविकों का एक प्रतिनिधिमण्डल

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को आज प्रयागराज से आए नाविक मजदूर कल्याण समिति (रजि0) के एक प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन देकर मछली पकड़ने के लिए नदियों की नीलामी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किये जाने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है।

नाविक प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि नाविक बंधुओं की चिंता में मुख्य बिंदु पर्यावरण की सुरक्षा है। इसकी उपेक्षाा का परिणाम उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश में आई आपदाओं से दिखाई दिया है। नाविक अपने अधिकारों के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके साथ अन्याय हो रहा है। उनके पारम्परिक व्यवसाय को दबंगों को सौंपा जा रहा है। श्री यादव ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन के कारण कई समस्याएं पैदा हुई है। जंगलों पर अवैध कब्जों के कारण जानवर बस्ती में आ रहे है।

बाघ-तेंदुआ गांवों में आकर हमलावर हो रहे है। तालाबों पर कब्जे हो रहे है। पानी अपना रास्ता बनाता है। नदी जीवन है। समाजवादी सरकार में गोमती की सफाई कर सुन्दर रिवरफ्रंट विकसित किया गया था। भाजपा सरकार में नदियां प्रदूषित और गंदी है। मछलियों और अन्य जल जीवों का जीवन संकट में है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर हम जातीय जनगणना करायेंगे। तभी सभी को समानुपातिक आधार पर हक और सम्मान मिलेगा।

सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। पीडीए में नाविक वर्ग भी है। पीडीए 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी सरकार बनायेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के 2027 के घोषणा-पत्र में नाविकों को नई नावें देने का वादा शामिल रहेगा। निषाद राज गुह्य की प्रतिमा गोमती रिवरफ्रंट पर स्थापित की जाएगी जिसमें नाव की पतवार सोने की होगी। ज्ञापन में कहा गया है कि नदियों में मत्स्य आखेट करना मछुआरों का जन्मसिद्ध अधिकार है। उनके इस अधिकार को छीनने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2019 में जारी शासनादेश से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बहने वाली गंगा, यमुना, टोंस, बेलन इत्यादि नदियों में मछली पकड़ने के लिए कई खंड बनाकर उसकी नीलामी का प्रावधान किया गया है। यह सरासर गलत है। अखिलेश यादव से मिलकर नाविक संगठन के प्रतिनिधियों ने शासनादेश 2019 के निरस्तीकरण में अपने प्रभाव का प्रयोग करने का आग्रह किया है। संदीप यादव पूर्व विधायक प्रत्याशी इलाहाबाद शहर उत्तरी के साथ ज्ञापन देने वालों में सर्वश्री तिजेन्द्र निषाद बजरंगी महासचिव नाविक मजदूर कल्याण समिति प्रयागराज, महेन्दर निषाद, लालजी बिन्द एडवोकेट, हरिशंकर निषाद, नितिन निषाद, जितेन्द्र निषाद बजरंगी, शिव दयाल निषाद, महेश निषाद, अरुण निषाद, सागर सूर्या निषाद, नरेन्द्र निषाद, धीरज निषाद शामिल रहे।

गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि देश में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के जरिए ही संभव है। गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त है। आरक्षण को समाप्त करने की साजिशें हो रही है। समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर चलती है। वह धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और संविधान की मूल स्थापनाओं के साथ प्रतिबद्ध है। यादव ने कहा कि जनता बदलाव के लिए व्याकुल है। वह और इंतजार के मूड में नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना सुनिश्चित है। भाजपा को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। भाजपा हटेगी तभी संविधान बचेगा। आरक्षण बचेगा। सामाजिक आर्थिक गैरबराबरी मिटेगी और लोगों में खुशहाली आएगी। भाजपा की हार के बाद सामाजिक न्याय का राज कायम होगा। पीडीए जीतेगा और जातीय जनगणना से समानुपातिक आधार पर सबको हक और सम्मान मिलेगा। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आये नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है।

एसबीआई देगी दुर्घटना मृत्यु पर 40 लाख क्लेम

गुरसहायगंज कन्नौज। भारतीय स्टेट बैंक में दुर्घटना बीमा की प्रतिवर्ष 2000 रुपए की प्रीमियम देकर खाता धारक की यदि दुर्घटना में अचानक मृत्यु हो जाने के बाद उसके परिजनों को बैंक 40 लाख रुपया का क्लेम प्रदान करेगी इसके साथ ही खाता धारकों को एफडी में सबसे अधिक ब्याज भारतीय स्टेट बैंक ही दे रही हैयह जानकारी भारतीय स्टेट बैंक शाखा गुरसहायगंज के मुख्य शाखा प्रबंधक आशुतोष गुप्ता ने दी। शिक्षकों और खाता धारकों से बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक में होम लोन लेने के लिए उपभोक्ताओं का सिविल यदि 775 है तो बैंक द्वारा सबसे कम 7.50 ब्याज की दर पर लोन प्रदान किया जा रहा है इसके अलावा एसआई पी मुद्रा लोन बिजनेस लोन एजुकेशन लोन सहित सभी प्रकार की सुविधा से जुड़ने के लिए उपभोक्ता भारतीय स्टेट बैंक की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं उन्होंने बताया कि फिक्स्ड डिपाजिट योजना पर 444 दिन में 6.60 ब्याज दिया जा रहा है इसके अलावा सीनियर सिटीजन को सभी बैंकों से अधिक 7.10% का ब्याज बैंक उपभोक्ताओं को दे रही है इसके साथ ही स्टेट बैंक 2000 रुपए प्रीमियम प्रतिवर्ष जमा करने वाले खाता धारकों को दुर्घटना बीमा के तहत यदि किसी खाताधारक की अचानक दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो उसके परिजनों को 40 लाख रुपया का क्लेम दिया जाएगा इसके साथ ही यदि कोई खाता धारक घायल हुआ है तो उसको 20 लाख रुपए की राशि उसके परिजनों को दी जाएगी उन्होंने बताया कि शिक्षकों का यदि स्टेट बैंक में सैलरी अकाउंट खोला जाता है तो खाताधारक को विशेष कई सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा इस मौके पर अकाउंटेंट जितेंद्र यादव फील्ड अफसर गौरव कटिहार शुभम कुशवाहा प्रधानाचार्य शैलेश गुप्ता बृजेश गंगवार अमीर हम्ज़ा शिव सिंह यादव आनंद राजन आनंद पांडे सहित बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जनता की हर समस्या का करेगा निदान

कन्नौज। राष्ट्रीय स्वयं संघ के पदाधिकारी ने बाढ़ क्षेत्र ग्राम का दौरा कर किसाने की नष्ट हुई फसलों का आकलन किया और हर संभव सहायता देने का शासन दिया इसके साथ स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर डॉक्टर से वार्ता कर ग्रामीणों की मदद की गुहार लगाईसदर कन्नौज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जुकइया के भीषण बारिश और गंगा के कटान के चलते लगभग 30 घर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं जिसमें ग्रामीण चंद्रभान छोटे लाल मुकेश गंगा नारायण उमाशंकर सूरज सती राम दिनेश विजयपाल मुन्नीलाल रमेश चंद्र प्रदीप बलराम सोनेलाल सहित ग्रामीणों की फैसले नष्ट हो गई है और घरों में पानी जाने के चलते आवा गमन पूरी तरीका से प्रभावित हो रहा है लोग भयंकर समस्या से जूझ रहे हैं शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सेवा प्रमुख राजेश कटियार की अगुवाई में जिला प्रचारक अंकित कुमार जिला कारवां आलोक सिंह की टीम ने ग्राम पहुंचकर ग्राम वासियों से वार्ता की और उनकी समस्याओं के निस्तारण की बात कही इस मौके पर जिला सेवा प्रमुख ने बताया कि ग्रामीणों की फसल में हुई क्षति का आकलन किया गया है पीड़ितों की सूची बनाई गई है अति शीघ्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी गांव में राहत सामग्री लेकर पहुंचेंगे उन्होंने कहा कि संघ के पदाधिकारी हर कदम पर जनता के साथ हैं हर समस्या का निदान करने के लिए कधा से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी ने गांव में जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर मैं पहुंचे जहां उन्होंने डॉक्टर की टीम से वार्ता की और ग्रामीणों को दवाई के साथ-साथ परीक्षण करने की बात कही डॉक्टरों की टीम ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी द्वारा अंत्येष्टि स्थल का किया गया निरीक्षण

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा ग्राम पंचायत सोता बहादुरपुर में स्थित परंपरागत अंत्येष्टि स्थल का भ्रमण किया गया। क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया था कि जनपद में एकमात्र स्थल ग्राम पंचायत सोता बहादुरपुर के पांचाल घाट के पूर्व और स्थित अंत्येष्टि स्थल पर सर्वाधिक अंत्येष्टि की क्रियाएं होती हैं। इसमें जनपद ही नहीं पास के कई जनपदों से भी व्यक्ति शव को लेकर अंत्येष्टि के लिए यहां उपस्थित होते हैं। जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों में अंत्येष्टि स्थल के विकास हेतु लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। जिसके सापेक्ष ग्राम पंचायत सोता बहादुरपुर में स्थित परंपरागत अंत्येष्टि स्थल को विकसित किए जाने के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा स्वयं स्थल का निरीक्षण किया गया। मौके पर पाया गया कि कुछ समाजसेवियों के द्वारा वहां पर अंत्येष्टि क्रिया से संबंधित स्थलों/ भवनों का निर्माण कराया गया है, जिसमें शवदाह स्थल, सामुदायिक शौचालय एवं कुछ सराय स्थल बने हुए हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद, उप जिलाधिकारी सदर, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग(प्रांतीय खंड), सहायक अभियंता सिंचाई ,सहायक अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग,जिला पंचायत राज अधिकारी, ग्राम प्रधान एवं सचिव भी स्थल पर उपस्थित थे। जिलाधिकारी द्वारा स्थल का परीक्षण कर अंत्येष्टि स्थल के विकास हेतु आवश्यक मदों का मापन कर प्राक्कलन तैयार करने हेतु अभियंताओं को निर्देशित किया गया।

आयुष्मान कार्ड गरीबों के साथ सरकार का छलावा : सुनील सिंह

लखनऊ। लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों के स्वास्थ्य के नाम पर सबसे बड़ा धोखा किया है। आयुष्मान कार्ड जैसी योजना को गरीबों तक पहुँचाने का दावा करने वाली सरकार ने इसमें ऐसी शर्तें रख दी हैं, जिससे असली गरीब परिवार योजना से बाहर कर दिए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि सरकार ने कार्ड बनाने के लिए राशन कार्ड में 6 सदस्य होना अनिवार्य कर दिया है। सवाल यह है कि जिन परिवारों में 6 सदस्य ही नहीं हैं, उनके इलाज का क्या होगा? क्या उनका स्वास्थ्य अब सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?गरीबों का खून चूसने वाली यह सरकार गरीब परिवारों के स्वास्थ्य का मज़ाक उड़ा रही है। यह योजना नहीं, बल्कि गरीबों को मृत्यु की ओर धकेलने वाली साज़िश है।सुनील सिंह ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों के लिए नहीं, केवल अपने पूंजीपति मित्रों के लिए काम करती है। स्वास्थ्य जैसी संवेदनशील ज़रूरत को भी उन्होंने जुमला और प्रपंच बना दिया है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में 15 सितम्बर को प्रदान किये जाएंगे

प्रयागराज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 20वां दीक्षान्त समारोह आगामी 15 सितम्बर 2025 को अपराह्न 3.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया जायेगा। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल दीक्षान्त भाषण देंगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि समारोह में दिसम्बर 2024 और जून 2025 की परीक्षा में उत्तीर्ण 28,421 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी, जिनमें 17,268 पुरुष, 11,152 महिला और 1 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थी शामिल हैं। इस अवसर पर उपाधियां डिजीलॉकर में भी अपलोड की जाएंगी। उन्होंने बताया कि समारोह में कुल 1,537 शिक्षार्थियों ने उपाधि प्राप्ति हेतु पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि समारोह में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 27 मेधावी शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 15 पदक छात्राओं तथा 12 पदक छात्रों को मिलेंगे। कुलाधिपति स्वर्ण पदक अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से सम्बद्ध बी.एस.सी. की छात्रा उमा यादव को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न विद्याशाखाओं के 14 टॉपर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और 12 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि राज्यपाल के निर्देशानुसार दीक्षान्त समारोह से पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों के आंगनबाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में भाषण, चित्रकला और कहानी कथन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विकसित यूपी @2047 सीएम योगी का हर नागरिक को सुरक्षित और समृद्ध जीवन देने का संकल्प

यूपी का नया अवतार : आपदा की हार, गरीबी पर प्रहार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने ₹विकसित यूपी @2047₹ की दिशा में ठोस पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन है कि अगले 22 वर्षों में प्रदेश को ऐसी स्थिति में खड़ा किया जाए जहाँ आपदाओं से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक उपलब्ध हो और गरीबी का लगभग पूरी तरह से खात्मा हो जाए।

आपदा प्रबंधन : सैटेलाइट तकनीक से आपदा प्रबंधन

उत्तर प्रदेश सरकार ने इसरो (ISRO) के सहयोग से आपदा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक जोड़ने की पहल की है। इसके तहत मौसम पूर्वानुमान और आपदा राहत के लिए सैटेलाइट लांचिंग का प्रयास किया जा रहा है। इससे बाढ़, भूकंप और हीटवेव जैसी आपात स्थितियों की रीयल-टाइम जानकारी मिलेगी और राहत कार्य तेजी से किए जा सकेंगे।

हीटवेव से भूकंप तक सुरक्षा कवच

प्रदेश में बढ़ती हीटवेव और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए लखनऊ, आगरा और वाराणसी जैसे बड़े शहरों के लिए सिटी हीट एक्शन प्लान (एचएपी) तैयार किया जा चुका है, जबकि कानपुर और प्रयागराज के लिए इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। शहरी तापमान में वृद्धि को देखते हुए आईआईटी, एम्स और केजीएमयू जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ इन योजनाओं को तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। हीटवेव के अलावा भूकंप, अग्निकांड और केमिकल दुर्घटनाओं से निपटने के लिए राज्य स्तरीय एचवीआरसीए (जोखिम, संवेदनशीलता और क्षमता का आकलन) पर काम हो रहा है। प्रदेश के 34 जनपद भूकंप आपदा के लिहाज से संवेदनशील हैं। इन इलाकों में स्कूलों, अस्पतालों, फैक्ट्रियों, रेलवे परिसरों और मॉल्स में मॉक ड्रिल के जरिए लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

> ● 2047 तक यूपी की अर्थव्यवस्था को 6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

गरीबी उन्मूलन : 6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर

उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े आठ वर्षों में गरीबी उन्मूलन में अभूतपूर्व प्रगति की है। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार 2015-16 की तुलना में प्रदेश में गरीबी दर में 20.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 13.57 अंक रहा। यह अंतर दर्शाता है कि यूपी ने गरीबी उन्मूलन में देशभर में सबसे तेज प्रगति की है। सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच और ₹सबका साथ, सबका विकास₹ की नीति ने करीब 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में मदद की है। स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है।

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक यूपी की जीएसडीपी 6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाई जाए, जो भारत की अनुमानित जीडीपी का 20 प्रतिशत होगी। इसके लिए प्रदेश को अगले 22 सालों में लगभग 16 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। वर्तमान में प्रदेश की जीएसडीपी 353 बिलियन डॉलर है, जिसे 2030 तक 1000 बिलियन, 2036 तक 2000 बिलियन और 2047 तक 6000 बिलियन डॉलर यानी 6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। वर्ष 2047 तक प्रति व्यक्ति आय 26 लाख रुपये तक पहुंचाकर 'जीरो पॉवर्टी' के लेवल तक पहुंचाना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संकल्प है।

2017 से पहले और अब

2017 से पहले प्रदेश आपदा प्रबंधन और आर्थिक समृद्धि दोनों ही क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ था। आपदा प्रबंधन की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं थी और योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक नहीं हो पाती थी। लेकिन बीते साढ़े आठ वर्षों में शासन की दक्षता, पारदर्शिता और तकनीकी सहयोग ने तस्वीर बदल दी है। अब प्रदेश विकास की नई उड़ान भरने को तैयार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट मत है कि विकसित यूपी का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं है, बल्कि आपदा प्रबंधन, गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में मजबूत आधार खड़ा करना भी है।

किसानों ने चूल्हा जलाया: महिलाएं और अफसर भिड़े

लखनऊ नगर निगम के अंदर किया प्रदर्शन, गोवंश को मारने वाले कर्मी पर एफआईआर की मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को करीब 200 किसान चूल्हा-लकड़ी और बर्तन लेकर पहुंच गए। उनका कहना था कि हम अब यहीं रहेंगे, यहीं खाना बनाएंगे। उनके पशुओं को जबरदस्ती हटाया जाता है। जबकि, जो अवैध डेयरी हैं वहां के पशुओं को हटाने के लिए डेयरी संचालकों को पहले से सूचना दे दी जाती है। आरोप लगाया कि बीते दिनों पशुओं को हटाने गए नगर निगम के कर्मियों ने एक गोवंश को मार डाला। ऐसी जबरन कार्रवाई के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। किसानों ने लकड़ी, राशन सहित अन्य सामान मंगा लिए गए हैं। मुख्यालय में लाउडस्पीकर लेकर पहुंचे हैं। इस दौरान महिलाओं की अधिकारियों के बीच बहस भी हुई।

भारतीय किसान यूनियन₹ टिकैत के जिला अध्यक्ष आलोक वर्मा ने कहा कि काकोरी के बरावन कला गांव लालजी टंडन वार्ड जोन-6 में नगर निगम की टीम की पिटाई से गोवंश की मौत हो गई। इस दौरान गलत ढंग से किसानों का पशु धन पकड़ा गया। उनका कहना है कि नगर निगम ऐसा विभाग है कि इनके खिलाफ कोई बड़ा आंदोलन हुआ नहीं है, अभी मिट्टी का तेल डाला है, तीन चार दिन बाद इसपर हथौड़ा पड़ेगा तो इन्हें समझ में आएगा। उनका कहना है कि नगर निगम के अधिकारी अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहे यह लोग गांव के किसानों को टारगेट कर रहे है। किसान यूनियन की महिला जिलाध्यक्ष उर्मिला मौर्या ने कहा कि यहां पर अधिकारी निकम्मे हो गए हैं। सीएम ऑफिस से लेकर मंत्री, सांसद और विधायक के यहां पर भी एक से अधिक मवेशी पाले गए हैं, लेकिन ये लोग सिर्फ एक जानवर पालने वाल किसानों को टारगेट कर रहे हैं, जबकि अवैध डेयरियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही। ऐसे में अधिकारियों को सोचना चाहिए कि आप क्या कर रहे हैं।

सरोजनीगनर विधायक से मिलकर समस्याओं से कराया अवगत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने सरोजनीनगर विधायक डा. राजेश्वर सिंह से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। ।उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने अपने 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल के साथ सरोजनीनगर विधानसभा के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह से उनके निवास पर क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर मुलाकात की । प्रदेश अध्यक्ष ने सरोजनीनगर क्षेत्र में स्वास्थ्य, विद्युत, नगर निगम, पुलिस व्यवस्था पर अधिकारियों के दोहरे रवैये से विधायक को अवगत कराते हुए उनसे संज्ञान में लेने का अनुरोध किया। विधायक डां. राजेश्वर ने सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले सभी 43 सेंटरों की समीक्षा कर लिखित रूप में अवगत कराने को कहा। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं को 10 दिन में एकत्रित कर लिखित में देने को कहा। प्रतिनिधि मण्डल को विधायक द्वारा मां पीतांबरा की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया ।प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश महासचिव दिलीप द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री रवीश श्रीवास्तव, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार जगजीत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि शर्मा, विधानसभा प्रभारी सरोजनीनगर जितेंद्र कुमार हजेला, विधानसभा अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ नीरू तिवारी, समीक्षा प्रभारी दीप्ति सिंह, नादरगंज व्यापार मण्डल अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह यादवऔर एयरपोर्ट व्यापार मण्डल इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश दुबे मौजूद रहे।

एक्सप्रेस से पांच नाबालिगों को बचाया, एक गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में रेलवे सुरक्षा बल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाल तस्करी के शिकार पांच नाबालिग लड़कों को लखनऊ जंक्शन से सकुशल बचा लिया। यह कार्रवाई गंगा-सतलुज एक्सप्रेस में की गई, जहां से एक संदिग्ध तस्कर को भी मौके से दबोच लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह व्यक्ति बच्चों को अवैध रूप से बाहर ले जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी को रेलवे सुरक्षा बल ने आगे की जांच के लिए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट दलिगंज थाने, लखनऊ को सौंप दिया है। वहीं, बचाए गए बच्चों को फिलहाल सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और उनकी काउंसलिंग की जा रही है ताकि वे सामान्य मानसिक स्थिति में लौट सकें। बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रेन में नाबालिगों को अवैध तरीके से ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने ट्रेन की चेकिंग की और बच्चों को बचा लिया। समय पर कार्रवाई नहीं होती तो इन बच्चों को राज्य से बाहर ले जाकर किसी अवैध नेटवर्क को सौंपे जाने की आशंका थी।अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में बाल तस्करी गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

पीजीआई के डॉक्टर ने बिना चीरे के मस्तिष्क मेरू रिसाव को किया दूर

लखनऊ। एसजीपीजीआई के डॉक्टर ने बिना चीरा लगाए दूरबीन विधि से मस्तिष्क मेरू रिसाव (स्फेनोइडल सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड-सीएसएफ) सर्जरी की है। डॉक्टर का दावा है कि देश की पहली न्यूनतम इनवेसिव संयुक्त ट्रांसऑर्बिटल और एंडोनासल सर्जरी है। विश्व में अभी तक सिर्फ पांच रोगियों का इस तकनीक से ऑपरेशन किया गया है। जबकि देश में अभी इसका ऑपरेशन नाक में चीरा लगाकर किया जा रहा है। यह ऑपरेशन एसजीपीजीआई के न्यूरोऑटोलॉजी के प्रमुख डॉ. रविशंकर, चण्डीगढ़ पीजीआई के ईएनटी सर्जन डॉ. आरएस विर्क और गोवा के डॉ. गोविन्द भुस्कुटे ने मिलकर किया है। लखनऊ एसजीपीजीआई के डॉ. रवि शंकर ने बताया कि 40 वर्षीय महिला के दिमाग का सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड उसकी बांयी नाक से आ रहा था। रोगी को सिर दर्द, उल्टी व चक्कर आदि के लक्षण थे। उन्होंने बताया कि इस रोगी के दांयी नाक में बिना चीरा लगाए सर्जरी की गई। अब महिला की नाक से रिसाव बंद हो गया है। चीरा न लगने की वजह से नाक के आसपास कोई निशान नहीं पड़ा है। डॉ. रवि शंकर ने पहला मामला होने के नाते ऑपरेशन में करीब दो घंटे का समय लगे। इसमें करीब 40 हजार रुपये का खर्च आया है। उन्होंने बताया कि अब लखनऊ में इस तकनीक से ऑपरेशन करेंगे।

एक नजर

मानसिक मंदित अधेड़ लापता

लखनऊ। हजरतगंज कोतवाली क्षेत्र के लालबाग के बेलदारी लेन 120/127 की रहने वाली राबिया बनो पत्नी कमरूद्दीन का पुत्र फखरूद्दीन (50) बुधवार 10 सितम्बर को सुबह 9 बजे घर से बाहर गया था। वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन कहीं भी उसका पता न चल सका। राबिया का पुत्र मानसिक मन्दित है तथा बोल नहीं पाता है। परिजनों को उसकी काफी चिंता है कि कहीं उसके साथ कोई अप्रिय घटना न घटित हो जाये। इसलिए पीड़िता का परिवार बहुत परेशान हैं। पीड़िता ने कोतवाली हजरतगंज में प्रार्थना पत्र देकर फखरूददीन को ढूढ़ने की गुहार लगाई है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर शिकायत दर्ज कर ली व खोजबीन जुट गई है।

ब्लड डोनेशन कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन

लखनऊ। शनिवार को सिविल कोर्ट,(लोक अदालत) लखनऊ में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के ब्लड डोनेशन प्रभारी मनीष शुक्ला के नेतृत्व में ब्लड डोनेशन कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. विनोद (प्रभारी, ब्लड बैंक बलरामपुर), डॉ. रुचि (कोऑर्डिनेटर, ब्लड बैंक बलरामपुर) सहित डॉक्टरों की टीम एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे।साथ ही मोहम्मद हारुन (प्रभारी ब्लड, स्टेट ब्रांच, रेड क्रॉस सोसाइटी) ब्लड बस के साथ मौजूद रहे। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा लखनऊ के सचिव अमरनाथ मिश्र जी ने बताया कि इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी समय-समय पर आम जनमानस को जागरूक कर राष्ट्रहित में रक्तदान करने हेतु शिविर का आयोजन करती रहती है। मनीष शुक्ला ने बताया कि आज का कैंप लोक अदालत के सहयोग से लगाया जिसमें 14 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया डोनेट करने वाले डोनर का हौसला बढ़ाने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा लखनऊ के मनीष शुक्ला के साथ अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

जो पैसा वापस होगा उसकी भरपाई कौन करेगा

लखनऊ। जिन वस्तुओं 18% 12% 5 %पर थी अब जीएसटी की दर निल यानी 0% हो गई है उन सभी वस्तुओं पर 22 सितम्बर से जब हम बचा हुआ स्टॉक निल पर बेचेंगे तो उक्त बचे हुए स्टॉक की क़ीमत पर जो आईटीसी हमने ली थी वह वापस करनी पड़ेगी जैसे हमारे पास 10000 रुपये का माल ख़रीदा था और 21/9 की रात 11/59 ?तक हमे कोई आईटीसी वापस नहीं करना है अब 22 की सुबह हमारे पास उस स्टॉक का 2000 रुपये का स्टाक बचता है तो 18% जो 360 रुपये है उसे अगर क्रेडिट लेजर में बैलेंस है तो उससे भुगतान करना होगा sec18 सब sec 4 के अंतर्गत उपरोक्त विषय आता है अब दूसरा विषय देखे अब प्रश्न यह उठता हैं की जो पैसा वापस किया जाएगा उसकी भरपाई कौन करेगा तो मानी हुई बात है की उसको आप क़ीमत में जोड़ लें। अब जिसमे रेट कम किया गया वो है जैसे कोई वस्तु 12%थी अब 5% हो गया है इसमें कोई आईटीसी वापस नहीं करनी पड़ेगीकुल मिलाकर व्यापारी टैक्स के मकड़जाल में फँसा रहेगा और जानता को क्या मिलेगा 22 के बाद देखा जाएगा।

स्कूल को मिला सामाजिक कार्यकर्ता का सहयोग

लखनऊ। सामुदायिक सहयोग के तहत प्राथमिक विद्यालय बखारी को सामाजिक कार्यकर्ता उमेश कनौजिया का सहयोग मिला तो बच्चे गदगद हो उठे। गोसाईगंज विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय बखारी के इंचार्ज अध्यापक संतोष कुमार ने बताया कि समाजसेवी उमेश कनौजिया ने प्राथमिक विद्यालय बखारी के बच्चो के लिए तीन बड़े पंखे भेट किए। प्रार्थना सभा के बाद बच्चों की असेंबली के दौरान पंखे बहुत ही उपयोगी साबित होंगे। गोसाईगंज विकासखंड के ही घुसकर गांव निवासी उमेश कनौजिया ने प्राथमिक विद्यालय बखारी में पौधे भी रोपे और बच्चों का स्वागत किया। इस मौके पर मौजूद रहे प्रधान प्रतिनिधि दीपक कुमार, महमूदपुर प्रधान सर्वेश कुमार के साथ ही दुर्गेश कुमार और कमल किशोर का भी स्वागत किया गया।

माता वैष्णो देवी के भक्तों में खुशी की लहर

अट्ठारह दिन बाद आज से शुरू होगी यात्रा

लखनऊ। जम्मू के कटरा नगर के पास स्थित माता वैष्णो देवी धाम पर हुए भूस्खलन के बाद बंद की गई यात्रा रविवार से फिर शुरू होगी। इस खबर से मां के भक्तों में खुशी की लहर दौड़ गई है। यात्रा स्थगित कर चुके श्रद्धालु फिर से यात्रा की तैयारी करने लगे हैं। करीब 18 दिन बाद यात्रा शुरू होने पर भी ट्रेनों के टिकट वेटिंग में मिल रहे हैं। नवरात्र नजदीक होने के कारण ट्रेनों में काफी भीड़ बढ़ने की संभावना है। अगस्त महीने की 26 तारीख को मां के भवन के रास्ते पर हुए भूस्खलन में 34 यात्रियों की जान चली गई थी जबकि दर्जनों यात्री घायल हो गए थे। यह अब तक का बड़ा हादसा था। भूस्खलन से भवन के रास्ते को बड़ा नुकसान पहुंचा। खराब मौसम और भवन का रास्ता ठीक न होने से श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को रोक दिया था। रविवार 14 सितंबर से यात्रा शुरू होने की खबर मिली तो श्रद्धालुओं के चेहरे खिल उठे। यह जानकारी श्राइन बोर्ड द्वारा दी गई। यात्रा रविवार से शुरू होने जा रही है लेकिन जम्मू को जाने वाली ट्रेनों में फिलहाल वेटिंग के टिकट मिल रहे हैं। अब से लेकर नवरात्र तक कोलकाता जम्मू तवी एक्सप्रेस, बेगमपुरा एक्सप्रेस, अमरनाथ एक्सप्रेस और हिमगिरि एक्सप्रेस सहित अन्य कुछ ट्रेनों में वेटिंग है। खराब मौसम के कारण अपनी यात्रा स्थगित कर चुके श्रद्धालु अब फिर से यात्रा की तैयारी में लग गए हैं।

स्टील इंजीनियरिंग सर्विस के मालिक पर पैसा हड़पने की शिकायत

लखनऊ। लेफ्टिनेंट कर्नल अनिल कुमार उपाध्याय, हिमालयन कॉलोनी ,बिजनौर रोड लखनऊ में रहते हैं। और मौजूदा समय में मध्य प्रदेश में पोस्टेड हैं। उन्होंने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि, अब्दुल वदूद स्टार स्टील इंजीनियरिंग सर्विस को कि साउथ सिटी पुलिस चौकी अंतर्गत संचालित है ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वदूद ने उनके उन्नाव स्थित भूखंड पर वाणिज्यिक वेयरहाउस के निर्माण के लिए 10 लाख 10,000 रुपये का भुगतान किया था, लेकिन उन्होंने कोई काम नहीं किया और पैसे वापस नहीं किए। वदूद ने अनुबंध की शर्तों के अनुसार कोई कार्य आरंभ नहीं किया है। उन्होंने बिना किसी स्वीकृत नक्शे या अनुमति के खुदाई कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने पैसे वापस करने से इनकार कर दिया और अब फोन नहीं उठा रहे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल उपाध्याय ने बताया कि उन्हें 26 अक्टूबर 2024 को एक नोटिस दिया था कि यदि 10 दिनों के भीतर सभी वैध कागजी कार्यवाही पूरी नहीं की गई, तो अनुबंध रद्द माना जाएगा और उन्हें पूरी राशि 0 .5% कंपाउंड ब्याज (प्रतिमाह 2%) सहित लौटानी होगी। उसके बाद भी आरोपी ने कोई जबाव नहीं दिया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

यात्री के बैग में कारतूस मिलने से मचा हड़कंप

लखनऊ । सरोजनी नगर के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से कारतूस बरामद हुआ ।प्रयागराज के नवाबगंज मलिकपुर निवासी इरफान अहमद दम्माम जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6E97 से जाने वाले थे ।एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी की कर्मचारी दिया शुक्ला बैगेज स्क्रीनिंग कर रहीं थीं। स्क्रीनिंग के दौरान एक बैग में संदिग्ध वस्तु दिखी। जांच में इरफान के बैग से 8 एमएम केएफ 315 बोर का एक कारतूस मिला। अडानी कंपनी के सुपरवाइजर स्क्रीनर राघवेंद्र प्रताप सिंह ,जूनियर अफसर रजत अवस्थी , इंडिगो स्टाफ और सीआईएसएफ के एएसआई के के सिंह ने यात्री को सरोजनीनगर थाने ले गये । पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्य वाई कर रही है।

पत्रकारों का संकल्प : सुरक्षा, मान्यता और एकजुटता पर हुआ मंथन

विश्ववार्ता संवाददाता

निगोहां। निगोहां प्रेस क्लब की मासिक बैठक शनिवार को श्रद्धांजलि सभा के साथ आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत प्रेस क्लब पदाधिकारी सुनील त्रिवेदी के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए हुई। उपस्थित पत्रकारों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय शुक्ला ने किया, जबकि अध्यक्षता पीजीआई प्रेस क्लब अध्यक्ष सरोज सिंह ने की। इस दौरान पचास से अधिक पत्रकारों ने भागीदारी कर संगठन की मजबूती, पत्रकार सुरक्षा, मान्यता और हितों को लेकर अपने विचार रखे।

सरोज सिंह ने कहा कि संगठित पत्रकारिता ही समाज और लोकतंत्र की असली ताकत है। उन्होंने सभी पत्रकारों से एकजुट रहकर पत्रकारिता की साख और सम्मान की रक्षा करने का आह्वान किया। मान्यता प्राप्त पत्रकार योगेंद्र तिवारी ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक मंच से ही संभव है। वरिष्ठ पत्रकार दिलीप मिश्रा ने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि संघर्ष पत्रकारिता की परंपरा का हिस्सा रहा है और एकता ही हर चुनौती का हल है। नगराम क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार बृजराज सिंह ने कहा कि पत्रकारों को सक्रिय भूमिका निभाकर आगे की रणनीति तैयार करनी होगी। वहीं, पीजीआई क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार संतोष राय और शिवा मिश्रा ने कहा कि बदलते दौर में पत्रकारिता पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारी की मांग करती है। फेक न्यूज़, दबाव और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच भी पत्रकारों को निष्पक्ष और निर्भीक रहकर कलम चलानी होगी। इस अवसर पर डॉ. शेर बहादुर यादव, महामंत्री प्रदीप द्विवेदी और वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मिश्रा ने भी अपने विचार रखे और संगठन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष विमल सिंह के संबोधन से हुआ।

उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता केवल खबर लिखने का कार्य नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा का सबसे बड़ा दायित्व बन चुकी है। ऐसे समय में संगठन और एकजुटता ही पत्रकारों की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में अधिवक्ताओं और पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर संयुक्त मोर्चा बनाने पर सहमति बनी। साथ ही, सरकार और प्रशासन तक पत्रकारों की समस्याएं पहुँचाने के लिए प्रतिनिधिमंडल गठित करने का निर्णय लिया गया। भविष्य में प्रशिक्षण कार्यशालाएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा भी तय की गई। अंत में सभी पत्रकारों ने आगामी माह की 9 तारीख को अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया और संगठन को मजबूत करने के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

भारत की तुलना नेपाल से करना हास्यास्पद : राजेश्वर

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा नेपाल का नाम लेकर भारत की जनता को भड़काए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। डॉ. सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ₹समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा यह कहना कि "भारत की स्थिति नेपाल जैसी हो सकती है" न सिर्फ भ्रामक और हास्यास्पद है बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत और उपलब्धियों का अपमान है।

चिनहट में गोली लगने से युवक घायल, जांच जारी

लखनऊ। शनिवार को रात लगभग नौ बजे चिनहट क्षेत्र के मटियारी गांव निवासी सुरेंद्र पाल यादव के पुत्र पुनीत यादव 37 वर्ष को चार लोगों ने उस समय गोली मार दिया जब वह प्रणामी मंदिर पर बैठे थे। गोली पुनीत की कमर में लग कर दूसरी तरफ निकल गई। घायल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र के अनुसार पुनीत यादव ने विपक्षी विनय यादव एवं तीन अन्य अज्ञात लोगों द्वारा गोली मारने की बात कही है। गोली कमर में लगकर आर पार हो गई। बताया गया कि गोली पुरानी रंजिश में मारी गई है।

घटना की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया है कि पुनीत की हालत खतरे से बाहर है। आरोपियों की तलाश और घटना की जांच जारी है।

लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऐलान

नई हिंदी फिल्म शुभ संगम की घोषणा की गई, दो से चार दिसंबर तक चलेगा महोत्सव

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। नवाबों का शहर लखनऊ अब सिनेमा के रंग में रंगने जा रहा है। यहां आयुब खान द्वारा शुरू और आयोजित नखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऐलान किया गया है। यह तीन दिन का फिल्म महोत्सव 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक चलेगा,जिसमें फिल्मकारों, कलाकारों और दर्शकों को एक साथ लाकर कहानियों का जश्न मनाया जाएगा।

फेस्टिवल के फाउंडर,फिल्म प्रोड्यूसर,डायरेक्टर व डिस्ट्रीबूटर आयूब खान ने लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के बारे में कहा ₹लखनऊ एक शानदार शहर है और यहां सिनेमा को बेहद प्यार मिलता है।दिसम्बर के पहले हफ्ते में हम तीन दिन का यह फिल्म महोत्सव आयोजित कर रहे हैं।मुझे खुशी है कि राखेण बेदी, सोहम पी.शाह और फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बी.एन.तिवारी जैसे बड़े नाम इस खास मौके पर हमारे साथ हैं।₹इसी मौके पर आयूब खान ने अपनी आने वाली हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की भी घोषणा की।फिल्म निर्देशक और जूरी सदस्य सोहम पी.शाह ने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश राज्य में, हम यह प्रतिष्ठित फेस्टिवल लखनऊ के महारागंज स्थित पीबीजार सिनेमा में शुरू कर रहे हैं। इस फेस्टिवल का मकसद यहां के प्रतिभाशाली लेखक,निर्देशक और कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। यह महोत्सव 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक पीवीआर सिनेमा,महारागंज, लखनऊ में होगा। और खास बात यह है कि आयूब खान जी की नई हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की शूटिंग भी नवंबर 2025 से उत्तर प्रदेश में ही शुरू होगी।₹ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ फिल्म अभिनेता राखेश बेदी,जो फेस्टिवल में जूरी सदस्य भी होंगे और फिल्म शुभ मंगम में भी अभिनय करेंगे, ने कहा ₹लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लॉन्च और फिल्म जुन संगम की घोषणा पर में आयूब खान और लखनऊ की जनता को बधाई देता है। मुझे खुशी है कि मैं इस फेस्टिवल में जूरी सदस्य होने के साथ-साथ फिल्म शुभ संगम में भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहा हूं। पूर्व सेंसर बोर्ड अध्यक्ष पहलाद निहलानी ने कहारू लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के बोर्ड का डायरेक्टरस का हिस्सा बनकर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। 13 सितंबर 2025 को लखनऊ में इस भाव फेस्टिवल का शुभारंभ किया गया है। मैं सभी से आगरा करता हूं की आयु खान को आज आशीर्वाद और शुभकामनाएं दें। प्रयागराज के रहने वाले अयूब खान बेहद प्रतिभाशाली और रचनात्मक सोच वाले इंसान हैं। या फिल्म फेस्टिवल उनकी मेहनत और यहां के कलाकारों की मांग वह समर्थन का परिणाम है। साथ ही वह अपनी फिल्म शुभ संगम का भी ऐलान कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग पूरी तरह उत्तर प्रदेश में होगी। मैं उनके लिए दिल से शुभकामनाएं देता हूं। लखनऊ में लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और शुभ संगम दोनों की घोषणा एक साथ ही एक शहर बड़े सांस्कृतिक उत्सव के लिए तैयार है।

फ्रेशर पार्टी में सम्मानित हुई मिस फ्रेशर चुनी गई छात्राएं

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज स्थित लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय में शनिवार को नव प्रवेशित छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। आयोजन में छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और आकर्षक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मिस फ्रेशर छात्राओं का चयन हुआ तो तालियां गूंज उठी।

बालिका महाविद्यालय के हाल में हुई फ्रेशर पार्टी का प्रबंधक अंबिका प्रसाद वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। छात्राओं के कार्यक्रमों के बीच

विद्यालय के प्रबंधक अम्बिका प्रसाद वर्मा ने भी पियानो अकॉर्डियन पर संगीतमय प्रस्तुति दी जिसकी खूब सराहना की गई।

महा विद्यालय में बीए की मिस फ्रेशर का ताज सौम्या के सिर बंधा तो बी कॉम में रानी, बीएलएड में तृप्ति तथा परास्नातक पाठ्यक्रमों से एम कॉम की अक्शा कलाम को मिस फ्रेशर चुना गया। सभी को प्रबंधक एवं प्राचार्या द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

जिसमे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः अनामिका बी ए तृतीय वर्ष, अंशिका राजपूत एवं साक्षी सैनी बी ए प्रथम वर्ष को मिला। कार्यक्रम में प्रबंधक अम्बिका प्रसाद वर्मा, श्रीमती सरिता वर्मा, प्राचार्या डॉ नीरज सिंह रघुवंशी सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

आयोजन डा .एसएन गुप्ता सहित अनेक हस्तियां व 108 साहित्यकार सम्मानित, पुस्तक प्रेमियों ने खरीदीं मनपसंद किताबें

22 वां पुस्तक मेला : रतन सिस्टर्स ईशा-मीशा के कथक से सजी शाम

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। बलरामपुर गार्डन अशोक मार्ग पर चल रहा 22वां राष्ट्रीय पुस्तक मेला समापन की दहलीज़ पर है। ग्यारहवें दिन हिन्दी दिवस पर कल रात मेला विदा ले लेगा। पुस्तक प्रेमियों से गुलजार मेले में लोग अपनी पसंद के हिसाब से किताबें खरीदते दिखे। बाराबंकी के विनय ने दलित साहित्य की 15 पुस्तकें खरीदीं। मधूलिका ने शुभि प्रकाशन से जय शेट्टी की संन्यासी की तरह सोचें और रोजर की फर्स्ट थिंग्स फर्स्ट किताब खरीदी।

इंटर स्टूडेंट अवंतिका और प्रभात ने बाइनाकुलर जैसे कुछ उपकरण पसंद किए। नन्हीं ऋचा, क्षिति और आरव ने कलरिंग बुक और कहानियों की किताबें लीं। मेला मंच पर आज निखिल प्रकाशन के पर्यावरण चेतना व सम्मान समारोह में 108 हिन्दी साहित्यकारों को

सम्मानित करने के पश्चात बंगाल के सेवानिवृत्त शिक्षक सुकुमार जैन की बांग्ला पुस्तक कविता कहानी का संग्रह काकोली का विमोचन हुआ। शाम को पुस्तक मेला समिति और द ट्रिब्यून का सम्मान समारोह हुआ। समारोह में कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो.एमएलबी भट्ट, जबलपुर विधि विधि के प्रो.बलराज चौहान, ग्वालियर के प्रो.ए सिंह, पीएफ आयुक्त एके गुप्ता, शिक्षाविद् रचना मेहरोत्रा जैसे अतिथियों और संयोजक मनोज सिंह चंदेल व केपी सिंह व केपी सिंह ने स्वास्थ्य व अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न

देकर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया। इनमें श्वास रोग विशेषज्ञ डा.एसएन गुप्ता, डा.ममता गुप्ता, डा.अरवीन तुलसी, डा.फराह अरशद, डा.केबी जैन, डा.एएम सिद्दीकी, डा.देवेश कोहली, डा.अमित कुमार निरंजन, जसवंत सिंह, नितिन भाटिया, सिटी एसेंस पत्रिका की ईशा सिंह, डा.रिंकी पाठक, रामशंकर वर्मा, अर्चना राय, रचना मित्रा, डा.तुषार चेतावनी, मधुलिका अग्रवाल, मधुमिता मुखर्जी, अंजना स्वामी और शिल्पी जैन आदि शामिल थे। शाम को वाणी प्रकाशन से निकली रतन श्रीवास्तव रतन की पुस्तक ख्वाबों का ताना बाना का विमोचन हुआ। अंत में भुशुण्डि साहित्य संस्थान का कार्यक्रम हुआ।

आज के कार्यक्रम

- पूर्वाह्न 11:00 बजे काव्य समारोह-लक्ष्य सांस्कृतिक संस्थान
- अपराह्न 3 .30 बजे नृत्य- स्नेहा रस्तोगी
- शाम 4 :00 बजे चन्द्रशेखर वर्मा के ग़ज़ल संग्रह पर चर्चा
- शाम 4 :30 बजे के विक्रम राव स्मृति कार्यक्रम
- शाम 5 :30 बजे स्मरणांजलि
- शाम 7 :15 बजे काव्य समारोह-अपूर्वा संस्था

बिजली सी गति में रतन सिस्टर्स का मोहक कथक

मेले में रतन सिस्टर्स ईशा-मीशा के डांस ग्रुप की शास्त्रीय कथक और अन्य नृत्य प्रस्तुतियों में बिजली सी चपलता दिखी। ईशा-मीशा ने रुद्राष्टकम में शिव का वंदन स्तवन किया। राम वंदना के संग सूफी रंगत में छाप तिलक सब छीन्हीं... भी अलग अलग रंगों में रही। शिष्याओं अनुष्का सिंह रिद्धिमा श्रीवास्तव ने गणेश वंदना और काहे छेड़ पर नृत्य किया।

शाहजहांपुर में धार्मिक टिप्पणी से भड़की भीड़, पुलिस ने भीड़ को तितर बितर किया

अफवाहों पर ध्यान न दें, शांति व कानून व्यवस्था पूरी तरह कायम : डीएम

» अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी : एसपी

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। सोशल साइट पर धार्मिक अभद्र टिप्पणी के बाद शहर का माहौल थोड़ा गरमा गया। लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर उसके खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। वही थाने के बाहर लगी भीड को पुलिस ने तितर बितर कर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है। साथ ही अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल आरोपित को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। डीएम का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है और शहरवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर रखे हुए है। डीएम एसपी भारी पुलिस बल के साथ शहर में पैदल मार्च कर नजर बनाए हुए हैं।

बरेली दिशा पाटनी के पैतृक आवास पर फायरिंग पर पुलिस सक्रिय

विश्ववार्ता संवाददाता

» दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी ने की शस्त्र लाइसेंस मांगा

बरेली। अभिनेत्री दिशा पाटनी के सिविल लाइंस स्थित घर पर हुई फायरिंग के बाद परिवार दहशत में है। पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अफसर दिशा ने पिता रिटायर्ड विजिलेंस सीओ जगदीश पाटनी से भी बात कर हालचाल जाना और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी ने जिलाधिकारी से शस्त्र लाइसेंस मांगा है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि एसपी ट्रैफिक मो. अकलम खान को भी हमलावरों को पकड़ने में लगाया गया है। एसपी ट्रैफिक की टीम आईसीसीसी के माध्यम से हमला होने से लेकर उससे 72 घंटे तक की फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही एसपी ट्रैफिक की टीम बदमाशों के फरार होने वाले रूट के सभी कैमरों को भी खंगालेगी। पुलिस हमला होने से 72 घंट तक दिशा पाटनी के घर के बाहर हर हलचल को भी देखेगी। मानुष पारिक, एसपी सिटी ने बताया कि हमलावरों की तलाश में अब छह टीमें लगाई गई हैं। अब तक उनके बारे में कोई सुराग नहीं लगा है। हर दिशा में जांच पड़ताल की जा रही है।

घटना स्थल से खोखे बरामद हुए थे। जिससे यह बात तो साफ है। फायरिंग पिस्टल से ही हुई है। लेकिन किस तरह की पिस्टल से फायरिंग हुई है। इस बात की जानकारी के लिए बरामद हुए खोखे एफएसएल भेजे गए है। एफएसएल की रिपोर्ट आने के बाद पता चल पाएगा। दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग के बाद पुलिस अधिकारियों ने उनको सुरक्षा प्रदान कर दी है। इसके साथ ही घर पर पुलिस गारद लगा दी है। सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत करने के लिए अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी ने घर की गली में गेट लगाने का काम शुरु करा दिया है। जगदीश पाटनी ने बताया कि गली में गेट लगने के बाद एक गार्ड भी लगाया जाएगा। जो गली में आने वालों का रिकार्ड रखेगा। घर पर ही थी। हमले के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस आला अधिकारियों ने मौके पर पहुं च कर घटना स्थल का निरीक्षण किया था। हमले की जानकारी होने पर अभिनेत्री दिशा पाटनी भी घबरा गई। दिशा पाटनी ने बहन खुशबू पाटनी को फोन कर परिवार की कुशलता जानी। श्री पत्नी बरेली के डीएम से शस्त्र लाइसेंस माँगा है। बता दें कि हमले के बाद फरार हुए हमलावरों को पुलिस तलाश कर रही है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला था कि हमलावर रामपुर की ओर से झुमका तिराहा से शहर में प्रवेश किया था। हमले को अंजाम देकर बदमाश झुमका चौराहे का रास्ता नहीं चुना था।

उधार के रुपये मांगने पर दो पक्षों में मारपीट, रिपोर्ट

भोजीपुरा। उधार के रुपये मांगने पर दो गुटों में मारपीट हो गई। मारपीट की घटना में युवक व उसकी बहन मां भी घायल हो गए। पुलिस ने एक युवक व महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घायलों को मेडिकल उपचार के लिए भेजा उपचार के बाद डाक्टर ने सभी घायलों की छुट्टी कर दी।

भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव भूड़ा निवासी राहुल साहू के गांव के ही राहुल पर उधार के 8000 आ रहे थे। राहुल साहू अपने रुपये मांगने गया तभी राहुल ने रुपये देने से इंकार कर दिया और गंदी गंदी गालियां देने लगा। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने गालियां देने पर विरोध जताया तो आरोपी ने परिवार की महिला के साथ लाठी डंडों से मारना शुरू कर दिया। शोरगुल की आवाज पर मां गंगादेई व बहन राधा बचाने पहुंची तो हमलावरों ने उनकी भी पिटाई कर दी।

पुलिस ने घायल राहुल के भाई आकाश साहू की तहरीर पर राहुल व महिला नन्ही देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भोजीपुरा भेजा जहां डाक्टर ने उपचार के बाद छुट्टी कर दी।

किराना दुकानदार पर लाठी-डंडो से हमला

बरेली। थाना आंवला क्षेत्र के ग्राम मनौना में उस वक्त हड़कंप मच गया जब किराना दुकानदार पर दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित को बचाने आए युवक भी दबंगों ने जमकर पीटा, पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जानकारी देते हुए पीड़ित इमरान पुत्र अहमद नवी ने बताया कि उसकी गांव में ही किराना की दुकान है। वह अपनी दुकान पर बैठा था। तभी गांव के ही जगमोहन सिंह उर्फ कल्लू अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ लाठी, हाकी और तमंचे से लैस होकर दुकान पर आ धमका। आरोप है कि इन्होंने बिना किसी उकसावे के दुकानदार पर हमला कर दिया। दुकान पर मौजूद सद्दाम पुत्र मेंहदी हसन ने जब बीच-बचाव किया तो हमलावरों ने उसे भी नहीं बख्शा और तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना सुबह लगभग 8 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित इमरान ने तत्काल थाना आंवला में लिखित शिकायत दी है।

एक नजर

डीएम-एसपी ने संयुक्त रूप से थाना समाधान दिवस में की जनसुनवाई

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने संयुक्त रूप से थाना समाधान दिवस में फरियादियों की सुनवाई की। गजरौला थाने में आयोजित समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी द्वारा फरियादियों की शिकायतों का संज्ञान लिया गया। आपसी विवाद संबंधी शिकायतों के संबंध में सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल व पुलिस कर्मचारियों द्वारा मौके पर जाकर समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाना समाधान दिवस पर कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति के अनुपस्थित न रहे। थाना प्रभारी को जनसुवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर फरियादियों की समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अधिक समय तक लम्बित न रहे। जिलाधिकारी द्वारा थानाध्यक्ष को निर्देश देते हुये कहा कि आईजीआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान जिलाधिकारी ने शिकायती प्रार्थना पत्र रजिस्टार का निरीक्षण किया। रजिस्टर में शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता देखी तथा लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। थाना समाधान दिवस के दौरान संबंधित थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

पीलीभीत। समाधान विकास समिति के तत्वाधान में शहर के मोहल्ला अशरफ खां स्थित कंपोजिट विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।माहिरा और अदीबा ने प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्य तथा प्राथमिक चिकित्सा सेवाकर्ता के गुणों का वर्णन किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका यामिनी मिश्रा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिक चिकित्सा दिवस प्रत्येक वर्ष सितंबर माह के द्वितीय शनिवार को मनाया जता है। आधुनिक प्राथमिक चिकित्सा का जनक फ्रेडरिक एस्मार्च को माना जाता है और वह एशियाई सैन्य सर्जन थे। उन्होंने युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की सहायता के लिए प्राथमिक चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री ने किया वृक्षारोपण, कहा- हर नागरिक एक पौधा अवश्य लगाए

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। नगर निगम के मेरा शहर-मेरा घर अभियान के तहत शनिवार को वार्ड 60 मोहल्ला गाड़ी गाड़ीपुरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुतुलाल चौराहा से रोजा रोड तक सड़क किनारे फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आम, जामुन और इमली के पौधे रोपकर किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सभी लोग कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे जीवित रखने का संकल्प लें। उन्होंने यह भी अपील की कि लगाए

गए पौधों की देखभाल विशेष रूप से की जाए ताकि भविष्य में आमजन को इनसे छाया और शुद्ध ऑक्सीजन मिल सके। वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर विकास विभाग, स्थानीय नगरीय निकाय, लखनऊ के अपर निदेशक असलम अंसारी, नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र, संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त तरुण प्रताप सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल, उद्यान प्रभारी विजय नारायण मौर्य, अधिशासी अभियंता जल सुशील कुमार, वार्ड-60 से लाल सिंह यादव व अरुण सिंह मौजूद रहे। इसके अलावा मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरवंश दीक्षित, निरीक्षक सतेंद्र कटियार समेत अन्य संभ्रांत नागरिकों ने भी आम, जामुन, इमली, अशोक, अमलताश और कचनार के पौधे ट्री गार्ड सहित रोपे।

आपत्तिजनक पोस्ट करने वाली महिला गिरफ्तार

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना सदर बाजार पुलिस ने सोशल साइट पर हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी शनिवार को गदियाना तिराहे से की गई। पुलिस के मुताबिक 12 सितंबर को विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री अशनील सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें आरोप था कि मोहल्ला तारीन जलालनगर निवासी लूबीना जिआ समेत तीन लोगों ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी।

इस पोस्ट से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं और शहर में आक्रोश फैल गया। एसपी राजेश द्विवेदी के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में बनी

पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को लूबीना जिआ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि उसके पास से आपत्तिजनक पोस्ट करने में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। गिरफ्तार महिला के खिलाफ मुकदमा संख्या 545/2025 धारा 299/302 /353(3) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह, महिला उपनिरीक्षक साक्षी, महिला कांस्टेबल कविता यादव मौजूद थी। पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

20 हजार की रंगदारी मांगने के आरोप में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष यशवंत सिंह सहित चार पर मुकदमा दर्ज

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष यशवंत सिंह उनके हमसफर गोपाल शर्मा तथा शैली उर्फ जौली, गौरव राणा सहित एक अन्य व्यक्ति पर गौशाला पहुंचकर प्रधानपुत्र से बीस हजार की रंगदारी मांगने का आरोप है। प्रधानपुत्र की तहरीर पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। निषाद पार्टी के पदाधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है।

थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम पंचायत पंडरी निवासी प्रधानपुत्र कमल कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके द्वारा पंचायत स्थित गौशाला का संचालन किया जा रहा है। 10 सितंबर 2025 की रात्रि में एक गौवंश की मृत्यु हो गयी थी। रात होने के कारण गौवंश के शव की अंत्येष्टि नहीं की गई और शव को गौशाला में सुरक्षित रख दिया गया। सुबह को गौवंश के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रधानपुत्र का आरोप है कि अगले दिन कुछ लोग काले रंग की कार से गौशाला पहुंचे और कार से उतरते ही सभी केयर

आरोपी यशवंत सिंह, आरोपी गोपाल शर्मा, आरोपी गौरव राणा, आरोपी जौली गुप्ता

टेकर सहित उसे गन्दी-गन्दी गालियां व जानमाल की धमकिया देते हुए अमादा फसाद हो गये। प्रधानपुत्र ने विरोध किया तो दहशतगर्दों ने थप्पड़, लात-घूसों से मारना शुरू कर दिया। आरोप है कि दहशतगर्दों ने 20 हजार रुपए की रंगदारी न देने पर प्रधानपुत्र के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवाने की धमकी तक दे डाली। प्रधानपुत्र ने काले रंग की कार से गौशाला पहुंचे यशवंत सिंह, गोपाल शर्मा, शैली उर्फ जौली गुप्ता, गौरव राणा आदि द्वारा मानसिक, आर्थिक, सामाजिक रूप से प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चारों नामजद आरोपियों सहित एक अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 352, 115(2) और 351(3) मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार्रवाई किये जाने की मांग

निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष रोहित कश्यप सहित तमाम पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया

बीते चार दिन पूर्व ही यशवंत सिंह को विश्व हिंदू रक्षा परिषद के शीर्ष पदाधिकारियों ने पीलीभीत जिलाध्यक्ष पद की कमान सौंपकर हिंदुत्व की रक्षा हेतु भरोसा जताया था। आरोपी यशवंत सिंह ने बताया कि तहसीलदार की मौजूदगी में उनके द्वारा गौशाला का निरीक्षण किया गया था। दवाब बनाने के लिए फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ट्रांस शारदा क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितो को सपा नेता ने वितरित की राशन किट

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सपा नेता राजकुमार राजू ने ट्रांस शारदा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव गुप्ता, रामनगर, सिद्धनगर, चंद्रनगर, नेहरू नगर, भुर्जनिया, शास्त्रीनगर, हजारा, अशोक नगर, श्रीनगर, कबीरगंज, नहरोसा, गौतम नगर आदि में पहुंचकर बाढ़ पीड़ित परिवारों को 500 राशन किट वितरण की।

सपा नेता राजू ने इस दौरान कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से ही जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे रही है। उन्होंने कहा कि सभी को जरूरतमंद परिवारों की सहायतार्थ आगे आना चाहिए। इसके बाद उन्होंने क्षेत्रीय सपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और सत्ताधारी पार्टी द्वारा की गई वोट चोरी मामले से मतदाताओं को जागरूक करके आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए। इस दौरान पार्टी के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित बाढ़ पीड़ित परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

विहिप-बजरंग दल ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, उपद्रवियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी और सदर बाजार क्षेत्र में हुए उपद्रव को लेकर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल का प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी से मिला। विभाग मंत्री अशनील सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर उपद्रवियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि 12 सितंबर की रात सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा अभद्र टिप्पणी किए जाने के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की थी। बावजूद इसके कुछ अराजक तत्वों ने सदर बाजार थाने के सामने जमावड़ा कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। आरोप है कि इस दौरान हिंदू धर्म विरोधी नारे लगाए गए और

सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं व बजरंग दल के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं, जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। विहिप ने मांग की है दंगा भड़काने का प्रयास करने वालों पर मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। उपद्रवियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज से कर कठोर दंड दिया जाए। भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों इसके लिए ठोस व्यवस्था बनाई जाए।

विहिप और बजरंग दल नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष अभिनव ओमर, विभाग मंत्री अशनील सिंह, प्रांत मिलन प्रमुख हरीश प्रजापति, महानगर मंत्री धर्मेंद्र, सह मंत्री प्रदीप प्रजापति, महानगर संयोजक हर्षित गुप्ता, सतसंग प्रमुख रमेश कुमार, सुरेश व लखन शामिल रहे।

अदालत में 287610 वादों का सुलह समझौते के आधार पर हुआ निस्तारण

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में जनपद न्यायाधीश सुधीर कुमार, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ देवी सरस्वती एवं गणेश भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों, विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियाँ, अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया एवं लंबित वादों का निस्तारण कराया।

अपर जनपद न्यायाधीश निकुन्ज मित्तल, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बरेली ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कुल 287610 वादों का सफल निस्तारण कर 296074795 रुपये की धनराशि का आदेश पारित किया गया।राष्ट्रीय लोक अदालत में सत्र न्यायालय द्वारा 485

वादों का निस्तारण कर 7300 रुपये की जुर्माना राशि, दीवानी न्यायालयों द्वारा 67162 वादों का निस्तारण कर 2952285 रुपये की जुर्माना राशि, फौजदारी न्यायालयों द्वारा 5086 वादों का निस्तारण कर 1449460 रुपये की जुर्माना धनराशि का आदेश पारित किया गया।लोक अदालत में गिले शिकवे दूर कर पारिवारिक न्यायालयों द्वारा 170 जोड़ों के मध्य समझौता कराया गया। प्रधान न्यायाधीश चन्द्र प्रकाश तिवारी द्वारा 29 वादों में आपसी समझौता कराया गया, जिसमें से 8 दम्पतियों को सुलह समझौते के साथ विदा किया, अपर प्रधान न्यायाधीश संजय कुमार सिंह द्वारा 25 वादों का, छाया नैन द्वारा 58 वादों का व ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी द्वारा 58 वादों का निस्तारण किया गया।

मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण द्वारा 214 वादों का निस्तारण कर 107507000 रुपये की समझौता धनराशि, वाणिज्यिक न्यायालय द्वारा 9 वादों का निस्तारण कर 13847995 रुपये की समझौता धनराशि का आदेश पारित किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में 41061 वादों का, सम्भागीय परिवहन विभाग द्वारा 1051 मामलों का निस्तारण कर 1020800 रुपये की समझौता राशि, पुलिस विभाग द्वारा 134053 मामलों का जिसमें 34413 ई चालानों का निस्तारण कर 37806600 रुपये की जुर्माना राशि, कैनाल न्यायालय द्वारा 6 मामलों का निस्तारण कर 500 रुपये की समझौता राशि, उपभोक्ता फोरम द्वारा 8 वादों का निस्तारण कर 240888 रुपये की समझौता राशि, श्रम न्यायालय द्वारा 19 वादों का निस्तारण कर 22083030 रुपये की समझौता राशि, श्रम कार्यालय द्वारा 19 वादों का निस्तारण कर 20552937 रुपये की समझौता राशि, बी.डी.ए. द्वारा 6 वाद, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1348 मामलों का, नगर निगम द्वारा 10489 मामलों का निस्तारण किया गया तथा भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा 23 मामलों का निस्तारण कर 60000 रुपये की समझौता धनराशि एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 18571 मामलों के निस्तारण का आदेश पारित किया गया।

एक नजर

अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

बरेली। थाना आंवला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 850 ग्राम अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पूरनलाल पुत्र नंदराम निवासी ग्रमा लभारी, थाना सिरौली के रूप में की गई है। पुलिस टीम में शामिल दरोगा सचिन कुमार अपनी टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रहे थे। जैसे ही वह रामनगर रोड स्थित रेलवे क्रासिंग के पास पहुंचे। सूचना दी कि एक युवक बेचने की फिराक में है। टीम ने आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से पारदर्शी पन्नी में भरी 850 ग्राम अफीम बरामद की है। आरोपी से पुलिस ने एक मोबाइल और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। घटना की सूचना पर सीओ आंवला नितिन कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्कूटी की डिग्गी का लॉक तोड़कर पर्स व कागजात चोरी

भोजीपुरा। तीन दिन पूर्व सिद्धि विनायक इंजीनियरिंग कालेज आरआरबी टीजीटी की परीक्षा में चोरों ने सुरक्षा में सेंध लगा दी। छात्रा की स्कूटी की डिग्गी का लॉक तोड़कर पर्स चोरी कर लिया। छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिद्धि विनायक इंजीनियरिंग कालेज में 10 सितंबर को आर आरबी टीजीटी की परीक्षा थी। परीक्षा में बरेली शहर के शास्त्री नगर की छात्रा संतमणि अपनी स्कूटी से परीक्षा देने आई थी।

सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अफसरों को प्रदान किया प्रशिक्षण

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी /अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संतोष कुमार सिंह ने समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियो को निर्वाचन नमावली से संबंधित विषय पर जनपद स्तर पर आगामी पुनरीक्षण के दृष्टिगत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बैठक में बताया गया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पादित किया गया था तथा प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचक नामावली से सम्बन्धित विषय पर जनपद स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाना था। उपरोक्तानुसार प्रशिक्षण प्रदान करने के पश्चात सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए 2003 व 2025 की मतदाता सूचियों की मैपिंग का कार्यक्रम तीन दिन के अंदर कराएं जाने के निर्देश दिये गए। प्रशिक्षण में निर्वाचक नामावलियों से सम्बन्धित विधिक प्रावधानों, बीएलओ ऐप, ईआरओ नेट, आईटी की विविध गतिविधियों, उनके दायित्व एवं कर्तव्य इत्यादि के बारे में अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त उपस्थित अधिकारियो को निर्देश दिये निर्वाचक नमावली का कार्य पूरी गंभीरता के साथ करें इसमें किसी प्रकार कि शिथिलता ना बरती जाये।

प्रतियोगिता श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की 36वीं वार्षिक अंतर विद्यालय वाद- विवाद प्रतियोगिता आयोजित

19 स्कूलों के 38 विद्यार्थियों ने इसके पक्ष व विपक्ष में राय रखी

» दो अक्टूबर को श्रद्धांजलि दिवस समारोह में द गुरु स्कूल को प्रदान की जाएगी चल वैजयंती

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ओर से 36वीं वार्षिक अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता शनिवार को एसआरएमएस रिद्धिमा में आयोजित हुई। श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ओर से कनिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025 में 'सोशल मीडिया के प्रयोग की न्यूनतम सीमा होनी चाहिए' विषय पर 19 स्कूलों के 38 विद्यार्थियों ने इसके पक्ष और विपक्ष में मजबूत तर्कों के साथ अपनी-अपनी राय रखी। प्रतियोगिता में संभाषण के लिए सभी को पांच-पांच मिनट का समय दिया गया। निर्णायक डा. सौरभ गुप्ता, डा.कमलेंद्र कुमार और इंजीनियर अश्विनी चौहान ने प्रतियोगियों के तर्कों, उनकी

संभाषण कला, भावों, वाकपटुता और समय सीमा के आधार प्रतियोगिता में विजेताओं का चयन किया और इसकी घोषणा की।

विषय के पक्ष में संभाषण के लिए एसआर इंटरनेशनल के छात्र अथर्व अग्रवाल प्रथम, द गुरु स्कूल की वर्तिका गुप्ता दूसरे और जीआरएम दोहरा रोड की वैष्णवी सिंह को तीसरा स्थान हासिल हुआ। सेक्रेड हार्ट्स की जान्वी सिंह को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। विपक्ष में संभाषण के लिए द गुरु स्कूल की छात्रा कृतिका गंगवार पहले स्थान पर रहीं। जीआरएम दोहरा रोड की अपर्णा मिश्रा को दूसरा और एसआर इंटरनेशनल की सांची कोहली को तीसरा स्थान मिला। राधा माधव पब्लिक स्कूल के निशांत पाठक को सांत्वना पुरस्कार हासिल हुआ। विषय के पक्ष में दूसरा स्थान (वर्तिका गुप्ता) और विषय के विपक्ष में पहला स्थान (कृतिका गंगवार) मिलने की वजह से द गुरु स्कूल को बेस्ट कॉलेज चुना गया। इसके लिए चल वैजयंती एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा दो अक्टूबर को इंजीनियरिंग कालेज में आयोजित श्रद्धांजलि दिवस समारोह में प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर ट्रस्ट की डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर रुचि शर्मा, स्कूलों के कोऑर्डिनेटर मौजूद रहे।

संभाषण के लिए एसआर इंटरनेशनल के छात्र अथर्व अग्रवाल और विपक्ष में संभाषण के लिए द गुरु स्कूल की छात्रा कृतिका गंगवार को पहले स्थान के लिए चुना गया। विजेताओं को श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ऋचा मूर्ति, उषा गुप्ता, ट्रस्ट सलाहकार इंजीनियर सुभाष मेहरा और श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डा.प्रभाकर गुप्ता, रिद्धिमा सेंटर हेड आशीष कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए।

किसानों पर बर्बर लाठीचार्ज का विरोध कलेक्ट्रेट पहुंचे भाकियू कार्यकर्ता

संयुक्त संगठनों ने सीएम और डीजीपी को सौंपा ज्ञापन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। किसानों पर बर्बर लाठीचार्ज की घटनाओं से आक्रोशित भारतीय किसान यूनियन हरपालगुट सहित कई संगठनों ने शनिवार को अपनी आवाज बुलंद की। जिला कार्यालय गनौरा में एकत्रित हो कलेक्ट्रेट की ओर कूच कर रहे किसानों को जहांगीराबाद थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद शुक्ला और सीओ सदर सौरभ श्रीवास्तव ने समझा-बुझाकर शांत कराया। इसके बाद किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

भाकियू हरपालगुट के जिलाध्यक्ष निहाल अहमद सिद्दीकी ने कहा कि प्रदेश में किसानों पर लगातार बर्बर लाठीचार्ज की घटनाएं हो रही हैं। सरकार को इस

पर गंभीर होना होगा, अन्यथा किसान संगठनों को मिलकर बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा। जिलाध्यक्ष विक्रांत सैनी ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में डेढ़ माह से शांतिपूर्ण ढंग से धरना कर रहे किसानों पर थाना 113 सेक्टर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

इस घटना में कई किसान घायल हुए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिससे किसानों में आक्रोश है। किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई न हुई और गिरफ्तार किसानों को तुरंत रिहा न किया गया, तो सभी संगठन मिलकर मुख्यमंत्री आवास और डीजीपी कार्यालय का घेराव करेंगे।

एमडीएम में हादसा, छात्र सब्जी परात में गिरा

मसौली बाराबंकी। कम्पॉजिट विद्यालय नहामऊ में शनिवार को मध्याह्न भोजन (एमडीएम) परोसते समय कक्षा 1 का छात्र शिवम यादव उर्फ प्रिंस सब्जी की परात में गिर गया। घटना के दौरान छात्रों के धक्कामुक्की के कारण अफरातफरी मच गई। परिवारजन की सूचना पर छात्र को सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति के चलते जिला अस्पताल और वहां से सिविल अस्पताल लखनऊ रेफर किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ममता यादव ने बताया कि इलाज जारी है और छात्र की स्थिति अभी गंभीर है।

बुढ़वल स्टेशन पर हादसा, अप ट्रैक पर मिला अज्ञात शव

बाराबंकी। रामनगर तहसील क्षेत्र के बुढ़वल रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार देर रात रेल हादसे में एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। रात करीब 9.15 बजे सुरक्षा कंट्रोल लखनऊ से सूचना मिली कि अप लाइन पर किलोमीटर 723/27-29 के बीच अवरोध है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि ट्रैक पर क्षत-विक्षत शव पड़ा है। मृतक का सिर लाइन से कुछ दूरी पर था। जेब से न तो कोई टिकट मिला और न ही पहचान पत्र। आशंका है कि किसी ट्रेन की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। सूचना पर पहुंचे ट्रैक मैन आकाश कुमार वर्मा और भगवान प्रसाद ने लगभग 10 बजे लाइन साफ कर दी।

केवल ट्रेन संख्या 22537 को 45 मिनट देरी से चलना पड़ा, अन्य ट्रेनों का संचालन सामान्य रहा। बाद में 112 पुलिस टीम और रामनगर थाने से उपनिरीक्षक राज कनौजिया स्टाफ सहित मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच एएसआई आत्मदेव त्रिपाठी को सौंपी गई है।

परिवार परामर्श केन्द्र में सुलह समझौता, 14 मामलों में पति-पत्नी हुए साथ विदा

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के दिशा निर्देशन में परिवार परामर्श केन्द्र में प्रभारी निरीक्षक सुनीता कुशवाहा के द्वारा काउंसलरों के सहयोग से 25 मामलों में सुलह का प्रयास कराकर 14 बिखरते हुए परिवारों को जोड़ने का सराहनीय कार्य किया गया है। बताते चलें की रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में निरन्तर बिखरते हुए परिवारों को काउंसलिंग के जरिए समझा बुझाकर एक साथ रहने के लिए विदाई करने का कार्य पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के दिशा निर्देशन में निरन्तर किया जा रहा है।

शासन की मंशा के अनुरूप पारिवारिक विवादों में प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों में सुलह समझौते का प्रयास कराके पति-पत्नी को एक रहने के लिए दांपत्य-जीवन व्यतीत करने विदाई कराई जा रही है। इसी क्रम में माह के द्वितीय शनिवार को काउंसलर नीति

गुप्ता, कुसुम गुप्ता एवं कय्यूम ज़रवानी द्वारा 25 मामलों में सुलह समझौते प्रयास किया गया है। यह मामले पारिवारिक कलह, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा से संबन्धित थे, महिलाओं द्वारा दिए गये प्रार्थनापत्रों में परिवार परामर्श केन्द्र की प्रभारी निरीक्षक सुनीता कुशवाहा व महिला आरक्षी निकिता राठौड़, मेहा सिंह के द्वारा दोनों पक्षों व उनके अभिभावकों को बुलाकर काउंसलिंग के लिए काउंसलरों के समक्ष उपस्थित करके बातचीत पक्षकारों में कराई गई, जिसमें 14 जोड़े पति-पत्नी साथ रहने को आपस में सहमत होकर विदा हुए, 6 ऐसे मामले जो न्यायालय में लम्बित होने कारण एवं 5 मामलों जिसमें पति-पत्नी में अभी मतभेद शेष था उन्हें सोचने समझने का अवसर देकर दो सप्ताह के बाद काउंसलिंग के लिए परिवार परामर्श केंद्र पर बुलाया गया है, जिससे परिवार को बिखरने से रोका जा सके और अनावश्यक रूप से दोनों पक्षकार वाद विवाद और मुकदमे न हो, मुकदमों से पूर्व इस तरह विदाई कराके परिवारों को जोड़ने का काफी सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

एक नजर

खराब सड़क के बावजूद टोल वसूली

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी के गोला -लखीमपुर हाईवे (एनएच730) पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।फरधान और गोला के पास ओवरब्रिज का निर्माण अभी अधूरा है। सड़क भी पूरी तरह नहीं बनी है। इसके बावजूद टोल प्लाजा पर शुल्क वसूली शुरू कर दी गई है। वाहन स्वामी और आम जनता इस स्थिति से नाराज है उनका कहना है कि जब तक सड़क और ओवर ब्रिज पूरी तरह तैयार नहीं होते तब तक टोल टैक्स लेना अनुचित है। सर्व मानव सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने कहा कि हाईवे पर बुनियादी सुविधाएं अभी अधूरी है। न तो सड़क का निर्माण पूरा हुआ है और न ही सर्विस लेन दुरुस्त है। ओवरब्रिज का निर्माण भी अधूरा होने के कारण वाहन चालकों को रेलवे क्रॉसिंग पर करीब घंटो तक जाम में फंसना पड़ता है। जितेन्द्र सिंह ने सरकार से मांग की है कि सभी सुविधाएं पूरी होने तक टोल वसूली बंद की जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में टोल वसूली से ठेकेदारों को लाभ और जनता को नुकसान हो रहा है।

व्यापारी से ठगी का एक और आरोपी गिरफ्तार

निघासन खीरी। लखीमपुर खीरी की निघासन कोतवाली पुलिस ने 19 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान त्रिकौलिया थाना सपूर्णानगर निवासी सौरभ मिश्रा के रूप में हुई है। मामला 5 जून का है, जब दिल्ली के रियल एस्टेट कारोबारी नरेश कुमार जैन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि निघासन थाना क्षेत्र के मिर्जागंज गांव के इरफान और उसके साथियों ने उनकी पत्नी की किडनी की बीमारी ठीक करने का झांसा दिया। आरोपियों ने सांप दिखाकर व्यापारी से हीरे की अंगूठी, रोलेक्स की घड़ी और नकदी समेत कुल 19 लाख रुपए ले लिए। आरोपियों ने पीड़ित को एक सोने की ईंट दी और कहा कि इसकी पूजा करने से उनकी पत्नी ठीक हो जाएगी। जब व्यापारी ने ईंट की जांच कराई तो वह नकली निकली।पुलिस ने इस मामले में पहले ही मुख्य आरोपी मिर्जागंज गांव के पूर्व ग्राम प्रधान के पुत्र इरफान और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कोतवाल महेश चंद्र के अनुसार, अब तीसरे आरोपी सौरभ मिश्रा को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

श्री सत्य साई प्रेम प्रवाहिनी यात्रा का भव्य स्वागत

बाराबंकी। भगवान श्री सत्य साई बाबा के शताब्दी जन्मोत्सव के अवसर पर पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश) से निकली प्रेम प्रवाहिनी यात्रा का शनिवार को नगर में भव्य स्वागत हुआ। भक्तों ने पुष्पवर्षा और आरती कर यात्रा का सम्मान किया। सुबह ओमकारम, सुप्रभातम, नगर संकीर्तन और वेद पाठ के बाद रथ का पूजन किया गया। प्रेम प्रवाहिनी रथ फतेहपुर, बिशुनपुर और देवा होते हुए वारिस चिल्ड्रंस एकेडमी इंटर पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाली। सैकड़ों

श्रद्धालुओं ने भजन प्रस्तुत कर आस्था का उत्सव मनाया। नन्हे मुन्नों के लिए पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से साईं संदेश दिया गया। देर शाम रथ रायबरेली के लिए रवाना हुआ। कार्यक्रम में विजय आनंद बाजपेई, दीपेश श्रीवास्तव, सुरेश चंद्र त्रिवेदी, राजेश वर्मा सहित सैकड़ों भक्त मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा पखवाड़ा अभियान में दिखाया उत्साह

लोधेश्वर महादेव कार्यालय पर हुआ आयोजन

रामनगर (बाराबंकी)। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत शनिवार को लोधेश्वर महादेव भाजपा मंडल कार्यालय पर भव्य कार्यक्रम हुआ। इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा चेयरमैन (कॉपरेटिव) गुरशरण लोधी और विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री किसान मोर्चा रामबाबू द्विवेदी रहे। मंडल अध्यक्ष अमित सिंह ने संचालन किया। नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक चलने वाले सेवा पखवाड़े का उद्देश्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। अशोक शुक्ला, सरवन शुक्ला, रंजीत कौशल, विमल द्विवेदी, अयोध्या प्रसाद, अनिल अवस्थी समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सेवा और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

प्रशिक्षु आईएएस ऑफिसर ने प्रदर्शन में चयनित कृषकों की देखी फसलें

विश्ववार्ता संवाददाता

चपरतला खीरी। प्रशिक्षु आईएएस ऑफिसर मनीषा धार्वे के द्वारा विकास खंड पसगवां में नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयल सीड्स) योजनांतर्गत आयोजित क्लस्टर प्रदर्शन मूंगफली में चयनित कृषक रंजीत सिंह निवासी ग्राम जमुनिया शहबाज (प्रदर्शन 1 हे0) तथा कृषक सतनाम सिंह निवासी ग्राम रहजनियां (प्रदर्शन 1 हे0) एवं त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनांतर्गत आयोजित मक्का प्रदर्शन हेतु चयनित कृषक शेर सिंह राठौर तथा पीएम कुसुम योजनांतर्गत कालिंद्री राठौर के खेत में स्थापित 7.5HP सोलर पंप का निरीक्षण किया गया। प्रशिक्षु आईएएस ऑफिसर द्वारा कृषक कालिंद्री राठौर के किचन गार्डन में जैविक बेस पर उगाई जा रही सब्जियों की खेती की

बारीकिया जानी गई। महिला किसान कालिंद्री राठौर द्वारा जैविक बेस पर सब्जियां उगाने के लिए पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि आज हम लोग रासायनिक उत्पादों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं जिससे सभी के स्वास्थ्य खराब हो रहे हैं। जैविक बेस की उगाई गई सब्जियों में सेहत के लिए बेहद लाभदायक साबित होती हैं।

उप कृषि निदेशक द्वारा कृषकों को सोलर पंप से सिंचाई हेतु प्रोत्साहित किया गया। प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी मनीषा धार्वे के साथ उपकृषि निदेशक लखीमपुर गिरीश चन्द्र, पसगवां विकासखंड से कृषि विभाग के कर्मचारी जगत प्रकाश, राशिद अंसारी, सुभाष कुमार, इंद्रजीत सिंह त्रिलोकी नाथ सहित क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

पांच दिवसीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न, प्रतिभागियों को मिले प्रमाणपत्र

बेलहरा (बाराबंकी)। जिला स्तरीय पांच दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को डायट गणेशपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक डॉ. राजेश कुमार आर्या के निर्देशन में किया गया। अंतिम दिन शिक्षक लालचंद ने बुनियादी उर्दू भाषा, अंग्रेजी अधिगम स्तर और शिक्षा शास्त्र के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही शिक्षक केंद्रित शिक्षा से बाल केंद्रित व आत्म केंद्रित शिक्षा तथा साइबर शिक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में बंदरों की मौत, दो दिन में मिले 14 शव

विश्ववार्ता संवाददाता

सिद्धौर (बाराबंकी)। कोठी थाना क्षेत्र के अमसेरूवां गांव के पास दो दिनों में 14 बंदरों की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों को शुक्रवार की शाम डीहा संपर्क मार्ग पर बंदरों के शव पड़े मिलने की सूचना पर वन विभाग व पुलिस टीम मौके पर पहुँची। शनिवार सुबह फिर से छह और बंदरों के शव उसी स्थान से बरामद हुए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मृत बंदरों के जबड़े में गेहूं, चना और मटर के दाने मिले हैं। ग्रामीणों का अनुमान है कि जहरीला अनाज खिलाकर बंदरों की हत्या की गई और उनके शवों को यहां लाकर फेंक दिया गया। उनका यह भी

» मुंह में गेहूं-चना-मटर के दाने, ग्रामीणों ने जताई जहरीले अनाज की आशंका

कहना है कि गांव में इतनी संख्या में बंदर नहीं रहते। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसआई शिवसागर तिवारी, किसान यूनियन नेता मदन रावत, प्रधान प्रतिनिधि रंजीत मिश्रा समेत राजस्व विभाग और पुलिस कर्मी मौके पर पहुँचे। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शमीम ने बताया कि आठ नर व छह मादा बंदरों का पोस्टमार्टम किया गया है। उनके जबड़े से गेहूं, चना व मटर के अवशेष मिले हैं। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख के पति का शव पेड़ से लटकता मिला, क्षेत्र में सनसनी

जैदपुर (बाराबंकी)। हरख ब्लाक की पूर्व प्रमुख पुष्पा देवी रावत के पति और टेरा ग्राम पंचायत के कोटेदार महादेव प्रसाद रावत (65) का शव शनिवार सुबह गांव के बाहर शीशम के पेड़ से फंदे पर लटकता मिला। घटना की खबर लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। सुबह खेतों की ओर निकले किसानों ने शव देखा तो परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

चर्चा है कि मृतक की जेब से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। गांव में चर्चा है कि शुक्रवार को मृतक के घर में पारिवारिक विवाद हुआ था। हालांकि परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया। मृतक लंबे समय से ग्राम पंचायत टेरा के कोटेदार थे और पत्नी 2010 से 2015 तक हरख ब्लाक प्रमुख रह चुकी हैं। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

ई-रिक्शा की टक्कर से मासूम की मौत, गांव में छाया मातम

» पिता की तहरीर पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

» इलाज के दौरान तोड़ा दम, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

निंदूरा (बाराबंकी)। कुर्सी थाना क्षेत्र के कतरामऊ गांव में ई-रिक्शा की टक्कर से घायल ढाई वर्षीय बालिका की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद से गांव में मातम पसरा है। गुरुवार शाम को कतरामऊ निवासी रामदुलारे की पुत्री रितिका घर के बाहर आरसीसी सड़क पर खेल रही थी। इसी दौरान गांव का ही एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा वहां से गुजरा और मासूम को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बालिका को परिवारजन आनन-फानन में निजी अस्पताल ले गए। हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। शुक्रवार शाम इलाज के दौरान रितिका ने दम तोड़ दिया। मासूम का शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर, पिता की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही ई-रिक्शा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शातिर अपराधी गिरफ्तार, मोबाइल, ज्वैलरी व नकदी बरामद

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। लूट और छिनैती की घटनाओं से हड़कम्प मचाने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के शातिर अपराधी को स्वाट, सर्विलांस व थाना सफदरगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को दबोच लिया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान मनीष कुमार गोस्वामी उर्फ झम्मन (25) निवासी ठकुरापुर डिहवा, थाना कोतवाली देहात, जनपद गोंडा के रूप में हुई। उसके कब्जे से 11 एंड्राइड मोबाइल, 17 हजार रुपये नकद, सोने, चांदी के आभूषण, चोरी की अपाचे बाइक, एक तमंचा और कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि

आरोपी अपने साथियों के साथ बाइक से बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या और लखनऊ में महिलाओं से पर्स, मोबाइल और ज्वैलरी छीनने की वारदातें करता था। आरोपी ने साथी संतोष यादव के साथ कई घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने अब तक 10 वारदातों का अनावरण कर लिया है। वहीं फरार साथी संतोष यादव की तलाश जारी है।

थाना समाधान दिवस पर थाना खीरी में डीएम एसपी ने सुनी समस्याएं, दिए निस्तारण के निर्देश

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस, प्रशासनिक अफसरों ने शिकायत सुनकर निस्तारण कराया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने थाना खीरी में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचे, जहां उन्होंने फरियादियों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी।

समाधान दिवस में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि राजस्व-पुलिस से सम्बन्धित शिकायतें का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित कराए। इसमें किसी भी स्तर पर हीलाहवाली क्षम्य नही होगी। पीड़ितों की समस्याओं को खुद समझ कर दूर करें। फोर्स के

साथ राजस्वकर्मी मौके पर जाकर विवादित मामलों का निस्तारण करें। अगर मामला गंभीर है तो तत्काल एसडीएम, तहसीलदार को अवगत कराएं, ताकि अधिकारी मौके पर जाकर समाधान करें।

डीएम-एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके विधिक निस्तारण करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान थानाध्यक्ष सहित राजस्व एवं पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन ने जनपद में किया विधि प्रकोष्ठ कार्यकारिणी का गठन

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने किसानों की लीगल व अन्य समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से जिला बाराबंकी में विधि प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी (यूथ विंग) का गठन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मेराज अंसारी ने बताया कि पूरे देश में किसान किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए यूनियन से संपर्क कर सकते हैं। गठित कार्यकारिणी में जिला महासचिव, उपाध्यक्ष, मंत्री, सचिव और कोषाध्यक्ष सहित कुल 20 से अधिक पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह, मंडल अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, मंडल अध्यक्ष रवि वर्मा, मंडल महामंत्री खालिद खान और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेराज अंसारी ने विशेष रूप से किसानों को खाद की समस्या पर भी ध्यान देने और अधिकारियों से इसका समाधान कराने का वादा किया। उन्होंने कहा कि संगठन लगातार किसानों की समस्याओं के निस्तारण में जुटा रहेगा।

एक नजर

नौकरी का झांसा देकर ठगी, मामला दर्ज

निंदूरा (बाराबंकी)। सीतापुर के थाना महमूदाबाद अंतर्गत पहाड़पुर निवासी इरफान ने आरोप लगाया कि सालेपुर (बड्डूपुर) निवासी शाकिर ने नौकरी का झांसा देकर उससे दो लाख रुपये वसूल कर सऊदी अरब भेज दिया, लेकिन वहां पहुंचने पर कोई भी उसे लेने नहीं आया। इरफान ने बताया कि एयरपोर्ट पर भटकते रहने के बाद उसने घर से पैसे मंगाकर अपना गुजारा किया। बाद में भेजा गया वीज़ा भी फर्जी निकला। भारत लौटने पर शाकिर ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। बड्डूपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जेसीबी से पेड़ क्षतिग्रस्त

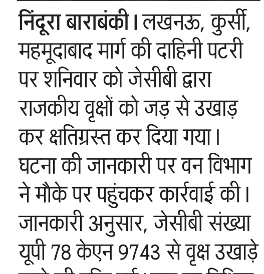

निंदूरा बाराबंकी। लखनऊ, कुर्सी, महमूदाबाद मार्ग की दाहिनी पटरी पर शनिवार को जेसीबी द्वारा राजकीय वृक्षों को जड़ से उखाड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना की जानकारी पर वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जानकारी अनुसार, जेसीबी संख्या यूपी 78 केएन 9743 से वृक्ष उखाड़े जाने की पुष्टि हुई। इस पर विधिक कार्रवाई करते हुए भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

गौशाला में मिट्टी डालने का भुगतान अटका, डीएम से गुहार

जैदपुर (बाराबंकी)। विकास खंड हरख क्षेत्र के मानपुर गांव स्थित गौशाला में प्रभारी मंत्री सुरेश राही के आगमन से पहले कराए गए मिट्टी पटाई कार्य का भुगतान आज तक नहीं हुआ है। इससे नाराज पीड़ति युवक ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। पीड़ित अंकुर वर्मा ने बताया कि करीब नौ माह पहले ग्राम पंचायत सचिव बृजेश कुमार ने उनसे गौशाला में मिट्टी पटाई का काम कराया था। कार्य समय से पूरा करने के बावजूद 1.45 लाख रुपये से अधिक की धनराशि अब तक अटकी हुई है। कई बार मांग करने पर भी भुगतान नहीं हुआ। इस पर उन्होंने खंड विकास अधिकारी और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामले पर खंड विकास अधिकारी प्रीति वर्मा ने कहा कि शिकायत संज्ञान में है।

जायजा सैकड़ों गांव डूबे, फिर भी मंत्रीजी को नहीं दिखी बाढ़

योगी सरकार के मंत्रियों पर टेनी का हमला; कहा- फिर राहत किट क्यों बांट रहे

विश्ववार्ता ब्यूरो अनूप कुमार वर्मा

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में बाढ़ को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने अपनी सरकार के मंत्रियों का खुलकर विरोध किया है। शुक्रवार को उन्होंने कहा- हमारे मंत्री को जिले में बाढ़ नहीं दिखी। अगर बाढ़ नहीं है, तो राहत सामग्री वाली किट क्यों बांटी जा रही? बाढ़ की वजह से ट्रेन नहीं चल पा रही और वो कहते हैं कि बाढ़ नहीं आई। ऐसे ही एक मंत्री ने अफवाह फैला दी कि कहीं खाद की किल्लत नहीं है। इसीलिए, मैं कहता हूं कि मंत्रियों को सोच-समझकर बोलना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री का यह बयान जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के लखीमपुर खीरी दौरे के एक दिन बाद आया है। गुरुवार को स्वतंत्र देव यहां बाढ़ के हालातों का जायजा लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि इस बार बाढ़ नहीं आई। टेनी बोले- मंत्री को वहां जाना चाहिए, जहां शिलापट डूबा अजय मिश्रा टेनी शुक्रवार को निघासन के बेलरायां में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में पहुंचे थे। इसमें टेनी ने कहा- जिले के दर्जनों गांव बाढ़ प्रभावित हैं। सैकड़ों एकड़ जमीन नदियों में समा चुकी है। करीब 60 घर बह चुके हैं। प्रशासन लगातार राहत सामग्री वितरित कर रहा है। इसके बावजूद अगर किसी को बाढ़ दिखाई नहीं देती, तो उन्हें उसी जगह जाना चाहिए, जहां उन्होंने शिलान्यास किया था। क्योंकि, वहां तो बाढ़ बहुत है। लेकिन वो वहां नहीं गए। यहां बाढ़ की वजह से ट्रेनें नहीं चल पा रही हैं।टेनी ने कहा- ऐसे ही अफवाह फैलाई गई कि खाद की कमी

नहीं है। हमारी सरकार के मंत्री ने कहा था कि खाद बहुत है, जबकि किसानों को खाद मिल नहीं पा रही। आखिर ऐसी अफवाह क्यों फैलाई जाती है। इसलिए मैं ऐसे लोगों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। यही कहना चाहता हूं कि मंत्रियों को जिम्मेदारी के साथ बयान देना चाहिए।टेनी ने कहा- प्रधानमंत्री ने कोरोना काल में ऐसी योजनाएं चलाईं जो आजतक चल रही हैं और लोगों का कल्याण कर रही हैं। कोरोना काल में शुरू हुआ राशन वितरण आजतक जारी है। जिससे लोगों के जीवन में बहुत बदलाव आया।

कृषि मंत्री ने कहा था- खाद की कोई कमी नहीं

बता दें कि 16 जुलाई को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने लखीमपुर खीरी का दौरा किया था। उन्होंने कहा था कि खाद की कोई कमी नहीं है। एक लाख एमटी से ऊपर खाद उपलब्ध कराई गई है। किसानों से अपील है कि वो अनावश्यक भंडारण न करें। ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कराएंगे। लखीमपुर में खाद के लिए लाठीचार्ज होता था। मैंने वो समय देखा है, लेकिन अब वैसा समय नहीं है।

खाद के लिए हुआ था लाठीचार्ज

उनके इस बयान के चार घंटे बाद ही खाद के लिए मारामारी को लेकर युवक की पिटाई का मामला सामने आया था। दोपहर 2 बजे फरधान थाना अंतर्गत भदूरा सहकारी समिति पर समिति पर खाद का वितरण बंद कर दिया गया था। सचिव ने मशीन खराब होने का हवाला देकर किसानों को लौटा दिया था। जिसपर किसान भड़क गए। 100 से ज्यादा किसानों ने लखीमपुर-मोहम्मदी हाईवे को जाम कर दिया था। मनवापुर गांव निवासी राजकिशोर को पकड़कर लाठियां बरसानी शुरू कर दीं। भाई विजय और मां राजकुमारी से भी धक्का मुक्की हुई की थी।दरअसल, लखीमपुर खीरी में इन दिनों शारदा नदी की उफान पर है। ग्रंट नंबर 12 गांव के 60 से ज्यादा घर शारदा नदी निगल चुकी है। 12 गांव के 60 से ज्यादा घर शारदा नदी में समा चुके हैं। इसी बाढ़ और शारदा नदी पर बने बांधों का जायजा लेने 11 सितंबर को यूपी सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहुंचे थे।

दबंग नेता माने जाते हैं टेनी

1990 से राजनीति में सक्रिय अजय मिश्रा टेनी दबंग छवि के नेता माने जाते हैं। कानपुर से एलएलबी करने वाले अजय मिश्रा ने कई खेलों में पदक भी जीते हैं। 2005 में टेनी खीरी जिला पंचायत सदस्य चुने गए थे। 2009 में भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े, लेकिन सफलता नहीं मिली।2012 में वह भाजपा के टिकट निघासन से चुनाव जीत कर विधायक बने। इसके बाद 2014 में भाजपा से लोकसभा का टिकट मिला और सांसद बन गए। 2019 में एक बार फिर वह भाजपा से सांसद बने और जुलाई में मंत्रिमंडल विस्तार में उन्हें केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बनाया गया।

संपादकीय

देश के नए उपराष्ट्रपति से उम्मीदें

श्री चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन 12 सितंबर को देश के 15 वें उपराष्ट्रपति की शपथ ली। इसमें दो राय नहीं कि सीपी राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दर्शाता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दर्शाता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस-वोटिंग को भी दर्शाता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद-विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे समय में जब संसदीय कार्यप्रणाली सार्वजनिक विमर्श के दायरे में है, अगर राधाकृष्णन दलगत दबावों से ऊपर उठ सकते हैं, विधायी बहस को मजबूत कर सकते हैं और राज्यसभा की गरिमा का संवर्धन करते हैं, तो उनकी विरासत दलीय निष्ठा से कहीं आगे प्रतिष्ठा हासिल करेगी। यह भी एक हकीकत है कि सीपी राधाकृष्णन ऐसे वक्त में यह पद संभाले हैं जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की खाई ज्यादा गहरी नजर आती है। यही असहमति सर्वसम्मत चुनाव पर एक राय नहीं बना पायी है। आने वाले समय में उन्हें पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर विधायी कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। निस्संदेह, उनकी भूमिका गरिमामय संसदीय परंपराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में भी होगी। जिसके लिये उन्हें राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से मुक्त नजर भी आना होगा।

कटाक्ष ▶ हसन जैदी

पंख लगाकर उड़ी हिन्दी

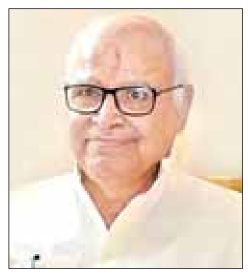
हृदयनारायण दीक्षित

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी 'ऐबिस' सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। विलियम जोन्स ने कहा कि, ''संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।'' संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन कैसे हो? सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है, इन सबकी आदि भाषा है संस्कृत। यूरोपीय विद्वान एच. एस. मेन ने लिखा था, ''बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। अरब चिकित्सा पद्धति संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद है, यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।'' विलियम हंटर ने लिखा था कि, ''पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। पाणिनि का व्याकरण संसार में सर्वोच्च है।'' मैक्समूलर ने लिखा, ''भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचारों मात्र पर पालित पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं।'' गांधी ने लिखा, ''पृथ्वी पर हिंदुस्तान ही एक ऐसा देश है जहां मां-बाप अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना लिखाना पसंद करेंगे।" अंग्रेजी को विश्व भाषा बताया जाता है लेकिन जापान, रूस और चीन आदि अनेक देशों में अंग्रेजी की कोई हैसियत नहीं है। भारत की संविधान सभा (14 सितंबर 1949) ने हिंदी को राजभाषा बनाया, 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का 'परंतु' जोड़ा। पंडित नेहरू ने कहा, ''हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की, कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो किन्तु इसे हम सहन नहीं कर सकते।'' एन. जी. आयंगर ने सभा में हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखते हुए 15 बरस तक अंग्रेजी को जारी रखने का कारण बताया, ''हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिंदी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह समुन्नत भाषा नहीं है। सेठ गोविंद दास ने हिंदी की पैरोकारी की, ''इस देश में हजारों वर्ष से एक संस्कृति है। यहां एक भाषा और एक लिपि ही होनी चाहिए।'' आर. वी. धुलेकर ने कहा, ''मैं कहता हूं कि वह राजभाषा है, राष्ट्रभाषा है। हिंदी के राष्ट्रभाषा-राजभाषा हो जाने के बाद संस्कृत विश्व भाषा बनेगी। अंग्रेजी के नाम 15 वर्ष का पट्टा लिखने से राष्ट्र का हित साधन नहीं होगा। (संविधान सभा बहस 13-9-1949) संविधान में तीन दिन तक बहस हुई। संविधान के अनुच्छेद (343-1) में हिंदी राजभाषा बनी। किंतु अनुच्छेद (343-2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्रावधान हुआ। हिंदी के लिए आयोग-समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिंदी के विकास की जिम्मेदारी (अनुच्छेद 351) केन्द्र पर डाली गई। लेकिन कांग्रेस अपने जन्म काल से ही अंग्रेजी को वरीयता देती रही, गांधी जी ने कहा, ''अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं।'' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312)

भारतीय संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। हिंदी के पास प्राचीन संस्कृति और परंपरा की सुदीर्घ विरासत है। हिंदी ने संस्कृत सहित सभी भारतीय भाषाओं बोलियं से शब्द लिए। सबको अर्थ दिए। हिंदी दिवस की रस्म अदायगी होती रही है। वह राजभाषा है। लेकिन फारसी, अंग्रेजी की तरह उसे राज्य आश्रय नहीं मिला। फारसी मध्यकाल के बादशाहों ने थोपी थी, अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी लाई। हिंदी का विस्तार राज्य आश्रय से नहीं हुआ। भारत में विश्व के चार भाषा परिवार-भारोपीय, द्रविड़ कौल और कीरत हैं। इन भाषाओं के बोलने वालों के बीच सांस्कृतिक समानताएं थीं-हैं। शिक्षा का माध्यम संस्कृत थी। बाद की सभी भाषाओं-बोलियां में संस्कृत और संस्कृति का प्रदाय था। राष्ट्र का अभ्युदय और आत्मज्ञान इस शिक्षा का लक्ष्य था। दसवीं शताब्दी तक संस्कृत और उसकी प्राकृत भाषा ही शिक्षा, इतिहास, भौतिकी और परा विज्ञान का माध्यम थी। संस्कृत और संस्कृति से विकसित पाली, मगधी, प्राकृत, अपभ्रंश और अंततः हिंदी ने ही भारत को एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया। अमेरिकी भाषाविद एम. बी एमेन्यू ने भारत को भाषिक क्षेत्र बताया। अरबी फारसी के विद्वानों ने भारत की भाषाई पहचान के लिए हिंदी शब्द का प्रयोग किया। अमीर खुसरो ने इसे हिंदवी-हिंदूई गाया। हैदराबाद के मुस्लिम शासक कुली कुतुबशाह ने इसे 'जबाने हिंदी' बताया। हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। वह यमुना के निकुंजों पर गीत गाते बड़ी हुई। अंग्रेजी राज के बाद फारसी की जगह अंग्रेजी आ गई। गांधी जी ने अंग्रेजी का विरोध और हिंदी का समर्थन (1917) करते हुए कहा, ''हिंदी ही हिंदुस्तान के शिक्षित समुदाय की भाषा हो सकती है। अंग्रेजी विदेशी भाषा है। हिंदी 22 करोड़ की भाषा है।'' स्वाधीनता संग्राम में जनप्रबोधन की भाषा हिंदी थी। सत्ता पक्ष की दृष्टि में अंग्रेजी समृद्ध थी और हिंदी गरीबी रेखा की नीचे। तीन दिन तक चली बहस में हस्तक्षेप करते हुए पंडित नेहरू ने कहा, ''अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।'' 14 सितंबर के दिन अंग्रेजी प्रभुत्व के साथ हिंदी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिंदी के प्रसार-प्रचार का काम केन्द्र को सौंपा। हिंदी कमजोर सिद्ध हो गई। वर्तमान केन्द्र सरकार ने हिन्दी को समृद्ध करने के लिए काफी काम किए हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में विज्ञान आदि विषयों पर हिन्दी में पुस्तकें लिखें जाने की योजना पर काम जारी है। अनेक गोष्ठियां हुई हैं। उच्चतम न्यायालय-उच्च न्यायालय और संसद में प्रस्तावित विधेयकों-पारित कानूनों की भाषा अंग्रेजी (अनुच्छेद 348) ही है। हिंदी जानने वालों की संख्या सवा अरब. से भी ज्यादा है। भारत के बाहर अमेरिका, पाकिस्तान, नेपाल, इंडोनेशिया, इराक, बांग्लादेश, इजराइल, ओमान, इक्वाडोर, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, म्यांमार, यमन, त्रिनिदाद, सऊदी अरब, पेरू, रूस, कतर आदि देशों में लाखों हिंदी भाषी हैं। हिंदी पंख फैलाकर उड़ी है। देश में सबसे बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबार हिंदी के हैं। हिंदी फिल्मों-सीरियलों का व्यापार करोड़ों में है। हिंदी में लिखे गए इतिहास, संस्कृति व दर्शन ग्रंथ विश्व की किसी भी भाषा से उत्कृष्ट हैं। राजनैतिक कारणों से जब कब दक्षिण के राज्यों में हिन्दी का विरोध होने लगता है। प्रत्येक राज्य को अपनी भाषा तय करने का अधिकार है। दुर्भाग्य से ये राज्य अंग्रेजी चलाना चाहते हैं। तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम आदि से हिन्दी की स्पर्धा नहीं है। हिंदी भारत के जन गण मन की प्रीति है।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे- vishwavarta.response@gmail.com

प्रो. छोकर : लोकतांत्रिक शुचिता की बुलंद आवाज

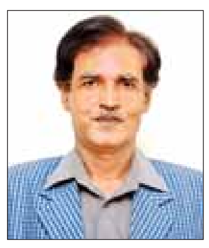
अरविंद कुमार सिंह

प्रोफेसर जगदीश सिंह छोकर न तो राजनीति विज्ञानी थे, न किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते थे। पर पर 'प्रजा ही प्रभु है, नारे के साथ स्थापित एसोशिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की मदद से लोकतंत्र की एक बुलंद आवाज के रूप में उन्होंने पहचान बनाई। ढाई दशकों के दौरान उन्होंने बहुत से बदलावों को जमीन पर उतारा। सार्थक जीवन और तमाम शानदार उपलब्धियों के साथ 12 सितंबर को चार बजे प्रो. छोकर ने अंतिम सांस ली। उसी दिन एडीआर ने एक रिपोर्ट जारी करके देश के बताया कि वंशवाद राजनीति में किस हद तक बढ गया है। व्यापक अध्ययन के बाद तैयार इस रिपोर्ट में पाया गया कि देश के 5204 लोक सभा, राज्य सभा, विधान सभा और विधान परिषद के सदस्यों में से 21% वंशवादी पृष्ठभूमि के हैं। विधायकों में 21%, लोक सभा सांसदों में 31% वंशवादी हैं। वहीं राज्य सभा और विधान परिषदों में यह प्रतिशत 21-21 है। न कोई दल इसमें बचा है और न ही कोई प्रांत। फिर भी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश इसमें अग्रणी हैं। प्रोफेसर जगदीश छोकर ने सुप्रीम कोर्ट में कई उल्लेखनीय मामले जीते। वे 1985 से नवंबर 2006 तक आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर और कई अहम ओहदों पर रहे। 1999 में अहमदाबाद में ही चंद साथियों के साथ एडीआर की स्थापना की उसकी आज अलग पहचान है। इसकी बदौलत आम लोगों को देश में आपराधिक छवि वाले और धनशक्ति से संपन्न नेताओं के ब्यौरे सामने आने लगे। अहमदाबाद में ही चुनाव प्रक्रिया और उसकी तमाम खामियों का व्यापक अध्ययन करने के साथ यह सोच बनाई कि लोकतंत्र बहुत चुनौतियों से गुजर रहा है। इसे सफल और सार्थक बनाने के लिए जरूरी है कि देश में चुनाव प्रणाली में सुधार हो।

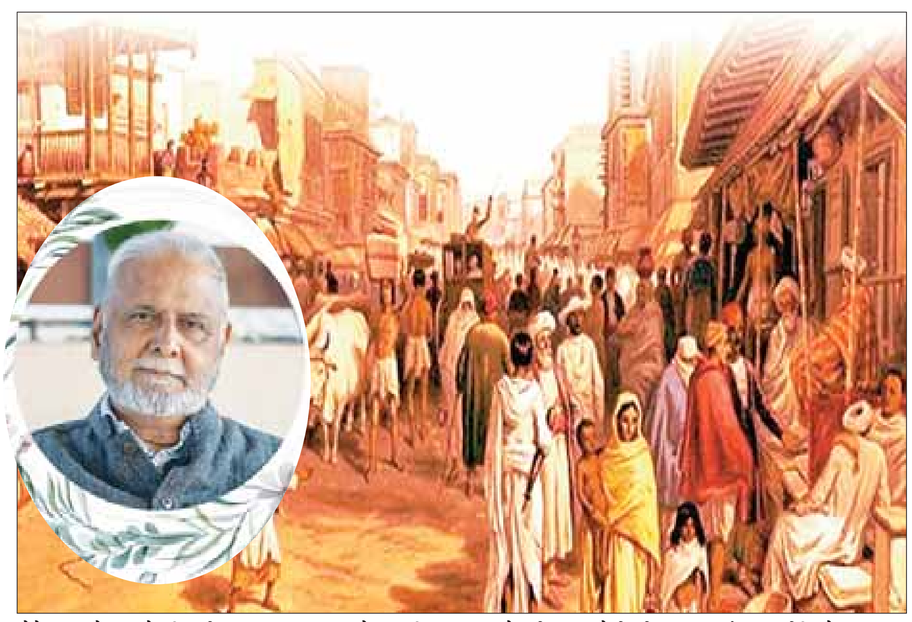

प्रोफेसर छोकर ने दिल्ली उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर याचना की कि जो उम्मीदवार चुनाव लड़ता है उसे खुद बताना होगा कि उसके खिलाफ कितने आपराधिक मुकदमे है, यह दर्शाना जरूरी हो। लंबी चर्चा चली और सर्वोच्च न्यायालय ने 2003 में जब संसद और विधान मंडलों के सभी उम्मीदवारों के लिए चुनावों में भाग लेने से पहले आपराधिक, वित्तीय और शैक्षणिक पृष्ठभूमि का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया तो यह एक बड़ी विजय थी। चुनाव आयोग में उनको हलफनामा देना जरूरी हो गया। इससे पहले ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। हालांकि दो साल से अधिक सजा पर छह साल तक चुनाव नहीं लड़ने का कानून मौजूद था। एडीआर ने जीवंत लोकतंत्र को और सशक्त बनाने के लिए निष्पक्ष चुनावों, चुनाव सुधारों की दिशा में काम करने के साथ राजनीतिक दलों की जवाबदेही भी तय कराई। राजनीति में भ्रष्टाचार और आपराधीककरण पर व्यापक जन जागरूकता का प्रसार हुआ। एडीआर न होता तो चुनावी बांड को असंवैधानिक घोषित कराना शायद संभव नहीं होता। 25 सालों के श्रम के साथ उन्होंने मतदाताओं की सोच को बदला। राजनीति में धन बल और बाहुबल के बढते प्रभाव के बारे में आम लोगों को सोचने के विवश किया। 25 सालों के सफर के दौरान एडीआर एक छोटे किंतु चुश्त दुरूस्त संगठन के रूप में एडीआर स्थापित हो चुका है जिसके पास व्यापक ज्ञान भंडार और विशेषज्ञ हैं। यह मतदाता जागरूकता के लिए अभियान चलाता है। नयी पीढ़ी को भी जागरूक करता है। लेकिन इसकी एक मुखर आवाज रहे प्रो. छोकर के न होने से जो रिक्तिता आयी है, उसे भर पाना सहज नही होगा।

कविता

जया झा

घर

तिनके जोड़ लोगो को

घर बनाते देखा है।

बाढ़ में बहते हुए

घर को बचाते देखा है।

गिरते हुए घर को

मज़बूत कराते देखा है।

शायद कभी गुस्से में

घर को जलाते देखा है।

पर कभी गिराने के लिए

अपने ही हाथों से, किसी को

घर सजाते देखा है?

फिल्म समीक्षा - द बंगाल फाइल्स

अरुण गुप्ता

रोजनामचा खाकसार का

दताशकंद फाइल्स व द कश्मीर फाइल्स के बाद निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की हाल में प्रदर्शित फिल्म द बंगाल फाइल्स सन 1946-47 के दौर की सांप्रदायिक हिंसा की उन घटनाओं को सामने लाने का साहसिक प्रयास है, जिन्हे देश की आजादी के बाद राजनेताओं, बुद्धिजीवियों व इतिहासकारों द्वारा सद्भाव के नाम पर नागरिकों व शैक्षिक पाठ्यक्रमों से सायास छिपाया गया है। विभाजन की विभीषिका के बारे में जब भी बात होती है अथवा फिल्में बनानी हों, तो उसे पश्चिमी सीमा तक सीमित कर दिया जाता है। ऐसे में अगस्त 1946 में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा घोषित डायरेक्ट ऐक्शन डे के क्रियान्वयन में बंगाल के शासक सोहरावर्दी की देख रेख में कोलकाता में हिंदुओं के एकतरफा नरसंहार और उसके बाद नोआखाली की सांप्रदायिक हिंसा का नंगा सच और पूरे घटनाक्रम के दौरान गांधी जी की बेबसी भरी तटस्थता का निर्भीक चित्रण करने की हिम्मत जुटाई है। फिल्म की कहानी समानांतर रूप से दो विभिन्न कालखंडों से गुजरती है। शुरुआत होती है सीबीआई अफसर शिवा पंडित(दर्शन कुमार) के प. बंगाल के एक जिले में लापता युवती की तलाश में आने पर वह पाता है कि स्थानीय पुलिस मुख्य संदिग्ध विधायक सरदार हुसैनी(शाश्वत चैटर्जी) के इशारों की गुलाम है और उसे कुछ भी करने की छूट है, वहीं उस युवती को अपने घर में शरण देने वाली अधेड़ आयु की महिला भारती बैनर्जी (पल्लवी जोशी) को थाने पर बैठा रखा है। शिवा पंडित, जिसके माता-पिता 90 के दशक में कश्मीर की सांप्रदायिक हिंसा के शिकार हो चुके हैं, जब अपराधी की तह तक पंहुचने की कोशिश करता है, तो सिस्टम और उसके चीफ भी उसके साथ खड़े नहीं होते हैं। उधर कहानी का फ्लैश बैक भारती बैनर्जी की युवावस्था(अभिनेत्री सिमरन कौर रंधावा) से जोड़ता है, जहां वह न केवल डायरेक्ट ऐक्शन डे में अपने माता पिता की हत्या की साक्षी होती है, बल्कि नोआखाली हिंसा मे अपने सहयोगी अमरजीत अरोड़ा (एकलव्य सूद) व संरक्षक राजेन्द्र लाल रायचौधुरी (दिव्येंदु भट्टाचार्य) को टुकड़ों में कटने का दृश्य देखने और यौन शोषण का शिकार होती है। कहानी के केंद्र में एक और महत्वपूर्ण पात्र सिस्टम की प्रताड़ना का शिकार अर्द्ध विक्षिप्त पूर्व पुलिस अधिकारी (मिथुन चक्रवर्ती)भी हैं जो We, the people of India के life और justice के अधिकारों और सिस्टम द्वारा इनके खिलाफ खड़ी ताकतों के पक्ष पोषण पर सवाल खड़े करते हैं। फिल्म के एक अन्य महत्वपूर्ण किरदार गांधी जी (अनुपम खेर) की पूरे घटनाक्रम के दौरान भारत विभाजन न होने देने के निश्चय के बावजूद उनकी बेबसी, हिंसा के प्रति उनकी तटस्थता को भी जस का तस दिखाया गया है। हिंसा का जवाब देने को उद्यत गोपाल पाठा(सौरव दास) के सवाल उनके फलसफे पर भारी पड़ते हैं। यद्यपि फिल्म का अंत थोड़ी नाटकीयता लिए हुए है लेकिन पूरी फिल्म ईमानदारी के साथ ऐतिहासिक व वर्तमान में घट रहे सच से दर्शकों का साक्षात कराने में सफल रही है। विवेक रंजन अग्निहोत्री 1946-47 और इक्कीसवीं सदी के पहले दशकों के बंगाल को पर्दे पर कुशलतापूर्वक जीवंत किया है। पटकथा और कुशल संपादन ने दो अलग-अलग कालखंडों के कथानक को समानांतर रूप से फिल्मांकन में सहज व स्वाभाविक प्रवाह बनाए रखा है। द्विजेन्द्र लाल राय के दो शताब्दी पूर्व रचित गीत 'धनो-धान्य पुष्पे भौरा.. आमादेर एई बोसुंधोरा..' के दो अंतरों व बाऊल गान-'किछू दिन मोने - मोने..' का निर्देशक ने बखूबी चित्रण किया है, जो दर्शकों को भावुक भी करते हैं। अभिनय की बात करें तो मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, शाश्वत चैटर्जी और पल्लवी जोशी ने अपने-अपने पात्रों में प्राण डाल दिए हैं। शिवा पंडित की भूमिका में दर्शन कुमार अपनी भाव-भंगिमा व संवादों से दर्शकों पर प्रभाव डालते हैं। सिमरन कौर, एकलव्य सूद व सौरव दास भी अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय करते दिखाई देते हैं। फिल्म का पार्श्व संगीत भी कथानक व वातावरण के सृजन में सहायक है।

पुलिस की बर्बरता से उपजी गाज़ीपुर की आग

गोविंद तिवारी

गाजीपुर का गठिया गांव बीते दिनों उस खौफनाक रात का गवाह बना, जब लोकतंत्र के नाम पर जनता की आवाज दबाने का सबसे निर्मम खेल खेला गया। यह घटना सिर्फ एक गांव की पीड़ा नहीं है, बल्कि उस पूरी व्यवस्था की विफलता की कहानी है, जहां पुलिस संरक्षक की जगह जल्लाद बन बैठती है और आम आदमी का जीवन सस्ता हो जाता है। नोनहरा थाने के सामने धरने पर बैठे किसानों और कार्यकर्ताओं पर जिस तरह आधी रात को पुलिस ने टूट कर वार किया, उसने यह साबित कर दिया कि वर्दी का अहम जब सिर चढ़ता है तो इंसानियत कहीं दफन हो जाती है। दिव्यांग भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उर्फ जोखू उपाध्याय की मौत ने इस निर्ममता को और भी भयावह बना दिया है। धरनारत किसानों का अपराध इतना भर था कि वे अपने खेतों में गलत दिशा में लगाए जा रहे बिजली के खंभों का विरोध कर रहे थे। लोकतंत्र में विरोध और सवाल उठाना अधिकार है, लेकिन गाजीपुर की पुलिस ने इसे गुनाह बना दिया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो लाठीचार्ज से भागते समय जोखू उपाध्याय गिर पड़े और फिर पुलिसकर्मियों ने उन्हें घेरकर बर्बरता से पीटा। लहूलुहान हालत में जब उन्हें घर के सामने फेंका गया तो परिवार की आंखों के सामने उनका शरीर नीला-काला पड़ चुका था। डर और दहशत का आलम ऐसा कि सही उपचार तक नहीं हो पाया और अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया। गांव की सुबह उस खून की उल्टी और मौत की खबर के साथ शुरू हुई जिसने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और शव को उठाने से इनकार कर दिया। मांगें साफ थीं – दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो, थानाध्यक्ष और पूरे स्टाफ को बर्खास्त किया जाए, परिवार को मुआवजा और नौकरी मिले। लेकिन इन सीधी-सपाट मांगों के सामने भी प्रशासन का रवैया टालमटोल भरा ही रहा। इस बीच भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राय जब सांत्वना देने पहुंचे तो ग्रामीणों के गुस्से का शिकार बन गए। जनता ने साफ कहा कि जब अपनी ही सरकार में धरना देने पर लाठियां बरसेंगी और नेताओं के बयान में संवेदनशीलता की जगह 'औपचारिकता' झलकेगी तो फिर भरोसा कैसे बचेगा। हालात तब और बिगड़े जब एसपी का बयान आया कि घटना में सच्चाई की जांच कराई जाएगी। लोग पूछने लगे कि जब आंखों-देखे गवाह मौजूद हैं, घायल लोग मौजूद हैं, तब जांच किस बात की। मैं, गोविंद तिवारी राष्ट्रवादी चिंतन पत्रकार, इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ एक दुर्घटना या विवाद नहीं मानता, यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। क्योंकि यदि आम जनता को अपनी ही सरकार में आवाज उठाने पर लाठियां खानी पड़ें और दिव्यांग कार्यकर्ता की जान तक चली जाए, तो यह सवाल उठना लाज़मी है कि पुलिस और जनता के रिश्ते किस दिशा में जा रहे हैं। गाजीपुर का यह मामला हमें उस ऐतिहासिक सत्य की याद दिलाता है कि जब सत्ता अपने ही नागरिकों की आवाज को कुचलती है, तब लोकतंत्र खोखला हो जाता है। यहां तो पुलिस ने न सिर्फ विरोधियों पर डंडा चलाया, बल्कि एक दिव्यांग कार्यकर्ता को इतना पीटा कि उनकी मौत हो गई। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हमारी व्यवस्था अब भी 'जनता के लिए, जनता के द्वारा और जनता की' है या फिर यह कुछ खास लोगों के अहंकार की रक्षा का औजार बन चुकी है। दिनभर चले हंगामे ने यह साफ कर दिया कि गाजीपुर के लोग अब चुप नहीं बैठने वाले। शव को 15 घंटे तक उठने नहीं दिया गया, नारेबाजी होती रही, प्रशासनिक अफसरों की गाड़ियां लौटाई जाती रहीं। भीड़ के इस गुस्से को केवल 'उपद्रव' कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन असलियत यह है कि यह गुस्सा उस विश्वासघात का परिणाम है, जो जनता को सुरक्षा देने वालों ने ही किया। ग्रामीणों ने साफ-साफ कहा कि सिर्फ निलंबन और लाइनहाजिर करना पर्याप्त नहीं है। जब तक हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं होगा, जब तक दोषियों को जेल नहीं भेजा जाएगा, तब तक न्याय की उम्मीद अधूरी रहेगी। यही वह बिंदु है जहां से व्यवस्था पर सवाल उठने शुरू होते हैं। क्योंकि सस्पेंशन अक्सर महज औपचारिकता बनकर रह जाता है, असल सज़ा कभी नहीं होती। भाजपा कार्यकर्ता की मौत ने राजनीति में भी हलचल मचा दी। स्थानीय नेता, पूर्व सांसद तक मौके पर पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों का आक्रोश उनके सामने भी शांत नहीं हुआ। वजह साफ थी – जनता चाहती थी कि राजनीतिक संरक्षण से ज्यादा, न्याय की गारंटी दी जाए। नेताओं के बयानों में जहां संवेदना की जगह संतुलन साधने का भाव झलक रहा था, वहीं जनता के दिल में दर्द और गुस्सा बढ़ रहा था। यही कारण है कि भीड़ ने जिलाध्यक्ष तक को खरी-खोटी सुनाई। ऐसी घटनाएं समाज और राजनीति दोनों के लिए चेतावनी हैं। पुलिस यदि जनता को दुश्मन समझकर व्यवहार करेगी, तो वह अपना अस्तित्व ही खो देगी। कानून व्यवस्था बनाए रखना एक बात है, लेकिन विरोध की आवाज को लाठियों से दबाना पूरी तरह निंदनीय है। यहां तो हालात इतने अमानवीय हो गए कि घायल व्यक्ति को अस्पताल तक ले जाने की हिम्मत परिवार में नहीं हुई। यह भय का सबसे वीभत्स रूप है। मैं, गोविंद तिवारी राष्ट्रवादी चिंतन पत्रकार, यह मानता हूं कि इस घटना ने गाजीपुर की जनता की आत्मा को झकझोर दिया है। यह सवाल हर उस नागरिक के सामने खड़ा है जो लोकतंत्र पर विश्वास करता है। यदि पुलिस इस तरह बेलगाम रही तो कल किसकी बारी होगी, कोई नहीं जानता। दिव्यांग सियाराम की मौत महज एक नाम नहीं है, यह उस प्रणाली की विफलता का प्रतीक है जो जनता की रक्षा के लिए बनी थी। डीएम द्वारा मजिस्ट्रेट जांच के आदेश और डीआईजी की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम होना भी गुस्से को शांत नहीं कर सका। लोग जानते हैं कि जांच समितियों की रिपोर्ट अक्सर धूल फांकती रह जाती हैं और पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता। यही कारण है कि ग्रामीण बार-बार जोर देकर कह रहे थे कि केवल जांच नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए। गाजीपुर की इस घटना से यह संदेश भी जाता है कि सत्ता में चाहे कोई भी दल हो, यदि पुलिस पर लगाम न कसी जाए, तो लोकतंत्र खतरे में है। अपनी ही सरकार में कार्यकर्ता की मौत इस बात का संकेत है कि व्यवस्था को सुधारना होगा। पुलिस को जनता का दुश्मन नहीं, संरक्षक बनना होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सबक यह है कि लोकतंत्र केवल वोट डालने से नहीं चलता, बल्कि जनता की आवाज का सम्मान करने से चलता है। अगर विरोध को दबाया जाएगा, तो वह गुस्से के रूप में फूटेगा ही। गाजीपुर की भीड़ का आक्रोश इसी सच्चाई का प्रतीक है। आज जरूरत है कि सरकार इस मामले को केवल 'स्थानीय विवाद' मानकर खारिज न करे। यह एक मिसाल बने कि पुलिस की बर्बरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी अधिकारियों और सिपाहियों को सख्त से सख्त सजा मिले। पीड़ित परिवार को न्याय और सम्मान मिले। तभी जनता का भरोसा लौटेगा। सियाराम उर्फ जोखू उपाध्याय की मौत हमें यह सिखाती है कि लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत जनता है। जब जनता उठ खड़ी होती है, तो सत्ता की नींव तक हिल जाती है। गाजीपुर की घटना ने इस सच्चाई को फिर से साबित कर दिया है। यह घटना केवल एक गांव की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए सबक है।

एक नजर

काटते समय युवक पर गिरा पेड़, मौत

सीतापुर। महमूदाबाद इलाके में यूकेलिप्टिस का पेड़ काटने के दौरान वहां खड़े ग्रामीण पर पेड़ गिरने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार को हरबसपुर गांव में हुआ। यहां के पन्नू पुत्र मंशाबली के खेत में यूकेलिप्टस के पेड़ लगे हैं। पन्नू ठेके पर यूकेलिप्टस के पेड़ कटवा रहे थे। इसी दौरान पेड़ काट रहे लकड़कट्टों ने गांव के ही फारुख (40) पुत्र मलंग से पान मसाला मंगवाया। फारुख पान मसाला लेकर कटानस्थल पर पहुंचा। इसी दौरान एक यूकेलिप्टस का पेड़ फारुख पर गिर गया, जिससे फारुख की मौके पर मौत हो गई। हादसा देख पेड़ काट रहे लोग मौके से फरार हो गए। फारुख घर का इकलौता कमाने वाला शख्स था और मजदूरी करके परिवार चलाता था। फारुख के मेराज (22), इसरार (20), अबरार (15) समेत तीन लड़के और एक लड़की शर्मिला है। पुलिस तहरीर मिलने के बाद जांच कर कार्रवाई की बात कह रही है।

हाइवे पर झाड़ियों में मिले गोवंश के अवशेष

अटरिया (सीतापुर)। थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे के किनारे कबरन गांव के पास झाड़ियों से गोवंश का कटा हुआ सिर, खाल और अन्य अवशेष बरामद हुए, जबकि उसका मांस गायब है। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैला गई। माना जा रहा है कि गोतस्करों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर गोवंश का गला काटकर उसका सिर और खाल वहीं छोड़कर मांस लेकर फरार हो गए। सूचना पाकर एएसपी दुर्गेश कुमार सिंह ने मौके पर पहुच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर फॉरेंसिक टीम बुलाई गई। टीम ने घटनास्थल से नमूने (साक्ष्य) एकत्रित किए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। इसकी जानकारी पाकर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हो गए और घटना पर नाराजगी जताई। बजरंग दल के जिला सहसंयोजक अजय दीक्षित ने अटरिया पुलिस को लिखित तहरीर दी है और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक उमाकांत शुक्ला ने बताया कि नेशनल हाइवे के किनारे कबरन गांव के पास झाड़ियों में गोवंश के अवशेष सुबह मिले। बजरंग दल के अजय दीक्षित की तहरीर के आधर पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जल्द से जल्द घटना का खुलासा किया जायेगा।

सेवा पखवाड़ा : कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

सीतापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) से गांधी जयंती (02 अक्टूबर) तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा मंडल मानपुर की कार्यशाला आयोजित की गई। बैठक में नि. वर्तमान जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिसमे उन्होंने शिक्षक–स्नातक विधान परिषद सदस्य और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ रणनीति बनाई।अचिन मेहरोत्रा ने कहा कि भाजपा का चुनावी प्रबंधन देश में सबसे मजबूत है और सभी सीटों पर विजय सुनिश्चित करना ही लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और स्नातक विधान परिषद का चुनाव प्रबंधन और संपर्क का चुनाव है, इसलिए हर कार्यकर्ता को अपनी पूरी क्षमता से कार्य करना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता की योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी तय की जाएगी। श्री मेहरोत्रा ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश का गौरव है। उन्होंने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारों के समय गरीबों के विकास की धनराशि बिचौलियों की जेब में चली जाती थी, जबकि भाजपा सरकार में गरीब के हिस्से का पैसा सीधे खाते में पहुंच रहा है। मोदी और योगी सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।अचिन मेहरोत्रा ने कहा कि चुनाव जीतने का सबसे बड़ा मंत्र है शत–प्रतिशत स्नातक मतदाताओं को जोड़ना। इसके लिए कार्यकर्ताओं को स्कूल, कॉलेज और घर–घर जाकर मतदाता बनवाने होंगे। विधानसभा स्तर तक संयोजक और सहसंयोजक की नियुक्ति हो चुकी है। अब संपर्क, संवाद, समन्वय और समीक्षा की रणनीति से चुनावी विजय सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष अरविन्द वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनुज शुक्ला, मानपुर संघ के अध्यक्ष चाचा अतुल गुप्ता, मंडल महामंत्री कुंवर गणेश शुक्ला, सौरभ शुक्ला, राजेंद्र यादव, महानरायण वर्मा एवं मंडल पदाधिकारीकरण, मोर्चा अध्यक्षगण शक्ति केन्द्र संयोजक एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

मछुआरों के जाल में फंसा मगरमच्छ, हड़कंप

तंबौर सीतापुर। क्षेत्र के एक गांव में तालाब किनारे जाल से मछली मार रहे मछुआरों के जाल में विशालकाय मगरमच्छ फंस जाने से गांव में हड़कंप मच गया। बीती रात ग्राम डेवढ़ेडीह में कुछ मछुआरे किस्म के लड़के गांव के बाहर तालाब में जाल से मछली पकड़ रहे थे। रात करीब एक बजे जाल में किसी विशालकाय वस्तु के फंसने पर मछुआरों ने जाल को बाहर निकाला मछुआरे इस बात से गदगद थे कि आज बड़ी मछली जाल में फंस गई है। जाल को तालाब से जब बाहर निकाला गया तो उसमें विशालकाय मगरमच्छ दिखाई दिया। मगरमच्छ देखते ही मछुआरों के हाथ पैर फूलने लगे। आनन फानन में मछुआरों ने पूर्व ग्राम प्रधान माबूद अंसारी को इसकी जानकारी दी सूचना मिलते ही पूर्व ग्राम प्रधान मौके पर पहुंच गए और वन विभाग को इसकी सूचना दी। विशालकाय मगरमच्छ जाल में फंसने से गांव में हड़कप्प मच गया और मगरमच्छ देखने के लिए लोगो का तांता लग गया। पूर्व ग्राम प्रधान माबूद अंसारी ने बताया लगभग पांच फीट का मगरमच्छ था बीस किलो वजन का दिखाई दे रहा था। सूचना पर सुबह वन रक्षक इन्द्रबली पहुंचकर मगरमच्छ को रेस्क्यू करके एक ऑटो पर लादकर गांव से थोड़ी दूर पर बह रही शारदा नदी में छोड़ दिया गया।वन रक्षक इन्द्रबली ने बताया सूचना पर हम लोग गए थे रेस्क्यू करके मगरमच्छ को शारदा नदी में छोड़ दिया गया है। इसकी लम्बाई लगभग साढ़े चार से पांच फीट थी अभी बच्चा ही था।

तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण

बिसवां (सीतापुर)। भारत स्काउट और गाइड सीतापुर का तीन दिवसीय प्रथम सोपान के प्रशिक्षण शिविर एलपिश ग्लोबल स्कूल बिसवां में आयोजित किया गया इसके मुख्य अतीत जिला मुख्य आयुक्त रमेश बाजपेयी ने समापन कर स्काउट के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा स्काउट गाइड के बच्चों में जहां अनुशासन में रहकर विभिन्न परिस्थितियों से मुकाबला करने और लोगों की मदद करने में सहायक होता है वही स्काउट और गाइड में लोगों के प्रति संवेदन भी पैदा करता है उन्हें प्रशिक्षण के दौरान विषम परिस्थितियों मेंकैसे रहना है इस बात की भी शिक्षा दी जाती है कैसे टेंट बनाएंगे कैसे अन्य सामग्रियों का उचित प्रयोग करेंगे यह सारी चीज स्कूटर गाइड सीखते हैं संचालन ट्रेनर भगवती प्रसाद वरिष्ठ शिक्षक अनिल वंशवर प्रति आयाम के प्रशिक्षण किए दिए गए स्काउट गाइड द्वारा लगाए गए टेंट का निरीक्षण किया विद्यालय के संरक्षक विवेक गुप्ता अनुज सिंगल उमंग राजवंशी प्रधनाचर्य दीपा चंद्रा तथा सहायक जिला आयुक्त अभिषेक वर्मा रूपेश अवस्थी दीपक राठौर संजय कुमार अजीत स्वरूप आदि मौजूद थे अतिथियों को स्पष्ट चिन्ह देकर सम्मानित किया गया अतिथियों द्वारा बच्चों द्वारा बनाए गए टेंट का भी निरीक्षण किया गया।

अवैध गांजा समेत तीन शातिर गिरफ्तार

गांजे की अंतराष्ट्रीय बाजार में 7 लाख 20 हजार रुपये कीमत, लग्जरी कार से तस्करी कर सूटकेस में ले जा रहे थे गांजा

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। क्राइम ब्रांच व खैराबाद की संयुक्त पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक लग्जरी कार से अंतर्जनपदीय गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। कार से बरामद सूटकेस से नौ बंडल 18 किलो 760 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। बरामद गांजा की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत सात लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है।

सीओ सिटी विनायक भोंसले ने बताया कि 12 सितम्बर को खैराबाद व क्राइम ब्रांच पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान बाराभारी रेलवे क्रासिंग की तरफ से आती किआ कॉरेंस कार को रोकने का प्रयास किया जिस पर चालक कार को तेज रफ्तार से दौड़ाने लगा। पुलिस टीमों ने कार का पीछा कर उसे घेर कर रोक लिया। कार सवार आशुतोष सिंह उर्फ मोनू पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी गांव बूंदा थाना दीदारगंज जिला आजमगढ़, मोहित कश्यप पुत्र ओम प्रकाश कश्यप निवासी गांव पट्टी कमालपुर थाना पखरपुर जिला बहराइच व राजपाल उर्फ करन पुत्र गुड्डू निवासी मोहल्ला बरदहिया रोड जिला बस्ती से पुलिस ने पूछताछ की। सीओ सिटी की उपस्थिति में कार की पिछली सीट से बरामद सूटकेस से नौ बंडल प्लास्टिक के टेप से लिपटे मिले जिनमें से कुल 18 किलो 760 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस के गिरफ्तार आशुतोष अभ्यस्त किस्म का अपराधी है जिसके विरुद्ध प्रतापगढ़ व रायबरेली में हत्या का प्रयास, लूट, अवैध कृत्य व गैंगेस्टर एक्ट के कई अभियोग दर्ज हैं। पुलिस गांजा कहां से लिया गया और कहां ले जाया जा रहा था इसकी पड़ताल कर रही है। पुलिस ने कार को एमवी एक्ट के तहत सीज करते हुए अभियुक्तों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया है।

जनपद के सात हजार राशन कार्डों पर लटकी निरस्तीकरण की तलवार

पांच एकड़ भूमि व चार पहिया वाहन वाले भी ले रहे खाद्यान्न

मिश्रिख (सीतापुर)। तहसील क्षेत्र के विभिन्न विकास क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में स्थित सरकारी उचित दर विक्रेता की दुकानों से जानकारी छिपाकर बनवाए गए लगभग सात हजार राशन कार्ड निरस्त किए जाएंगे। जिसके बाद यह खाद्यान्न योजना से यह अपात्र लोग वंचित हो जाएंगे।प्रदेश शासन के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय द्वारा सूची जारी की गई है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मिश्रिख रीतेश मिश्रा ने बताया कि तहसील क्षेत्र में 228 आपूर्ति की दुकानें सचालित हैं। जिन पर लगभग सात हजार लोगों ने शासकीय गाडलाइन को नजरअंदाज करके अपने राशनकार्ड बनवा रखें है और हर महीने राशन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड आधार कार्ड से लिंक है। मिनिस्ट्री द्वारा प्राप्त सूची के मुताबिक जिन लोगों के पास पांच एकड़ से अधिक भूमि है ऐसे मिश्रिख ब्लाक में 303, मछरेहटा में 334, गोंदलामऊ में 226, पिसावां में 58 तथा मिश्रिख और नैमिषारण्य नगर में 17 अपात्र कार्ड धारक हैं। इसी तरह मिश्रिख ब्लाक में 132, मछरेहटा में 107, गोदलामऊ में 129, पिसावां में 48 तथा नगर क्षेत्र में एक कार्ड धारक ने एक साल से राशन नहीं लिया है। ऐसे लोगों के राशन कार्ड पर निरस्त किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा जिन लोगों की वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक है ऐसे मिश्रिख ब्लाक में 507, मछरेहटा में 571, गोंदलामऊ में 405 तथा पिसावां ब्लाक में 58 कार्ड धारक हैं जबकि मिश्रिख और नैमिषारण्य में तीन लाख से ऊपर की वार्षिक आय वाले 225 राशन कार्ड धारक है जो पूरी तरह खाद्यान्न योजना के लिए अपात्र हैं बावजूद इसके वह हर माह खाद्यान्न ले रहे हैं। इसी तरह जीएसटी ग्रोस करने वाले मिश्रिख ब्लाक में चार, मछरेहटा में तीन, गोंदलामऊ में दो कार्ड धारक है जो पूरी तरह से अपात्र है फिर भी दुकान से हर महीने राशन ले रहे हैं। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी रीतेश मिश्रा ने बताया कि मिश्रिख ब्लाक में 334, मछरेहटा में 338, गोंदलामऊ में 189, पिसावां में 59 तथा मिश्रित नगर में 52 चौपहिया वाहन स्वामियों ने अपने राशन कार्ड बनवाने रखे है जो अपात्र की श्रेणी में आते हैं। मिनिस्ट्री से प्राप्त डाटा सूची के अनुसार मिश्रिख में चार, मछरेहटा में दो, गोंदलामऊ में एक तथा पिसावां ब्लाक में तीन कार्ड धारक जिनकी उम्र 100 वर्ष से अधिक है वे भी हर महीने कोटे की दुकानों से राशन ले रहे हैं। इसी तरह स्टेट डुप्लीकेसी वाले कार्ड धारक जिन्होंने उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों में भी अपने राशन कार्ड बनवा रखे हैं और दोनों जगहों से खाद्यान्न ले रहे हैं। इस तरह के मिश्रिख ब्लॉक में 244, मछरेहटा में 138, गोंदलामऊ में 129, पिसावां में 48 तथा मिश्रिख नगर में एक राशन कार्ड धारक है। जिनका एक जगह से राशन कार्ड अवश्य निरस्त हो जाएगा। तहसील क्षेत्र में लगभग सात हजार राशन कार्ड निरस्तीकरण की राह पर हैं।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही हुई तो खैर नहीं : जिलाधिकारी

डीएम ने कोतवाली में सुनी शिकायतें, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश, कहा मौके पर जाकर अधिकारी दखें स्थिति और करें निर्णय

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कोतवाली नगर में जनसुनवाई की। उन्होंने जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को सुनकर इनका त्वरित, न्यायोचित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिये।

राजस्व विवादों के शांतिपूर्ण निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निस्तारण के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आपसी विवाद के प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। संवेदनशील प्रकरणों में नियमानुसार निरोधात्मक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि महिला सम्बन्धी अपराधों, भूमि विवाद, अवैध कब्जे आदि से सम्बन्धित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

थाना समाधान दिवस से संबंधित रजिस्टर में शिकायत के निस्तारण से सम्बन्धित संपूर्ण विवरण दर्ज किया जाये तथा समस्त संबंधित अभिलेख अद्यतन रखे जाएं।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, उपजिलाधिकारी सदर धामनी एम दास, तहसीलदार सदर डॉ. अतुल सेन सिंह, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद वैभव त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उधर **लहरपुर सीतापुर** कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस द्वितीय शनिवार को नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में संपन्न। जानकारी के अनुसार शनिवार को ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित थाना समाधान दिवस कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह व नायब तहसीलदार अशोक कुमार यादव की उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र से आए मात्र 6 लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये जिसमें से दो शिकायती पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, कोतवाली प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि शेष चार शिकायतों का पुलिस व राजस्व की टीम को मौके पर भेज कर निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया है। थाना समाधान दिवस में क्षेत्र के ग्राम किशनपुर बिलरिया निवासिनी मुन्नी देवी पत्नी पिंकू विश्वकर्मा ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनका जगह का विवाद है और दीवानी न्यायालय में वाद विचाराधीन है परंतु गांव के ही विपक्षी लगातार निर्माण कर रहे हैं और मुझे नाली भी नहीं साफ करने देते व मेरे पेड़ पर भी कब्जा कर लिया है शुक्रवार को उक्त लोगों के द्वारा पनारा रखते समय मना करने पर गंदी गंदी गालियां दी वह जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को भेज कर आरोपियों के विरुद्ध जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पट्टे की स्वीकृति के नाम पर हो रही धन उगाही

तालगांव (सीतापुर)। लहरपुर तहसील लहरपुर में तालाब के पट्टे के लिए तालाब की विज्ञापन निकलवाने से लेकर तालाब के पट्टे की स्वीकृत तक ले रहे लाखो रुपये ग्राम घोघी निवासी आनन्द कुमार सिंह ने जिला अधिकारी अभिषेक आनन्द से लगाई न्याय की गुहार जिसमे बताया गया तहसील प्रशासन के नाम पर आर के का चुना हुआ प्राईवेट आदमी राजकमल निवासी इमलिया विकास खण्ड परसेण्डी तहसील लहरपुर जिला सीतापुर का निवासी है जो तहसील प्रशासन के नाम पर लाख रुपए घूस के तौर पर मागता है पैसे न देने पर काम मे टालमटोली करता है। अब सोचने वाली यह बात है। तहसील का कार्य तहसील प्रशासक करेंगे या फिर कोई प्राईवेट आदमी इसको लेकर मछली पालन करने वालो मे काफी गुस्सा समझ मे ये नही आ रहा की तालाब के लिये नियमित की गयी लागान जमा करें या फिर इन भ्रष्ट लोगो को लाखो रुपये घूस दे।

अधीक्षण अभियंता ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हाल जाना

सीतापुर। अधीक्षण अभियंता, सिंचाई कार्य मंडल सीतापुर नीलेश कुमार जैन ने ग्राम लखनीपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने संचालित कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए। श्री जैन ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित कर्मचारियों को तीव्रगति से कटान रोधी कार्य कराने हेतु निर्देशित भी किया।इस दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई विशाल पोरवाल ने बताया कि आज 13 सितंबर को शारदा नदी का जलस्तर 134.30 मीटर है जो कि खतरे निशान से 19 सेमी. नीचे है, घाघरा नदी का जलस्तर 135.20 मीटर है जो कि खतरे के निशान से 158 सेमी. नीचे है।

उन्होंने बताया कि ग्राम लखनीपुर में कटान को रोकने के लिए नायलॉन क्रेट, गेबियान रोप केस एवं बम्बू क्रेट में आर.बी.एम. से भरी ई.सी. बैग भरकर नदी के किनारे फ्लड फाइटिंग का कार्य कराया जा रहा है, जिससे ग्राम लखनीपुर में कटान रूका हुआ है। आबादी नदी की कटान से सुरक्षित है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शारदा नदी के तटवर्ती ग्रामों का लगातार भ्रमण किया जा रहा है।

विधायक अनिल कुमार वर्मा ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा, हाल जाना

विश्ववार्ता संवाददाता

तालगांव सीतापुर। विकास खण्ड बेहटा क्षेत्र में शारदा नदी के कटान से प्रभावित लखनीपुर गांव में शनिवार को क्षेत्रीय विधायक अनिल वर्मा ने दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की चिंताओं को समझा।

विधायक ने मौके पर मौजूद सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कटान रोकने के लिए किए जा रहे बचाव कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और गांव को कटान से सुरक्षित करने के लिए स्थाई समाधान लागू करने के निर्देश दिए। गांव की महिलाओं ने विधायक अनिल वर्मा के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिसमें नदी के कटान से घरों और खेतों को होने वाला नुकसान प्रमुख था। ग्रामीणों ने नदी के किनारे सुरक्षा के लिए मजबूत उपायों की मांग की।विधायक अनिल वर्मा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कटान रोकने के कार्यों को तेज करने और गांव की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि स्थाई समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में कटान की समस्या से ग्रामीणों को निजात मिल सके। इस अवसर पर अतुल वर्मा, पइंद्रपाल चौधरी सदस्य जिला पंचायत, प्रहलाद कन्नौजिया प्रतिनिधि सदस्य जिला पंचायत, उरूज अहमद,शेख रिजवान अतीक, जावेद खान, जावेद नसीर, मो. आलम, ग्राम प्रधान नबी अहमद सहित कई अन्य ग्रामीण और स्थानीय नेता मौजूद रहे।

महंत ने गौ संरक्षण के लिए सीएम को लिखा पत्र

मिश्रिख (सीतापुर)। श्री 84 कोसीय होली परिक्रमा मेला समिति अध्यक्ष व चार धाम पहला आश्रम नैमिषारण्य के महंत नारायण दास और सचेतक / प्रस्तावक बजरंगी विमल मिश्र ने मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश को एक पत्र देकर आरोप लगाया है। कि मिश्रिख नैमिषारण्य 88 हजार ऋषि मुनियों की पावन तपो भूमि है।

महर्षि दधीचि जैसे दानियों ने लोक कल्याण के लिए अपने शरीर को गायों से चटाकर अस्थियों तक का दान देवताओं को दे दिया था । ऐसी पवित्र भूमि पर गायों को पड़कर काटा जा रहा है । जब कि जनपद में कोई स्लास्टर हाउस मौजूद नहीं है । फिर भी गायों को पड़कर अराजक तत्वों द्वारा काटकर बेचा जा रहा है । यह अराजक तत्व बाहर से भी जानवरों का मांस लाकर चोरी छुपे इस पावन तपो भूमि में बेंच कर कलंकित कर रहे हैं । जो आस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए कतई उचित नहीं है।

रीजेंसी पब्लिक स्कूल में 'ब्लू हाउस कॉन्सर्ट'

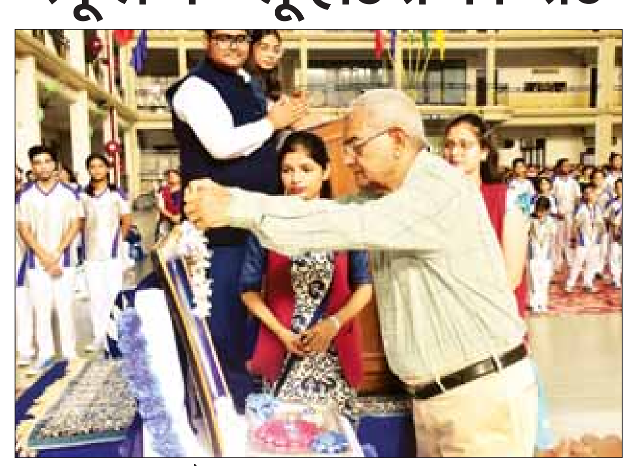

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। रीजेन्सी पब्लिक स्कूल, रस्यौरा के प्रांगण में 'मदर टेरेसा' सदन के तत्वावधान में ब्लू हाउस कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के अध्यक्ष 'एम. एफ. जैदी, निदेशक 'ए. आर. जैदी एवं प्रधानाचार्या 'श्रीमती राशिदा जैदी' का स्वागत मदर टेरेसा सदनाध्यक्षों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष 'एम. एफ. जैदी' ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

इस अवसर पर सदन के छात्रों द्वारा मधुर गीत प्रस्तुत किया गया। समूहगान के छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति सराहनीय रही। सदन की आमना खान एवं महिका सिंह ने अपने अंग्रेजी, हिन्दी भाषण के द्वारा मदर टेरेसा के जीवन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में मदर टेरेसा के जीवन की घटना पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। छात्राओं द्वारा समूह नृत्य ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन देवांश सिंह चौहान एवं रिद्धि गुप्ता ने किया। अंत में आराध्या राज ने सभी का आभार व्यक्त किया।अध्यक्ष महोदय ने बच्चों को संबोधित करते हुए अनुशासित, कर्तव्यपरायण और कर्मठ होने की प्रेरणा दी और छात्रों को मदर टेरेसा के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया।विद्यालय की प्रधानाचार्या 'श्रीमती राशिदा जैदी' ने मदर टेरेसा सदन के अध्यक्ष 'श्री यतीश कुमार सिंह', 'सुश्री रजिया बेगम' एवं 'श्रीमती सरिता शुक्ला' एवं उनकी टीम को सफलता की बधाई दी।

उपलब्धि — पूर्व से 23 .5 प्रतिशत से अधिक वादों का निस्तारण, सात वादों में समझौता राशि 9,48,823 रूपये का एवार्ड किया गया

राष्ट्रीय लोक अदालत में टूटे बीते सभी रिकॉर्ड, 1,35,946 वादों का निस्तारण

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश '' कुलदीप सक्सेना'' की अध्यक्षता में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ''नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी'' द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के समापन के उपरान्त यह जानकारी दी गयी।

राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व उ.प्र. व्यापार उद्योग संगठन के सहयोग से मैक्स हास्पिटल लखनऊ द्वारा, दीवानी न्यायालय परिसर मे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सम्मानित समस्त न्यायिक अधिकारीगणों की उपस्थित में जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना, व मो. गुलामुल मदार, द्वारा रिबेन काट कर स्वस्थ्य शिविर एवं लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया।जनपद न्यायाधीश, कुलदीप सक्सेना, द्वारा कुल 3, विजय कुमार आजाद द्वारा कुल-253 विद्युत वादों का निस्तारण किया गया एवं अन्य समस्त अपर जिला जज द्वारा कुल 280 वादों का निस्तारण किया गया। परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राम नगीना यादव द्वारा कुल 46 लम्बित वादों का समझौता सफलता पूर्वक किया गया। अपर प्रधान न्यायाधीश कोर्ट संख्या-01, ''श्रीमती निशा झा'' द्वारा 78 लम्बित वादों का सफल निस्तारण किया गया। अपर प्रधान न्यायाधीश कोर्ट संख्या 02, सुबोध भारती द्वारा-74 लम्बित वादों का सफल निस्तारण किया गया। इस प्रकार समस्त अपर जिला जज द्वारा 198 वादों का निस्तारण किया गया।मोटर दुर्घटना दावा न्याधिकरना के सम्मानित अध्यक्ष मो. गुलामुल मदार द्वारा सुलह समझौते आधार पर 94 मामलों का निस्तारण कर 5,20,55,000 एवार्ड किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व समस्त अन्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व बाह्रय न्यायालयों द्वारा 7222 वादों का निस्तारण किया गया। जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष, अभिमन्यु लाल श्रीवास्तव के द्वारा कुल 7 वादों का निस्तारण कर समझौता राशि 9,48,823 रूपये का एवार्ड किया गया।

जनपद के समस्त राजस्व न्यायालय द्वारा कुल-54456 मुकदमें निस्तारित किये गये व जिला विकास अधिकारी द्वारा कुल-66267 वादों का तथा जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा 4243 वादों का तथा समस्त नगर पालिका/नगर पंचायत एवं अन्य विभाग द्वारा 1409 वादों का निस्तारण किया गया। विभिन्न बैंकों/फाइनेन्स कम्पनियों द्वारा प्री-लिटिगेशन बैंक रिकवरी के 1279 मामलों को निस्तारित कर-6,68,91,112/-रूपये का (06 करोड़ 68 लाख, 91 हजार 112 रूपये मात्र) समझौता राशि वसूली गयी।उक्त लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर ई-चालान कुल-455 वादों को निस्तारण 4,64,500 रूपये का व प्री-लिटिगेशन वैवाहिक वादो का कुल-37 जाड़ो को साथ-साथ रहने हेतु बिदा किया गया। इस प्रकार पिछली लोक अदालत में निस्तारित वादों की अपेक्षा 23.5 प्रतिशत अधिक वादों का उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण कर कुल-1,35,946 वादों का निस्तारण सफलता पूर्वक किया गया। इस दौरान कुल 13,32,17,219 रूपये (तेरह करोड़ बत्तीस लाख सत्रह हजार दो सौ उन्नीस रूपये मात्र) के मामलों का निस्तारण किया गया।

विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रति संवेदनशील बनाएं और महत्ता को व्यवहार में उतारें

विश्ववार्ता संवाददाता

सिधौली/सीतापुर। कस्बे के गांधी परास्नातक महाविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा अंतर्गत मनाए जा रहे हिन्दी दिवस पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने हिन्दी भाषा के विकास,संवर्धन,उत्थान और इसे राष्ट्रीय पहचान के रूप में प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य रवीन्द्र कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि "हिन्दी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता और आत्मगौरव की पहचान है। शिक्षण संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रति संवेदनशील बनाएं और इसकी महत्ता को व्यवहार में उतारें। उन्होंने कहा कि इस बात की आवश्यकता है कि हम हिन्दी को तकनीकी क्षेत्र सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक और न्यायिक क्षेत्रों में भी प्रोत्साहित करें ताकि यह राष्ट्र की प्रगति की भाषा बन सके। डॉ० अमिता श्रीवास्तव ने कहा कि "हिन्दी हमारी मातृभाषा है, इसकी मधुरता और सरलता ही इसे जन-जन की भाषा बनाती है। डॉ० अखिलेश कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि "हिन्दी केवल साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भी समर्थ भाषा है। यदि हम इसे आधुनिक तकनीक और शोध से जोड़ें तो हिन्दी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बन सकती है।डॉ० गोपाल सिंह ने कहा कि "हिन्दी हमारी सांस्कृतिक धरोहर है।यह भाषा हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है और राष्ट्रीय एकता का सूत्रपात करती है।

बस और डंपर की टक्कर से बस चालक समेत 12 लोग घायल

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के धरमपुर बंबा के पास एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रही रोडवेज बस को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बस के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में बस चालक समेत 12 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

महोबा जिले के राठ डिपो के चालक पनवाड़ी निवासी शकील अहमद ने बताया कि वह देर रात धरमपुर से करीब 45 यात्रियों को लेकर राठ जा रहे थे। जैसे ही बस धरमपुर बंबा के पास पहुंची, सामने से आ रहा तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर बस से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे में बस चालक शकील अहमद के साथ ही कंडक्टर रामपाल सिंह निवासी कुलपाड़ी महोबा, राठ के गायत्री नगर निवासी 33 वर्षीय हरदेवी पत्नी डॉ. मनोज कुमार, 41 वर्षीय डॉ. मनोज कुमार और पनवाड़ी महोबा निवासी 37 वर्षीय सुरेंद्र राजपूत घायल हो गए। सभी को तत्काल एम्बुलेंस से पतारा सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल यात्रियों को कानपुर रेफर कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही घाटमपुर पुलिस और एनएचआई की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस और डंपर को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाया और यातायात बहाल कराया।

एसीपी घाटमपुर कृष्णकांत यादव ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पीड़ित पक्ष से तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के कारण कानपुर-सागर हाइवे पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। शंभुआ से लेकर पतारा तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई। बाद में पुलिस और एनएचआई की टीम ने क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कर सड़क खाली करवाई, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

पूर्व राष्ट्रपति ने किया फॉगसी राष्ट्रीय अध्यक्षीय सम्मेलन का शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को होटल लैंडमार्क में आयोजित फॉगसी नेशनल प्रेजिडेंशियल कॉन्फ्रेंस 2025 का उद्घाटन किया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, फॉगसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीता तांडुलवाडकर, आयोजन अध्यक्ष डॉ. मीरा अग्निहोत्री और सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में रामनाथ कोविंद ने कुलपति प्रो. पाठक द्वारा विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए निःशुल्क वैक्सीनेशन अभियान और टीबी उन्मूलन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने मंच से नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता, नेतृत्व विकास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारे संस्थान की प्राथमिकता है। टीबी उन्मूलन के लिए मेडिकल गाइडेंस और पोषण पेटी के साथ-साथ महिलाओं के लिए फ्री वैक्सीन विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

अखिलेश द्वारा नेपाल को लेकर दिए गए बयान पर भड़के केशव मौर्या

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को उन्नाव पहुंचे, इस दौरान वह निवर्तमान जिला अध्यक्ष अवधेश कटियार और सांसद साक्षी महाराज के आवास, भाजपा कार्यालय पर भी पहुंचे, विकास भवन में सरकारी योजनाओं की समीक्षा की, इसके बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव के उस बयान पर जिसमें अखिलेश यादव ने कहा था कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात हो सकते हैं, इंडिया और पाकिस्तान के बीच में होने वाले मैच पर बड़ा बयान दिया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत सरकार ने पहले ही निर्णय लिया था कि वह पाकिस्तान के बीच कोई भी सीधा मुकाबला नहीं खेलेगी लेकिन अगर कोई बड़े आयोजन होंगे जैसे कि वर्ल्ड कप उसमें पाकिस्तान से खेलेंगे और जीतेंगे भी। जगद गुरु रामभद्राचार्य ने कहा था कि वह पश्चिमी यूपी आते हैं तो उन्हें लगता है कि वो मिनी पाकिस्तान आ गए हैं, जिस पर केशव ने कहा की कोई मिनी पाकिस्तान नहीं है हम सब का साथ सबका विकास पर काम करते हैं लेकिन अगर कोई गड़बड़ करेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम और परमाणु बम वाले बयान पर केशव ने कहा कि वह फ्रस्ट्रेशन का शिकार हो गए हैं, वह सत्ता पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। क्योंकि देश ने गरीब और पिछड़े वर्ग से आने वाले बेटे को प्रधानमंत्री बना दिया इससे कांग्रेस का हाजमा खराब है। अखिलेश यादव के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर वोट चोरी नहीं रुकी तो इंडिया में भी नेपाल जैसे हालात हो सकते हैं। केशव मौर्य ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव चोरों का साथ छोड़ दे भ्रष्टाचारियों का साथ छोड़ दे।

एक नजर

नई आशाओं का आठ दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

पुरवा उन्नाव। मुख्यालय से 41 चयनित हुई आशा वर्कस को सीएचसी में नई आशाओं का आठ दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर सुभाष तिवारी, गरुणेंद्र सिंह, गणेश मिश्रा व राजेश कुमार ने आशाओं को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि आशा के कार्यों का गांवों में घर घर जाकर सर्वे करना तथा सीएचसी स्तर पर प्रसव कराना तथा गांव स्तर पर बैठक करना होगा। वहीं ब्लॉक कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर इसहाक अली ने आशाओं से कहा कि लगन से कार्य करे और जो ज़िम्मेदारी मिली है। उसका बेहतर ढंग से निर्वाहन करे साथ ही स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी जन समुदाए को दे। वहीं मातृत्व शिशु एवं शिशु दर में कमी लाने के लिए आशाओं को बताया गया। बीसीपीएम इसहाक अली ने कहा कि प्रशिक्षण का मूल्यांकन किया जाएगा। जो पास होगा उसको प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आशाओं में प्रीती, कीर्ति, निशा, राधारानी, सोनाली, संगीता, सरिता, रीता, पारुल तिवारी, सोनिका, रानी, समेत चयनित हुई 41 आशाओं को प्रमाण पत्र वितरण किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

शुक्लागंज उन्नाव। गंगा घाट थाना क्षेत्र के आदर्श नगर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों से मौत हो गई। मृतका की पहचान स्वाति तिवारी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मिश्रा कॉलोनी गंगा घाट की रहने वाली थी। स्वाति अपने पति अभिषेक तिवारी के साथ आदर्श नगर में किराए के मकान में रहती थी। शुक्रवार देर रात उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जांच में पता चला कि उसने जहर खा लिया था। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि ससुराल पक्ष उसे प्रताड़ित करता था। पति और सास आशा तिवारी उसके साथ मारपीट करते थे। उसे खाने–पीने तक को नहीं देते थे। बीमार होने पर भी इलाज नहीं कराते थे। पड़ोसियों ने भी देखा था कि उसे कमरे में बंद कर दिया जाता था। स्वाति ने करीब 18 महीने पहले अपनी मर्जी से लव मैरिज की थी। मायके वालों का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष का व्यवहार बदल गया था। वह लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेल रही थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष की शिकायत पर पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। दोनों आरोपी पुलिस हिरासत में हैं। गंगा घाट कोतवाली प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

डंपर ने बाइक सवार दंपति को मारी टक्कर, मौत

कानपुर। बिधनू थानाक्षेत्र के बिनगवां गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौके पर मौत हो गई। पति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगरा के हसन जहानपुर बरहन निवासी सुरेश सिंह और उनकी पत्नी शांति कुल्हौली गांव स्थित मायके जा रहे थे। सेन पश्चिम पारा मे बिनगवां के पास पीछे से आए डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। शांति डंपर के पहिए के नीचे आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुरेश को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने घायल सुरेश को तुरंत अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन समेत फरार हो गया। मृतका के भाई संग्राम सिंह ने बताया कि उनकी बहन और बहनोई अक्सर आगरा से बाइक पर आते–जाते थे। थाना प्रभारी केपी सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम में शामिल होने नगर आए पूर्व राष्ट्रपति

कानपुर। शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद नगर में पहुंचे। डीएम और पुलिस कमिश्नर ने उसका हेलीपैड पर स्वागत किया। इसके बाद वह सिविल लाइंस स्थित लैंडमार्क होटल में कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। व्यस्त कार्यक्रम होने के चलते वह किसी बाहरी व्यक्ति या शहर के लोगों से नहीं मिले। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का हेलीकॉप्टर शनिवार को पुलिस लाइन में उतरा। इस दौरान पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण, डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह समेत अन्य लोगों ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सिविल लाइंस स्थित होटल लैंडमार्क के लिए रवाना हुए।

गंगा का जलस्तर 45 सेंटीमीटर नीचे आया, 16 गांवों में पानी उतरना शुरू

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। गंगा का जलस्तर पिछले 48 घंटे में 45 सेंटीमीटर घट गया। शनिवार को सुबह गंगा बैराज पर जलस्तर 114.55 मीटर दर्ज किया गया। गुरुवार को गंगा का जलस्तर 14 साल के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 115 मीटर पहुंच गया था। जलस्तर घटने से जिन गांवों में पानी घुस गया था, वहां रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है की गंगा का जलस्तर अब धीरे-धीरे घटता जाएगा।

कानपुर गंगा बैराज से शनिवार को 3 लाख 98 हजार 588 क्यूसेक पानी छोड़ गया। इसी तरह से हरिद्वार से 92 हजार 098 क्यूसेक पानी गंगा में आया। नरोरा से भी 71 हजार 077 क्यूसेक पानी गंगा में आया।

गंगा किनारे 16 से ज्यादा गांवो में गंगा पानी घुस गया था। अब धीरे-धीरे उन गांव में पानी कम हो रहा है। पानी धीरे-धीरे इसी तरह से कम होगा।

हर घंटे एक सेंटीमीटर पानी घट रहा है। जिस तरह से लगातार 8 दिनों तक जलस्तर बढ़ा था। अब उम्मीद लगाई जा रही है, कि जिस तरह से पानी घट रहा है, तो प्रतिदिन गंगा का जलस्तर घटना में तेजी आएगी।

सर्विस लाइन किनारे की पटरी क्षतिग्रस्त गड्ढे होने से हो रही दुर्घटनाएं

विश्ववार्ता संवाददाता

हसनगंज उन्नाव। लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस लाइन किनारे की पटरी क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे सड़क किनारे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं आने जाने वाले राहगीर आए दिन गिरकर चोटहिल हो रहे हैं सर्विस लाइन से प्रतिदिन अप डाउन करने वाले राहगीरों व दिहाड़ी मजदूरों ने बताया कि प्रतिदिन लखनऊ जाना होता है औरास से लेकर लखनऊ तक एक तरफ ही सर्विस लाइन बनी है।

सिंगल सड़क पर दोनों तरफ से आवागमन अधिक होने के कारण सड़क किनारे बने गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे है। सर्विस लाइन का मेंटेनेंस कार्य न होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यूपीडा के अधिशासी अभियंता राजेश तिवारी ने बताया की सर्विस लाइन किनारे की पटरी बारिश के कारण कही कही बह गई है जिससे गड्ढे हो गए है। कर्मचारी सर्वे कर रहे हैं जल्द ही मिट्टी भरने का कार्य किया जाएगा। जिस जगह पर रोड क्षतिग्रस्त हो गई उसे भी बनाया जाएगा।

दहेज हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

असोहा उन्नाव। थाना असोहा पुलिस ने दहेज हत्या के एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार वादी की तहरीर के आधार पर थाना असोहा में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में मुख्य आरोपी हिमांशु गुप्ता पुत्र स्वर्गीय सुशील गुप्ता, उम्र लगभग 23 वर्ष, निवासी ग्राम बेरू मजरा मुक्ते मऊ, थाना असोहा उन्नाव, फरार चल रहा था। दिनांक 13 सितंबर 2025 को उप निरीक्षक मृत्युंजय बहादुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जबरेला के पास से अभियुक्त हिमांशु गुप्ता को धर दबोचा। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मृत्युंजय बहादुर के साथ कांस्टेबल उमेश कुमार प्रशांत शामिल थे। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना असोहा पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ा है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि दहेज उत्पीड़न और अन्य अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अभियुक्त को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

शैक्षिक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

सुमेरपुर उन्नाव। आज उच्च प्राथमिक विद्यालय मलय पुर कम्पोजिट, सुमेरपुर मे मध्यावकाश के पश्चात शैक्षिक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों के विकास पर बल देने और जीवन की प्रगति के लिए आवश्यक जीवन कौशलों को सीखने पर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। गोष्ठी के दौरान समस्त अतिथि वक्ताओं को विद्यालय परिवार ने सम्मानित किया।

गोष्ठी प्रारंभ होने से पूर्व अतिथियों ने विद्यालय भ्रमण किया एवं क्रियाकलापों को जाना-समझा और सराहा। भ्रमण के दौरान कक्षा 8 की छात्रा स्वाती और अंश को बेहतर मानचित्र अभ्यास के लिए पुरस्कृत भी किया। विद्यालय के बच्चों के लिए खेलकूद के मैदान की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से विद्यालय बाउंड्री से लगी जमीन को विद्यालय हित में कृषि कार्य के बजाय खेल-कूद के लिए छोड़ देने का आग्रह मुन्ना सिंह बक्सर ने भूमि स्वामी मनोज कुमार सिंह से किया। साथ ही इसके बदले कृषि के लिए भूमि उपलब्ध कराने को कहा। जिसे मनोज कुमार सिंह ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। जिसका सभी ने तालियां बजाकर स्वागत किया। उत्तम शिक्षण कार्य के लिए अतिथियों ने विद्यालय के शिक्षकों अजीत कुमार सिंह, आशीष कुमार दीक्षित, मुकेश सचान, वीरेन्द्र कुमार, गोपाल यादव, ऊषा देवी एवं विनय शंकर शर्मा को सराहा एवं सम्मानित किया गया। शैक्षिक संगोष्ठी का संचालन सहायक शिक्षक आशीष कुमार दीक्षित ने किया। शैक्षिक संगोष्ठी में अतिथियों शिवराम सिंह, सेवानिवृत्त, अभियंता, सीपीडब्लूडी, सुरेन्द्र सिंह एवं प्रेमशंकर शर्मा, सेवानिवृत्त प्रवक्ता देव कृष्ण इण्टर कालेज बारासगवर, बृजेश तिवारी प्रधानाचार्य एवं ज्ञानेंद्र बहादुर सिंह (मुन्ना सिंह), प्रवक्ता, नर्मदेश्वर इण्टर कालेज रामबाग रायबरेली, राजू सिंह राठौर, नवाचारी कृषक, बक्सर मनोज कुमार सिंह, लाल बहादुर पब्लिक इंटर कालेज सहित बच्चे, अभिभावक और शिक्षक शामिल रहे।

सपा नेता ने बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन की व्यवस्था की

बांगरमऊ उन्नाव। समाजवादी छात्र सभा के पूर्व अध्यक्ष व समाजसेवी इमरान सिद्दीकी ने बीते शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ गंगा बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के ग्राम भिखारीपुर, पतसिया, सिरधरपुर एहत्माली, बदली पुरवा, धन्ना पुरवा, नया पुरवा, भिखार पुरवा, हरीगंज, धन्ना पुरवा, कुशाल पुरवा व मल्लाहन पुरवा सहित करीब दो दर्जन गांवों का दौरा किया।

उन्होंने बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था की और उन्हें आगे भी निरंतर राहत व सहयोग देने का आश्वासन दिया। सिद्दीकी ने जिला प्रशासन से किसानों की फसलों की क्षति का आंकलन जल्द करवाने और तत्काल मुआवजा देने की मांग भी उठाई। दौरे में उनके साथ पार्टी विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष डॉ रामपाल कुशवाहा सहित राधेलाल निषाद, राम औतार निषाद, सूरज निषाद, सुरेश कुमार, सती पाल व हाजी कासिम आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ित छात्राओं को शिक्षा विभाग ने स्टेशनरी और खाद्य सामग्री बांटी

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी के छात्रों को बाढ़ राहत सामग्री वितरित की गई खंड शिक्षा अधिकारी ने बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए पनपथा गांव के कई परिवार मरौंदा मझवारा गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शरण ले रहे हैं। बाढ़ से प्रभावित इन परिवारों के बच्चों की मदद के लिए आज विशेष व्यवस्था की गई।

खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने स्कूल का दौरा किया। उनके साथ नोडल अधिकारी संकुल गिरीश कुमार, आनंद कुमार और राज कुमार बाजपेई भी मौजूद रहे। कम्पोजिट मरौंदा मझवारा की प्रिंसिपल इंद्राणी देवी की अगुवाई में टीचर्स ने बच्चों की मदद की। शालिनी गंगवार, शशिकांत दुबे, शिखा चंद्रा, प्रीति सिंह की की उपस्थित में विद्यालय परिसर में बच्चों को शिक्षण सामग्री और खाद्य सामग्री वितरित की।

मैराथन में कई मार्गों पर रहेगा यातायात डायवर्जन

कानपुर। एक राष्ट्र-एक चुनाव के समर्थन में शनिवार शाम 4 बजे मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। यह मैराथन नानाराव पार्क से शुरू होगा। यह फूलबाग चौराहा, बिरहाना रोड और नयागंज होते हुए भारत माता प्रतिमा घंटाघर चौराहा पर समाप्त होगा।

पुलिस ने मैराथन के मद्देनजर शनिवार दोपहर तीन बजे से यातायात व्यवस्था में बदलाव किए हैं। डायवर्जन के अंतर्गत टाटमिल, कोपरगंज और मूलगंज से घंटाघर की ओर जाने वाले वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। वाहन चालक मीरपुर कैंट साइड, डिप्टी पड़ाव चौराहा या मूलगंज-टाटमिल होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। घंटाघर चौराहा से बिरहाना रोड की तरफ वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। बड़ा चौराहा से वीआईपी रोड होकर फूलबाग जाने वाले वाहनों को चार्लिश चौराहा से बाएं मुड़कर किला तिराहा और झाड़ी बाबा तिराहा से होकर डायवर्ट किया जाएगा।

सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने पर 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। रावतपुर पुलिस ने बारावफात पर रामनवमी शोभायात्रा के गेट के सामने आई लव मोहम्मद का साइन बोर्ड लगाकर माहौल खराब करने वाले 25 लोगो के खिलाफ दरोगा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है, जिसमें 8 नामजद, दो वाहन चालकों समेत 15 अन्य अज्ञात लोग शामिल है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करके एक सप्ताह बाद कार्रवाई की है। रावतपुर के सैय्यद नगर में बीती 4 सितंबर को रामनवमी शोभायात्रा गेट के सामने टट्टर पर आई लव मोहम्मद का साइन बोर्ड लगाए जाने से विवाद बढ़ गया था। नाराज हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया था। हंगामे की सूचना मिलने के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। घंटों चले हंगामे के बाद शोभायात्रा गेट के सामने से साइन बोर्ड हटा दिया गया था। इसके अलावा बारावफात के जुलूस के दौरान जुलूस में शामिल वाहनों में सवार युवकों द्वारा हिंदू धार्मिक पोस्टरों को भी फाड़ा गया था, जिसके बाद पुलिस ने माहौल बिगड़ने से बचाया था।

मामले में एक सप्ताह बीतने के बाद दरोगा पंकज शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पहचान करते हुए शराफत हुसैन, सबनुर आलम, बाबू अली, मोहम्मद सिराज खजूर, रहमान, इकराम अहमद, इकबाल, बंटी, कुन्नू कबाड़ी समेत 15 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। थाना प्रभारी केके मिश्रा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया है कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने का प्रयास किया गया था। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तार किया जाएगा।

जलवायु सहनशीलता जैसे विशेष गुणों की विस्तृत जानकारी दी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश मिलेट पुनरुत्थान परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थापित मिलेट प्रयोग का निरीक्षण किया गया।

इस निरीक्षण के दौरान जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्रीडिंग विभाग की डा. श्वेता ने उपस्थित अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों को मिलेट्स (श्रीअन्न) की विभिन्न प्रजातियों, उनके पोषक तत्वों, क्षेत्रीय उपयुक्तता एवं जलवायु सहनशीलता जैसे विशेष गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिलेट्स न केवल पोषण का समृद्ध स्रोत हैं, बल्कि बदलती जलवायु के अनुरूप टिकाऊ कृषि के लिए भी उपयुक्त विकल्प हैं।

इस अवसर पर डॉ. परमेंद्र सिंह, उपमहानिदेशक कृषि शिक्षा एवं तकनीकी हस्तांतरण, डॉ. राजर्षि गौड़, उपमहानिदेशक अनुसंधान परियोजना प्रबंधन एवं समन्वयन, डॉ. सी.एल. मौर्य डीन, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर तथा डॉ. विजय यादव विभागाध्यक्ष, डॉ. आर.के. यादव एवं डॉ. पी.के. सिंह भी उपस्थित रहे।

एक नजर

गैंगस्टर के वांछित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

माखी उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के क्रम में थाना माखी पुलिस द्वारा गैंगस्टर के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त मोहम्मद उमर उर्फ छोटे मियां पुत्र सफी निवासी मोहल्ला कछियाना कस्बा थाना सफीपुर निवासी था उम्र 23 वर्ष को माखी थानाध्यक्ष योगेश कुमार सिंह मय हमराह पुलिस बल के साथ भदनी पुलिया के पास सड़क के किनारे से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम थानाध्यक्ष योगेश कुमार सिंह उप निरीक्षक कोमल सिंह, कांस्टेबल सचिन कुमार, कांस्टेबल रवेंद्र कुमार, कांस्टेबल रामनिवास अवस्थी।

तेज धूप से बढ़ी उमस

कानपुर। शहर में पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला। तेज धूप और उमस के चलते अधिकतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 34 .9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 26 .8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बढ़ते हीट इंडेक्स और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं, इस मौसम में वायरल बुखार भी तेजी से फैल रहा है और अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि शहर में अधिकतम आर्द्रता 90 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 70 प्रतिशत रही।

किसानों को उन्नत कृषि के गुर सिखाए जाएंगे जापानी विधि से

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात में एक मॉडल फार्म परियोजना संचालन की योजना है।

इसको लेकर शनिवार को कृषि वन एवं मत्स्य मंत्रालय, जापान के प्रतिनिधि मंडल ने केंद्र का दौरा किया।भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार तथा कृषि वन एवं मत्स्य मंत्रालय, जापान के बीच हुए समझौता हस्ताक्षर के क्रम में केवीके का दौरा किया गया।

जापान सरकार द्वारा भारत में भी उन्नत कृषि उपकरणों के साथ जापानी विधि से कृषि की जाएगी, साथ ही कृषकों को कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देने के साथ ही उन्नत कृषि के गुर सिखाए जाएंगे, जिससे लागत में कमी के साथ अधिक लाभ व उत्पादन में वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा।

परियोजनाओं को संचालित करने के लिए 15 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधि मंडल ने कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर में परियोजना के लिए चिह्नित भूमि का निरीक्षण किया। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र में स्थिति मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, विभिन्न प्रकार की इकाइयों तथा क्रॉप कैफेटेरिया का अवलोकन किया। जापानी प्रतिनिधि मंडल ने केंद्र व विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर धान की फसल देखकर खुशी जाहिर करते हुए उसके बोने से पैदावार तक की प्रक्रिया को जाना। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सहित समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीवार पर कब्जे के विवाद में दो पक्षों की मारपीट, पत्थरबाजी में 11 लोग घायल

कानपुर। घाटमपुर में शिवपुरी पश्चिमी मोहल्ले में दो पड़ोसियों के बीच दीवार पर कब्जे को लेकर विवाद हुआ। संतोष और कैफ के घर के बीच बनी दीवार पर दोनों अपना हक जता रहे थे। गुरुवार शाम को हुए विवाद को चौकी प्रभारी और पड़ोसियों ने समझा-बुझाकर शांत करा दिया था। लेकिन दोबारा फिर से विवाद शुरू हो गया। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे और पत्थरबाजी हुई। इस झगड़े में कैफ पक्ष से उनकी मां आयशा, चाची सीमा, बहनें कौशर और शीबा, चाचा जाबिर खान घायल हुए। वहीं संतोष पक्ष से उनका बेटा अमित उर्फ बसु, छोटा बेटा सुमित उर्फ छोटू, पत्नी मनोरमा और साला संजय घायल हो गए। सभी घायलों को पहले घाटमपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। बाद में उन्हें कानपुर रेफर कर दिया गया। घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि दोनों पक्षों से शिकायत मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

11वीं की छात्रा से कोचिंग जाते समय लड़कों ने की छेड़छाड़

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। कोचिंग जा रही 11वीं की छात्रा से युवकों ने बैडटच किया। विरोध करने पर थप्पड़ जड़ दिए और फिर मुंह पर थूक दिया। जबकि छात्रा को बचाने आए साथी छात्र को भी पीट दिया। इसमें छात्र का चश्मा टूट गया। इसके बाद आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। छात्रा ने घर पहुंचकर पूरी बात बताई। पीड़ति की मां ने किदवई नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। कार्यवाहक थाना प्रभारी विनोद यादव ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता के मेडिकल कराने के बाद आज बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

केशव नगर की रहने वाली महिला के मुताबिक उनके पति की मौत हो चुकी है। उनकी बेटी प्राइवेट स्कूल में 11वीं की छात्रा है। पीड़ित छात्रा की मां ने बताया कि मेरी बड़ी बेटी किदवई नगर साकेत नगर के एक कोचिंग में दोस्तों के साथ पढ़ने गई थी। वहां उसकी क्लास शाम को 5 से 7 बजे तक चलती है। जब क्लास खत्म हुआ तो बेटी अपनी सहेली और दो अन्य छात्रों के साथ घर लौटने लगी। जैसे ही रास्ते में पहुंची तभी साकेत नगर में किराए पर कमरा लेकर रह रहा युवक यश कुमार अपने 8 से 10 साथियों के साथ पहुंच गया। इसके बाद बेटी पर कमेंट करने लगा। जब बेटी ने कहा कि ये क्या बदतमीजी है। तुम मेरा रास्ता क्यों रोकते हो। इसके बाद आरोपी युवक ने उसके साथ बैडटच करना शुरू कर दिया। जब बेटी ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके मुंह पर 3 थप्पड़ मार दिए। पीड़िता की मां ने बताया कि जब बेटी के साथ के छात्रों ने विरोध किया तो आरोपी युवक के साथ के करीब 8 से 10 लड़कों ने उन्हें मारना शुरू कर दिया। उसने एक छात्र के मुंह पर मारा और उसका चश्मा भी तोड़ दिया। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी युवकों ने बैडटच करने के बाद धमकी दी कि अगर कहीं शिकायत की तो तुम्हे और परिवार को जान से मार दूंगा। पीड़िता की मां ने बताया कि इससे मेरा परिवार डरा हुआ है। मेरे परिवार में कोई पुरुष नहीं है। पीड़ित छात्रा ने कहा कि युवक मुझे 3 साल से परेशान कर रहा है। उसकी धमकी से मैं डरी हुई हूं। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत में कहा कि अगर युवक पर कार्रवाई नहीं हुई तो मेरा स्कूल और कोचिंग आना जाना मुश्किल हो जाएगा। वहीं पुलिस की जांच में सामने आया कि युवक पहले छात्रा के यहां ही किराए पर कमरा लेकर रहता था। लेकिन अब दूसरी जगह रह रहा है।

एक नजर

अनुशासनहीन छात्र के हमले से प्रधानाचार्य घायल

अमेठी। शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालयों में विद्यार्थियों से अनुशासन और नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है। लेकिन शनिवार सुबह अमेठी जनपद के जायस स्थित मलिक मोहम्मद भारतीय इंटर कॉलेज में एक ऐसी घटना घटी जिसने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। कॉलेज में छात्र और अध्यापक के बीच झड़प हो गई, जिसमें प्रधानाचार्य रामकुमार सिंह घायल हो गए।घटना सुबह लगभग साढ़े सात बजे की है, जब विद्यालय खुलने के बाद प्रार्थना सभा संपन्न हुई थी। इसी दौरान कक्षा 12 का छात्र अंशू सोनकर साइकिल लेकर विद्यालय परिसर तक पहुंच गया। कॉलेज प्रशासन का स्पष्ट नियम है कि छात्र-छात्राएं साइकिल मुख्य गेट के बाहर निर्धारित स्थान पर ही खड़ी करेंगे। लेकिन छात्र द्वारा इस नियम का उल्लंघन करने पर प्रधानाचार्य ने उसे हिदायत दी। आरोप है कि चेतावनी मिलने पर छात्र उग्र हो गया और प्रधानाचार्य पर हमला करने को झपटा।प्रधानाचार्य को चोट लगने पर विद्यालय प्रांगण में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद अन्य अध्यापकों ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला और छात्र को शांत कराने का प्रयास किया। कुछ ही देर में सूचना पाकर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने छात्र के परिजनों को विद्यालय बुलाकर उनसे बातचीत की। बाद में छात्र से गलती की माफी मंगवाकर मामला आपसी समझौते से सुलझा लिया गया। प्रधानाचार्य रामकुमार सिंह ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा, "शिक्षक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें अनुशासन और मर्यादा का पाठ पढ़ाते हैं। यदि छात्र ही नियमों की अनदेखी करेंगे तो यह उनके भविष्य के लिए ठीक नहीं है।"पुलिस अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया कि छात्र की उम्र और भविष्य को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय प्रशासन को चाहिए कि छात्रों में अनुशासन बनाए रखने के लिए नियमित रूप से परामर्श सत्र आयोजित किए जाएं। इस घटना ने शिक्षा जगत में यह संदेश दिया कि छात्रों के भीतर अनुशासन और शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय प्रशासन और अभिभावकों दोनों की जिम्मेदारी है कि वे मिलकर बच्चों को सही दिशा दें ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अमेठी में हुई पुलिस मुठभेड़

अमेठी। जायस थाना पुलिस व स्वाट टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। क्षेत्र में गोकशी की योजना बना रहे आरोपियों ने धर पकड़ के दौरान पुलिस आरती पर फायर जोन दिया जवाब में हुई गोली बारी में दोनों आरोपियों पे पैर में गोली लग गई। जिन्हें सरकारी अस्पताल में भीतर कराया गया। मुठभेड़ के दौरान दो अंतर्जनपदीय आरोपियों को संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार

आरोपियों की पहचान आजाद और सिरताज निवासी कंचाना, थाना जायस, अमेठी के रूप में हुई है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में थानाध्यक्ष जायस और स्वाट टीम ने कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी मुर्गी फार्म के पास गोकशी की योजना बना रहे हैं। घेराबंदी करने पर आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए। मौके से पुलिस ने दो तमंचे, चार जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस, गोकशी के उपकरण, रस्सी, टॉर्च, काली पन्नी और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की। पूछताछ में आरोपियों ने 11-12 सितंबर को सरायमहेशा में चार साथियों के साथ गोकशी करने की घटना स्वीकार की। दोनों के खिलाफ अमेठी और रायबरेली में कई मामले दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की तत्परता से गोकशी की साजिश विफल हुई और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

हिन्दी दिवस पर बालदीप विद्यालय में आयोजित हुई सुलेख प्रतियोगिता

अमेठी। हिन्दी दिवस के अवसर पर बालदीप विद्यालय बालनगर जयनगरा में शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को बालदीप विद्यालय के प्रबंधक वैभव वर्मा एवं प्रधानाध्यापक जय प्रकाश शुक्ला द्वारा पुरूस्कार वितरण कर बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक वैभव वर्मा ने हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 14 सितंबर 1949 में भारत की संविधान सभा द्वारा देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में अपनाया गया था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इस दिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। जिससे हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके तथा लोगों में हिन्दी भाषा के महत्व के प्रति जागरूकता सदैव बनी रहे। 1953 में पहली बार 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा हुई। तबसे लेकर आज तक अनवरत 14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप हम सभी मनाते चले आ रहे। कार्यक्रम के इस अवसर पर संजय कुमार,शिवम शर्मा,ममत्वय मिश्रा, कामिनी, नीरज रानी द्विवेदी, नुपुर श्रीवास्तव,इसिका गुप्ता,कीर्ति शुक्ला आदि शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की टक्कर, मेडिकल कालेज के मजदूर की मौत

अमेठी। तिलोई तहसील क्षेत्र में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज के सामने शनिवार की शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में 26 वर्षीय मजदूर की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अर्जुन गोस्वामी निवासी ग्राम बारयूं, जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है। अर्जुन तिलोई में बन रहे मेडिकल कॉलेज की निर्माणाधीन इमारत में मजदूरी करता था। शुक्रवार शाम काम खत्म होने के बाद वह अपने साथी प्रवेश कुमार गोस्वामी के साथ मोटरसाइकिल से लौट रहा था। इसी दौरान मेडिकल कॉलेज के सामने अचानक उनकी बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रवेश गंभीर रूप से घायल हो गया।स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल 200 बेड हॉस्पिटल, तिलोई में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

5 वर्षीय बेटे संगमहिला हुई लापता, जांच में जुटी पुलिस

अमेठी। जायस कस्बे में बुधवार को एक महिला अपने पांच वर्षीय बेटे के साथ रहस्यमयी ढंग से लापता हो गई। जानकारी के अनुसार ऊषा पत्नी शत्रोहन, निवासी चौधराना मोहल्ला, दवा लेने की बात कहकर घर से निकली थी।देर रात तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजन चिंतित हो उठे। उन्होंने ऊषा के ससुराल पक्ष से संपर्क साधा, लेकिन वहां भी उसके पहुंचने की जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिवारजन ने आसपास काफी खोजबीन की, मगर महिला और उसके छोटे बेटे का कहीं पता नहीं चल सका। परिवार के अनुसार ऊषा अपने बेटे को साथ लेकर निकली थी। लेकिन देर रात तक कोई सुराग न मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला व बच्चे की तलाश की जा रही है।

न्याय का माध्यम बनी लोक अदालत

राष्ट्रीय लोक अदालत में उमड़ी भीड़, सुलह-समझौते से निस्तारित हुए हजारों मामले

महेंद्र सिंह

रायबरेली। न्यायपालिका को सुगम और आमजन के लिए सुलभ बनाने की दिशा में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने एक नई पेश की। जिला सिविल कोर्ट परिसर में सुबह से ही जिले के कोने कोने से लोगों का रेला उमड़ पड़ा।

अदालत के विशाल हाल में खड़े होने तक की जगह कम पड़ गई, मगर भीड़ में उत्साह इस बात का प्रतीक था कि लोग अपने पुराने वादों का निस्तारण कराने को लेकर गंभीर और उत्सुक दिखे। नोडल अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमृता सिंह के निर्देशन में 13 सितम्बर को आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत में राजस्व, बैंकिंग, परिवहन, विद्युत, नगर निकाय और अन्य विभागों के लंबित वादों का बड़े पैमाने पर निस्तारण सुनिश्चित कराया गया। देखा गया कि सबसे अधिक निस्तारण बैंकों के विगत लंबे समय से लंबित एनपीए खातों का निपटारा हुआ, जहां बड़ी संख्या में खाता धारकों ने सुलह-समझौते के जरिए राहत पाई और राजस्व वसूली भी हुई। भारतीय स्टेट बैंक जगतपुर शाखा के प्रबंधक विजय प्रकाश पांडेय के साथ स्टाफ में उमेश बाबू के अलावा सेंट्रल बैंक रायबरेली शाखा के प्रबंधक मुकेश कुमार, स्टाफ सदस्य रूपेश वर्मा, तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही। सैकड़ों टेबलें लगाकर बैंक व अन्य विभागों ने एक साथ वाद निस्तारण की प्रक्रिया को गति दी।

लोक अदालत में बड़े-बड़े विवाद भी आपसी संवाद व समझौते से सुलझते दिखे। एडीएम ने उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नगर मजिस्ट्रेट, चकबंदी अधिकारी, लीड बैंक अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, विद्युत और आबकारी विभाग के अधिकारियों को पूर्व तैयारी करने के निर्देश दिए थे, जिसका असर अदालत के दिन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। नोडल अधिकारी अमृता सिंह ने कहा कि लोक अदालत केवल एक वैधानिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जन-न्याय प्रणाली में विश्वास और भरोसे का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि पंजीकृत वादों की सूची पहले से तैयार कर, पक्षकारों को सूचना देकर समझाया-बुझाया जाए, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण संभव हो सके। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन से रायबरेली की कार्यप्रणाली ने राज्य स्तर पर अलग पहचान बनाई। हजारों लोगों को राहत मिली, न्यायालयों का बोझ कम हुआ और यह संदेश गया कि सुलह-समझौते से ही न्याय की राह सबसे सहज और स्थायी है।

महिला सशक्तिकरण पर गूंजा संवाद हर घर से आएगा बदलाव का संदेश

विश्ववार्ता संवाददाता

» अर्थशक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति पर मंथन, महिलाओं ने साझा किए अनुभव

रायबरेली। समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश (2047) अभियान के तहत शनिवार को अमावां ब्लॉक सभागार में महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की थीम अर्थशक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति रही। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

इस अवसर पर प्रबुद्धजनों की टीम में सेवानिवृत्त आईएएस वीरेन्द्र कुमार, सेवानिवृत्त कर्नल बी.आर. कुशवाहा, प्रोफेसर जितेन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक कौशलेष कुमार सिंह और सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता शेखर अग्रवाल ने महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, बैंक लिंकेज, कौशल विकास और सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा की। स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्यों रेखा, दीपांजली मौर्या, कमरून निशा, सीमा देवी और सिद्धदात्री ने भी अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को पोर्टल और क्यूआर कोड के माध्यम से सुझाव प्रेषित करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रेरक संबोधन में वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि हर घर से आए सुझाव, हर महिला बदलाव की धुरी बनेगी और यही भागीदारी 2047 तक उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद कुमार चन्द्रौल, उपायुक्त (स्वरोजगार) सविता सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा और एडीएसटीओ महेन्द्र समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

डीह में शिक्षक पर हमला कार के शीशे तोड़े

डीह, रायबरेली। थाना डीह क्षेत्र में बीती शुक्रवार को दोपहर एक शिक्षक के साथ मारपीट और लूटपाट की वारदात सामने आई। वादी धीरेन्द्र सिंह पुत्र गंगाबक्श सिंह निवासी सम्राट नगर, गोरा बाजार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पंचायत निर्वाचन से जुड़े राजकीय कार्य के लिए खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जा रहे थे। इसी दौरान ब्लॉक सभागार डीह से कुछ दूरी पर कृपा पुत्र सुन्दर, लाला पुत्र राजा, धर्मचन्द्र पुत्र दशरथ और एक अज्ञात महिला ने उनकी कार को रोककर हमला कर दिया।

आरोपियों ने वाहन के शीशे तोड़ दिए, मारपीट की, अभिलेख छीन लिए और मोबाइल छीनकर उसमें से 20 हजार रुपये मंगवाने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक, उसे लगभग एक घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया और जान से मारने की धमकी भी दी गई।

मानदेय व सुविधाओं के भुगतान में गड़बड़ी पर आक्रोशित

सलोन,रायबरेली। तहसील मुख्यालय से महज़ सौ मीटर दूर शनिवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मौन विरोध जताया। बाबा माधव दास मंदिर प्रांगण में आयोजित इस गुप्त बैठक में कार्यकत्रियों ने विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि महीनों से मानदेय और एरियर भुगतान लंबित है, जिसके कारण उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक राकेश कुमार शुक्ला, जिलामंत्री सुनीता त्रिपाठी और जिला संगठन मंत्री ने की। इसमें सलोन परियोजना क्षेत्र से आई दर्जनों कार्यकत्रियों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। उनका कहना था कि बीती सितम्बर-अक्टूबर 2024 का मानदेय लगभग 50 कार्यकत्रियों को अब तक नहीं मिला है। इसी प्रकार, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का बीती मईका एरियर भी बकाया है। नवनियुक्त कार्यकत्रियों में से केवल छह को मानदेय प्राप्त हुआ है, जबकि लगभग 40 कार्यकत्रियां सात माह से भुगतान की प्रतीक्षा कर रही हैं।

कार सवार हमलावरों ने वाहनों में की तोड़ फोड़ सीसीटीवी में कैद हुई घटना : लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत बृजेंद्र नगर मोहल्ले में बीती शुक्रवार की रात कथित कार सवार हमलावरों ने घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ कर दहशत फैला दी। पूरी घटना घर के दरवाजे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित मोहल्ला निवासी हरिकेश सिंह ने एक नामजद और उसके चार पांच अज्ञात साथियों के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दी है। पीड़ति का आरोप है कि हमलावर आधी रात करीब 12 बजे दरवाजे पर आए और स्कॉर्पियो सहित दो अन्य वाहनों को क्षतिग्रस्त किया। इस दौरान उन्होंने धमकी भी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व-शालिनी सिंह

विश्ववार्ता संवाददाता

» बीएमपीएस में हिंदी-दिवस सप्ताह के अंतर्गत हुए विविध कार्यक्रम

लालगंज,रायबरेली। नगर के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में हिंदी दिवस सप्ताह मनाया गया,जिसमें बच्चों ने विभिन्न प्रकार के शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर विद्यालय की सह प्रशासनिक सचिव श्रीमती शालिनी सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है जिसका हम सभी भरपूर उपयोग करते हैं किंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है।

भाषण प्रतियोगिता,वाद-विवाद, कहानी वाचन, सस्वर कविता वाचन, पोस्टर मेकिंग आदि के द्वारा बच्चों ने अपनी आंतरिक प्रतिभा का जबरदस्त प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में विशोक तिवारी,आदर्श त्रिवेदी,अंशिका तिवारी, नंदिनी सिंह,ईशा गुप्ता,स्तुति सिंह आदि ने अपने आंतरिक भावों को भाषण के माध्यम से व्यक्त किया।वाद-विवाद प्रतियोगिता में सेजल सिंह, विश्वास मिश्रा, शताक्षी सिंह,अजय प्रताप सिंह ने अपने विचारों को व्यक्त किया। कहानी वाचन प्रतियोगिता में रुद्र प्रताप,काव्या गुप्ता, अनन्या सिंह ने अपने स्मरण शक्ति के द्वारा अपने भावों को व्यक्त किया, कविता सस्वर वाचन में अनन्या यादव, आरोही यादव,जानवी बाजपेई, ध्रुव सिंह ने सस्वर वाचन किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अनन्या, केअदिति, आराध्या यादव, अपराजिता होरो,अंशिका पांडे, अर्पित मौर्य आदि ने अपने आंतरिक भावों को पोस्टर के माध्यम से व्यक्त किया।

इस अवसर पर शिरीष तिवारी, संगीत सिंह, लता सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संयोजन प्रीति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी अध्यापकों का अपना-अपना यथोचित योगदान रहा।यह जानकारी बीएमपीएस के पीआरओ यशबहादुर यादव ने दी।

दिव्यांग की मदद को व्यापार मंडल ने बढ़ाया हाथ

विश्ववार्ता संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। क्षेत्र के पहुरी गांव में दोनो आखों से दिव्यांग गया प्रसाद लोहार की मदद के लिये व्यापार मंडल आगे आया है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए व्यापार मंडल के अध्यक्ष राहुल भदौरिया ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई कि पहुरी गांव में एक व्यक्ति की दोनो आखों की रोशनी चली गई है। घर में उसके साथ उसकी पत्नी व नाबलिक पुत्र व पुत्री रहते है।

घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते उसके सामने रोजी-रोटी का संकट है। जिसके बाद उपाध्यक्ष डा. सलीम के सहयोग से पीड़ति की मदद का संकल्प लिया गया। व्यापार मंडल की टीम ने दिव्यांग के घर पहुंचकर 5 हजार की नगदी समेंत 25 किलो आटा, 20 किलो चावल समेंत अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदान की है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पीड़ति को आश्वस्त किया है कि इसके इलाज के लिये आगे भी समुचित प्रबंध किया जायेगा।

इस मौके पर उपाध्यक्ष सचिन सिंह, मंडी समिति अध्यख मनोज सिंह, नारेंद्र बहादुर सिंह, अतुल सिंह, तेज बहादुर सिंह , छोटू सिंह, अब्दुल अजीज, विनोद जायसवाल, मो. साबिर, उमाशंकर जायसवाल, अलीम आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानाचार्य अवध प्रकाश श्रीवास्तव को उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से मिली राहत

लालगंज,रायबरेली। क्षेत्र के पूरे पांडेय स्थित जनता इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अवध प्रकाश श्रीवास्तव को आखिरकार पुरानी पेंशन योजना का लाभ पाने का मार्ग मिल गया है। मामला उच्च न्यायालय लखनऊ के हस्तक्षेप से सुलझा। श्रीवास्तव ने अपने करियर की शुरुआत 30 अप्रैल 1993 को कानपुर के ज्ञान भारती एमएस इंटर कॉलेज में अंग्रेजी प्रवक्ता के पद पर की थी। इसके बाद उन्होंने 21 फरवरी 2010 तक लगातार सेवा दी। जिसके बाद वे आयोग से चयनित होकर जनता इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य बने और 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हुए। इस तरह उन्होंने कुल 32 वर्षों तक शिक्षा सेवा दी। मामला तब उलझा जब जिला विद्यालय निरीक्षक ने उनकी सेवाओं को नियमित सेवाओं में जोड़े जाने का आदेश नहीं दिया और उन्हें नई पेंशन योजना के अंतर्गत मान लिया।

सार्वजनिक मार्ग पर दबंग कर रहा कब्जा मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

अमेठी। शुकुल बाजार थाना क्षेत्र के खालिस बाहरपुर गांव में एक दबंग द्वारा किए जा रहे सार्वजनिक खड़ंजा मार्ग पर अवैध कब्जे से ग्रामीणों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने इस मामले में स्थानीय प्रशासन से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला शुकुलबाजार थाना क्षेत्र के खालिस बाहरपुर गांव का है, जहां एक सार्वजनिक खड़ंजा गांव के प्राचीन महारानी जी के मंदिर तक जाता है। यह रास्ता ग्राम सभा द्वारा बनवाया गया था और सरकारी दस्तावेजों में भी दर्ज है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही अजय यादव पुत्र माता प्रसाद ने अपने समर्थकों के साथ इस रास्ते पर बोरिंग करवा दी है और अपने जानवर बांध दिए हैं, जिससे लोगों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है।ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में उपजिलाधिकारी और स्थानीय पुलिस से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उलटे, पुलिस ने कब्जा हटवाने के बजाय शिकायत करने वाले ग्रामीणों पर ही दबाव बनाना शुरू कर दिया।स्थानीय प्रशासन की अनदेखी से हताश होकर, गांव की निवासी ममता पांडे ने मुख्यमंत्री को एक प्रार्थना पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने इस अवैध कब्जे को तत्काल हटाने की मांग की है। इस मामले में केवल ग्रामीण ही नहीं, बल्कि ग्राम प्रधान रामराज और ग्राम पंचायत सचिव अमित कुशवाहा ने भी थाना अध्यक्ष से शिकायत की है। उन्होंने अपने शिकायती पत्र में इस बात का जिक्र किया है कि यह रास्ता महारानी जी के प्राचीन स्थल तक जाता है और सरकारी अभिलेखों में सार्वजनिक मार्ग दर्ज है।

महोना पूरब के प्रधान ने बीएलओ पर लगाया लापरवाही का आरोप

अमेठी। मतदाता सूची के कार्य में बीएलओ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए ग्राम पंचायत महोनापूरब के प्रधान ने बी.डी.ओ.और एस.डी.एम. से शिकायत की है। शिकायत पत्र में प्रधान कमाल अब्बास ने बताया है कि वार्ड संख्या 10 से 15 तक के लिए नियुक्त बी.एल.ओ. विवेक मिश्रा मतदाता सूची के कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बी.एल.ओ. न तो मतदाताओं से मिल रहे हैं और न ही जरूरी कार्रवाई कर रहे हैं, जिससे लोगों में काफी रोष है। प्रधान ने ग्रामीणों के हस्ताक्षर युक्त शिकायती पत्र देकर उच्चाधिकारियों से इस मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। बीडीओ अंजली सरोज ने बताया कि शिकायत की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हिंसा विहीन प्रदर्शन ही आंदोलन की सार्थकता है: मौनी महराज

अमेठी। जनपद के सगरा पीठाधीश्वर और हिंदू धर्मगुरु मौनी महाराज ने नेपाल में जारी हिंसक प्रदर्शनों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जनता को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना पूरी तरह उचित है, लेकिन विरोध प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान और रक्तपात गलत है।मौनी महाराज ने कहा कि किसी भी आंदोलन का सार्थक होना तभी संभव है, जब उसमें हिंसा न हो और देश की छवि को धक्का न लगे। उन्होंने नेपाल के लोगों से धैर्य और संयम बनाए रखने की अपील की और कहा कि "भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जरूर लड़ें, लेकिन बिना हिंसा के।"भ्रष्टाचार पर बोलते हुए महाराज ने नेताओं पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो नेता जनता का शोषण करते हैं, विदेशों में पैसा जमा करते हैं और अपने परिवार को राजनीति में आगे बढ़ाते हैं, वे देश के लिए सबसे बड़े खतरे हैं। उन्होंने भारतीय राजनीति का जिक्र करते हुए कहा, "एक साधारण विधायक विधानसभा में आने के बाद अरबपति बन जाता है। यह स्थिति बताती है कि नेताओं की संपत्ति की नियमित जांच बेहद जरूरी है।"नेपाल की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि हालात इतने बिगड़ गए कि प्रधानमंत्री को देश छोड़कर बाहर जाना पड़ा। वहीं, एक पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी की मौत भी हुई। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ भारतीय नागरिक नेपाल में फंसे हुए हैं।अंत में उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष को सही ठहराते हुए कहा कि यह लड़ाई अहिंसक तरीके से लड़ी जानी चाहिए ताकि नेपाल की छवि और जनता की सुरक्षा दोनों बनी रहें।

मूर्ति विसर्जन की तैयारियो को लेकर , डीएम और एसपी ने राम घाट का किया निरीक्षण

अमेठी। नवरात्र और दुर्गा पूजा का समापन नजदीक है और इसी के साथ मूर्ति विसर्जन की तैयारियां भी जोरों पर हैं। संग्रामपुर विकासखंड के ऐतिहासिक रामघाट पर इस बार भी मूर्ति विसर्जन और मेले का आयोजन होने जा रहा है। प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर तैयारी पूरी ताकत के साथ चल रही है।शनिवार को जिलाधिकारी संजय चौहान और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक स्वयं घाट पर पहुंचे और सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाट पर की गई बैरिकेडिंग, साफ-सफाई और सुरक्षा इंतजाम का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में कोई कोताही न बरती जाए।डीएम ने समिति पदाधिकारियों से कहा कि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और शांति बनाए रखना सबसे जरूरी है। उन्होंने पुलिस बल के साथ-साथ जल पुलिस, एंबुलेंस और स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदगी सुनिश्चित करने का आदेश दिया। वहीं एसपी ने यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए।रामघाट विकास सेवा समिति ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि 5 अक्टूबर तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। समिति की ओर से बताया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट पर प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई और विश्राम स्थल की विशेष व्यवस्था की जा रही है। आगामी 7 अक्टूबर को होने वाले मेला और मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि "रामघाट पर हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सुरक्षा और व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भीड़ प्रबंधन के लिए वालंटियर तैनात किए जाएंगे और घाट पर हर स्तर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।"इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अनुपम मिश्र, संरक्षक आशुतोष मिश्र और प्रबंधक करुणेश चंद्र मिश्र भी मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित आरोपी अमन गिरफ्तार

ऊंचाहार, रायबरेली। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत ऊंचाहार थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी मो. अमन उर्फ समीर पुत्र मो. मुस्लिम निवासी किशुनी का पुरवा, मजरे अरखा, थाना ऊंचाहार को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ थाना स्थानीय पर दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत था। पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

विदाई समारोह में जनसैलाब, शिक्षकों,अभिभावकों ने किया भावभीनी विदाई

भुएमऊ कंपोजिट विद्यालय से प्रदीप सिंह की यादगार विदाई समारोह में छलकी आंखे

» प्रदीप सिंह दंपति को फूलमालाओं और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित कर भावविभोर हुआ पूरा परिसर

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। शिक्षा जगत की सेवा में तीन दशक से अधिक समय तक अपनी निष्ठा और समर्पण का अमिट योगदान देने वाले भुएमऊ कंपोजिट विद्यालय के प्रभारी प्रदीप सिंह को शनिवार को एक भावुक समारोह में विदाई दी गई। यह वही विद्यालय है, जिसकी शैक्षिक उत्कृष्टता और अनुकरणीय वातावरण को देखकर जिलाधिकारी ने इसे गोद लिया था, और जो आज भी जिले में शिक्षा और सौंदर्यकरण का आदर्श उदाहरण माना जाता है।

प्रदीप सिंह ने स्वेच्छा से अपना समायोजन डलमऊ विकासखंड के घुरावारा विद्यालय में कराया। उनके भुएमऊ से विदा होने का समाचार मिलते ही अभिभावकों, ग्रामीणों, शिक्षकों और छात्रों ने मिलकर विद्यालय परिसर में स्वयं विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह का दृश्य किसी जनसैलाब से कम नहीं था—चारों ओर से उमड़े लोगों ने फूलमालाओं से उन्हें लाद दिया, प्रतीक चिन्ह भेंट किए और भावनाओं से सराबोर होकर उन्हें यादगार विदाई दी। समारोह की सबसे मार्मिक घड़ी तब आई, जब प्रदीप सिंह की धर्मपत्नी

नीलम सिंह को भी समारोह में सम्मानित किया गया। गणमान्यजनों ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया। सम्मान पाकर दंपति दोनों की आंखें छलक पड़ीं और उन्होंने इसे अपने जीवन का स्वर्णिम अवसर बताया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर सिंह, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल, ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह, मंत्री दिलीप गुप्ता, जूनियर संघ अध्यक्ष रमेश सोनकर, खंड शिक्षा अधिकारी बृजलाल वर्मा, सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं और क्षेत्रीय गणमान्यजन मौजूद रहे। शिक्षक राहुल सिंह चौहान और साधना मिश्रा ने समारोह के आयोजन में अहम भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार की ओर से सेलंच वितरण भी किया गया।जब प्रदीप सिंह मंच पर आए और अपनी भावनाओं को शब्द दिए, तो पूरा परिसर स्तब्ध होकर सुनता रह गया। उन्होंने कहा कि यह अवसर मेरे लिए अत्यंत भावनात्मक है। इस विद्यालय ने मुझे केवल कार्य करने का अवसर ही नहीं दिया, बल्कि जीवनभर की यादें और सच्चे रिश्ते भी दिए। मैं हृदय से अपने सहकर्मियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और उन सभी का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने इस विदाई को इतना खास बनाया। आपके सहयोग और स्नेह के बिना मेरा यह सफर इतना सुगम और यादगार नहीं हो पाता। यह विद्यालय और आप सब मेरी स्मृतियों में हमेशा रहेंगे। मैं आप सबके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। उन्होंने विद्यालय के सहायक स्टाफ और रसोइयों को भी प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

यह दृश्य देखकर सभी उपस्थित लोगों की आंखें नम हो उठीं। विदाई समारोह का हर क्षण भावनाओं से भरा था। किसी ने कहा कि आपका जीवन स्नेह और सम्मान से आलोकित रहे, तो किसी ने आशीर्वाद दिया। आप जहां भी रहें, शिक्षा की अलख जगाते रहें। पूरे समारोह में केवल एक ही भावना गूंजती रही। प्रदीप सिंह और उनका यह तीन दशक का सफर शिक्षा जगत की अमूल्य धरोहर है।

एक नजर

शाहीन के डायरेक्ट हिट से विनायक रनआउट

2025 एशिया कप में पाकिस्तान ने अपना पहला मैच जीत लिया है। टीम ने ओमान को 93 रन से हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 160 रन बनाए। जवाब में ओमान की टीम 16.4 ओवर में 67 रन पर ही सिमट गई। शुक्रवार को दुबई में शाहीन अफरीदी के डायरेक्ट हिट से विनायक शुक्ला रनआउट हो गए। मोहम्मद हारिस ने सिक्स से अपनी फिफ्टी पूरी की। ओमान के स्पिनर आमिर कलीम ने एक ही ओवर पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा और हारिस के विकेट लिए।

सत्विक-चिराग हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मेन्स डबल्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चाइनीज ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई की जोड़ी को हराया। पहले गेम में सत्विक-चिराग ने चाइनीज ताइपे की जोड़ी को 21-17 से और दूसरे गेम में 21-15 से मात दी। सात्विक-चिराग की यह इस सीजन का पहला फाइनल है। इससे पहले उन्हें 6 सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीन के लियांग वेई कांग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फांग-चिह ली और फांग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा क्वार्टर फाइनल में मलेशियाई जोड़ी को हराया था भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप को तीन गेम वाले मुकाबले में हराया था। पहले गेम में उन्होंने मलेशियाई जोड़ी को 21-14 से आसानी से हरा दिया। लेकिन दूसरे गेम में वे थोड़े चूक गए और 20-22 से हार गए, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। फिर तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की।

T20 इंटरनेशनल में तीसरी बार 300+ का स्कोर

इंग्लैंड ने बनाए 304 रन, ओपनर फिल सॉल्ट का 39 गेंदों में शतक

एजेंसी

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज फिल सॉल्ट इंग्लैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी-20 में 39 गेंदों में शतक लगाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सॉल्ट ने 141 रन की नाबाद पारी खेली, जो इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर है।

इंग्लैंड ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में 20 ओवर में 304 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड का हाईएस्ट और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। 304 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 158 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह इंग्लिश टीम ने यह मैच 146 रन से जीत लिया।

पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। सॉल्ट (नाबाद 141, 60 गेंद, 30 चौके, 9 छक्के) और कप्तान जोस बटलर (39 गेंद में 83 रन) ने पहले विकेट के लिए 47 गेंदों पर 126 रन जोड़ दिए। पावरप्ले में ही इंग्लैंड का स्कोर 106/1 हो गया।

फिल सॉल्ट ने मार्को यानसन के पहले ओवर में 18 रन बटोरे। बटलर ने लिजाड विलियम्स के खिलाफ 22 और कगिसो रबाडा के खिलाफ 20 रन बनाए।

बटलर का इंग्लैंड के लिए सबसे तेज अर्धशतक

बटलर ने 18 गेंदों में टी-20 करियर का अपना सबसे तेज अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 30 बॉल पर 83 रन की पारी खेली। वह ब्योर्न फॉर्च्यून की गेंद पर आउट हुए।

इसके बाद सॉल्ट ने पारी को संभाला। उन्होंने जैकब बेथेल (14 गेंद, 26 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 95 रन और हैरी ब्रूक (41 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 37 गेंदों पर नाबाद 83 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड ने 304/2 का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

रबाडा, विलियम्स, यानसन महंगे साबित हुए

साउथ अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने 70, लिजाड विलियम्स 62 और मार्को यानसन 60 रन दिए। टीम ने 8 वाइड और 5 नो-बॉल फेंकीं, जिससे इंग्लैंड को कुल 13 एक्स्ट्रा रन मिले।

साउथ अफ्रीका की टीम 158 रन पर ढेर हो गई

305 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 16.1 ओवर में 158 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। रियान रिकल्टन ने 20 रन का योगदान दिया। डेवोन फेरेरा और ट्रिस्टन स्टब्स ने 23-23 रन बनाए। ब्योर्न फॉर्च्यून ने 32 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट लिए। वहीं सैम करन, डॉसन और विल जैक्स ने 2-2 विकेट चटकाए।

626वीं रैंक वाले दक्षिणेश्वर ने किया उलटफेर

155वीं रैंक वाले काइम के हराया, भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड के खिलाफ बढ़त बनाई

एजेंसी

नई दिल्ली। डेविस कप के ग्रुप स्टेज के मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड के खिलाफ पहले दिन 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। रिजर्व प्लेयर दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुक्रवार को अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जेरोम काइम को सीधे सेटों में 7-6, 6-3 से हराकर भारत को पहली जीत दिलाई। जबकि सुमित नागल ने भी जीत से वापसी की। उन्होंने मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6 से हराया। फिलहाल, दक्षिणेश्वर की ATP रैंकिंग 626 और काइम की 155 है। कप्तान रोहित राजपाल ने आर्यन शाह की जगह दक्षिणेश्वर पर भरोसा जताया और इस खिलाड़ी ने उन्हें निराश नहीं किया। शुरुआती दो सिंगल्स मुकाबलों में जीत के साथ भारतीय टीम अब यूरोपीय धरती पर एक यादगार डेविस कप जीत के करीब पहुंच गई है। उसे अब होने वाले तीन मैचों में से एक में जीत हासिल करनी होगी। यदि टीम एक मैच जीत लेती है तो यह स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच अपने नाम कर लेगी। भारत ने पिछली बार 1993 में कान्स में किसी यूरोपीय टीम को हराया था, जब लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की अगुआई में टीम ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था। डेविस कप टेनिस का एक इंटरनेशनल टीम टूर्नामेंट है। इसमें केवल मेंस प्लेयर्स हिस्सा लेते हैं। जिसे टेनिस का वर्ल्ड कपभी कहा जाता है। यह 1900 में अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन की टीमों के बीच शुरू हुआ था, और अब इसमें 150 से ज्यादा देशों की टीमें हिस्सा लेती हैं। यह हर साल खेला जाता है। इसका आयोजन इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन करता है। भारत तीन बार टूर्नामेंट का रनरअप रहा है।

आईफोन 17प्रो और 17प्रो मैक्स की बुकिंग खुलते ही शॉर्टेज

रिटेलर्स बोले- एक हफ्ते तक रुकना पड़ सकता है, वजह टॉप मॉडल्स की सप्लाई कम

नई दिल्ली। आईफोन 17 प्रो और 17 प्रो मैक्स की भारत में बुकिंग शुरू होते ही शॉर्टेज हो गई है। रिटेलर्स का कहना है कि अगर आप आईफोन 17 प्रो या प्रो मैक्स खरीदने की सोच रहे हैं, तो कम से कम एक हफ्ते रुकना पड़ सकता है।

कंपनी ने 9 सितंबर को एनुअल इवेंट में आईफोन 17 सीरीज लॉन्च करने के बाद 12 सितंबर को स्मार्टफोन्स की प्री-बुकिंग शुरू की थी। आईफोन 17 की शुरुआती कीमत 82,900 रुपए है और 19 सितंबर से इनकी बिक्री शुरू होगी।

रिटेल नेटवर्क बढ़ने से टॉप मॉडल्स की सप्लाई में कमी

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ बड़े रिटेल स्टोर्स ने कहा है कि उनके पास आईफोन के टॉप मॉडल्स की सप्लाई बहुत कम है, जो लोग ये हाई-एंड मॉडल्स चाहते हैं, उन्हें एपल स्टोर्स या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से खरीदना पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ये कमी इसलिए हुई, क्योंकि एपल ने अपना रिटेल नेटवर्क बढ़ाकर 500 शहरों तक पहुंचा दिया है, जिससे हर स्टोर को मिलने वाले आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स की संख्या कम हो गई है।

रिटेलर्स का कहना है कि ज्यादातर स्टॉक बेस मॉडल्स के लिए है। मिसाल के तौर पर अगर किसी स्टोर को 500 फोन मिलते हैं, तो उनमें से सिर्फ 50 प्रो और 10 प्रो मैक्स होते हैं। 512GB और 1TB जैसे हाई-कैपेसिटी मॉडल्स तो और भी कम मिल रहे हैं। इस बीच, बिक्री शुरू होने के बाद एपल स्टोर्स पर ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ आने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी ने इस महीने की शुरुआत में बेंगलुरु और पुणे में दो नए स्टोर खोलकर अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार किया।

आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स की डिमांड ज्यादा

एक रिटेलर ने बताया, 'बिक्री शुरू होने वाले दिन (19 सितंबर) ज्यादातर ग्राहक खासकर हाई-स्टोरेज वाले प्रो या प्रो मैक्स चाहते हैं, लेकिन हमारे पास इतने यूनिट्स ही नहीं कि उनकी डिमांड पूरी कर सकें।' जो रिटेलर्स एडवांस बुकिंग लेते हैं, उनके लिए ये कमी और मुश्किल पैदा कर रही है। कुछ रिटेलर्स ग्राहकों को बेस मॉडल्स की तरफ मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इसका स्टॉक भरपूर है।

इस हफ्ते सोना 3,369 महंगा हुआ :ये 1.10 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार पिछले शनिवार यानी 6 सितंबर को सोना 1,06,338 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब यानी 13 सितंबर को 1,09,707 रुपए पर पहुंच गया है। इसकी कीमत 3,369 रुपए बढ़ी है। वहीं चांदी की कीमत इस हफ्ते 4,838 रुपए बढ़ी है। पिछले शनिवार को ये 1,23,170 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी, जो अब 1,28,008 रुपए पर पहुंच गई है।

भोपाल सहित 4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,300 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,050

मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,170 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,900 कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,170 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,900

चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,710 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,200 भोपालः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,200 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,950

ITR फाइलिंग के लिए 3 दिन का टाइम बचा

रिटर्न भरने पर आसानी से मिलता है लोन, यहां जानें इसके फायदे

नई दिल्ली वित्त वर्ष 2024-25 के लिए के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइन (ITR) करने के लिए 3 दिन का टाइम बचा है। इस बार इसके लिए 15 सितंबर लास्ट डेट रखी गई है। ऐसे में अगर आपने अब तक ITR फाइल नहीं किया है तो जल्द से जल्द ही कर दें।

कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें ITR भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप ITR फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। ITR फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है।

हम आपको ITR फाइल करने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं...

सबसे पहले जानें इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) क्या होता है?

इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) एक तरह का हिसाब है, जो आप सरकार को देते हैं। इसमें आप बताते हैं कि पिछले साल आपकी कितनी कमाई हुई, किस कमाई पर टैक्स चुकाना है और कितना टैक्स आपने एडवांस में भर दिया है। इससे पता चलता है कि टैक्स के रूप में आप सरकार को कुछ और पैसे देंगे या सरकार आपको कुछ पैसे वापस करेगी।

1. **जुर्माने से बच जाएंगे-** निर्धारित तारीख के भीतर ITR दाखिल नहीं करने पर आपको जुर्माना यानी पेनल्टी चुकाना पड़ सकता है।
2. **नोटिस का डर नहीं रहेगा-** समय पर ITR दाखिल नहीं करने पर आयकर विभाग उन जानकारियों के आधार पर आपको नोटिस भेज सकता है।
3. **ब्याज की बचत-** यदि किसी करदाता ने टैक्स नहीं चुकाया है तो उसे सेक्शन 234बी के तहत हर महीने 1% ब्याज पेनल्टी के रूप में चुकाना होगा।
4. **नुकसान कैरी फॉरवर्ड कर सकेंगे-** आगे के वित्त वर्षों के लिए कैरी फारवर्ड कर सकते हैं।
5. **टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए** आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप ITR फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते।

महिमा चौधरी@52, सुभाष घई पर करियर बर्बाद का आरोप लगाया

दो मिसकैरेज, रोड एक्सीडेंट से चेहरे में घुसे कांच के 67 टुकड़े, कैंसर से जीतीं

महिमा चौधरी बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। वह कम उम्र से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की। महिमा को पहला एड आमिर खान और ऐश्वर्या राय के साथ मिला। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने शुरुआत में ठुकरा दिए। आखिरकार, उन्होंने सुभाष घई की फिल्म परदेस से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जो एक बड़ी हिट साबित हुई। महिमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने साल 2006 में शादी की, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका और 2013 में उनका तलाक हो गया।महिमा चौधरी का जन्म 13 सितंबर 1973 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुआ था। उनके पिता जाट परिवार से थे, जबकि उनकी मां नेपाली थीं। महिमा उनकी इकलौती संतान थीं। महिमा स्पोर्ट्स में बहुत अच्छी थीं। पिता को लगता था कि वो बड़ी होकर स्पोर्ट्स पर्सन या आर्मी में जाएंगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 16-17 साल की उम्र में महिमा का मन फिल्मों में लगने लगा। हाई स्कूल तक की पढ़ाई दार्जिलिंग के कुर्सियांग स्थित डॉव हिल स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने दार्जिलिंग के लोरेटो कॉन्वेंट कॉलेज में ग्रेजुएशन में एडमिशन लिया। लेकिन 1990 में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। इसके साथ ही उन्होंने एक स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लिया और 'मिस दार्जिलिंग' का खिताब भी जीता। महिमा के इस फैसले से उनके पिता नाराज रहे और उनसे लगभग 1 साल तक बात नहीं की। हालांकि मां ने पूरा सपोर्ट किया। एड के बाद महिमा ने वीडियो जॉकी के तौर पर चैनल V के लिए काम किया। वह इस चैनल के लोकप्रिय शो 'पब्लिक डिमांड' को बतौर वीजे होस्ट करती थीं। एक ऐसे ही कार्यक्रम के दौरान जब महिमा शो को होस्ट कर रही थीं, फिल्म निर्माता सुभाष घई भी वहां मौजूद थे। उन दिनों वह अपनी अगली फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रहे थे, जिसके लिए उन्होंने 3000 से अधिक लड़कियों के ऑडिशन लिए थे।हालांकि महिमा को देखते ही उनकी तलाश पूरी हो गई। इसके बाद उन्होंने महिमा को फिल्म परदेस का ऑफर दे दिया। यहीं से महिमा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की।

'गेरुआ' गाने पर खर्च हुए थे 7 करोड़

फराह खान ने बताया- आइसलैंड बहुत महंगा है, वहां सिर्फ दो लोगों के साथ गाना शूट किया

फिल्म 'दिलवाले' का गाना 'गेरुआ' बॉलीवुड के सबसे खूबसूरत गानों में गिना जाता है। हाल ही में फिल्ममेकर फराह खान ने बताया कि इस गाने में करीब 7 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अपने नए व्लॉग में फराह खान दिल्ली गई थीं। उनके साथ उनके कुक दिलीप भी थे। दोनों ने यहां बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी से मुलाकात की। बातचीत के दौरान ग्रोवर कपल ने बताया कि वे हाल ही में आइसलैंड घूमकर आए हैं। माधुरी ने कहा कि वे अपनी एक छुट्टी की फोटो के लिए कोई हिंदी गाना ढूंढ रहे थे। तभी फराह को 'दिलवाले' का मशहूर गाना 'गेरुआ' याद आया। बातचीत में जब फराह ने बजट का जिक्र किया तो अशनीर और माधुरी हैरान रह गए। फराह ने कहा, आइसलैंड बहुत महंगा है। हमने वहां सिर्फ दो लोगों के साथ वह गाना शूट किया। सिर्फ उस एक गाने पर 7 करोड़ रुपये खर्च हुए, क्योंकि आइसलैंड सबसे महंगी जगह है।बता दें कि 'दिलवाले' साल 2015 में रिलीज हुई थी। फिल्म का डायरेक्शन रोहित शेट्टी ने किया था और इसे गौरी खान और रोहित शेट्टी ने मिलकर प्रोड्यूस किया था। इसमें शाहरुख खान, काजोल, वरुण धवन और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म ने दुनियाभर में 376 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी और कई अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट भी हुई थी।

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन अस्पताल में भर्ती:हाथ में पट्टी, चेहरे पर सूजन, फैंस ठीक होने की कर रहे कामना

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन अस्पताल में भर्ती हैं। उनके एक हाथ में पट्टी बंधी नजर आई तो वहीं दूसरे हाथ में ड्रिप लगी दिखाई दी। चेहरे पर सूजन भी है। विक्की जैन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एक्टर समर्थ जुरेल ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर करते हुए विक्की जैन के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना भी की। समर्थ जुरेल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विक्की जैन का वीडियो शेयर किया। वीडियो में विक्की जैन के हाथ में पट्टी बंधी दिखाई दी और बाएं हाथ में ड्रिप लगी नजर आई। वीडियो में अंकिता लोखंडे भी नजर आईं। बता दें कि एक दुर्घटना में उनके हाथ में कांच घुस गया था और उन्हें 45 टांके लगाने पड़े थे। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के फैंस भी विक्की के जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं और उनके स्वास्थ्य के बारे में और अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अंकिता लोखंडे और विक्की जैन अब तक 3 रियलिटी शोज 'बिग बॉस 17', 'स्मार्ट जोड़ी' और 'लाफ्टर शेफ्सः अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट', में साथ नजर आ चुके हैं।

'कुली' में कैमियो को लेकर आमिर का वायरल कमेंट फर्जी

दावा किया गया था- फिल्म में काम करना एक्टर की सबसे बड़ी भूल

रजनीकांत की फिल्म कुली में आमिर खान ने एक कैमियो किया था। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक खबर वायरल हुई, जिसमें दावा किया गया कि आमिर खान ने इस फिल्म में काम करना अपनी सबसे बड़ी गलती बताई। हालांकि, इस मामले में अब एक्टर से जुड़े करीबी सूत्रों का बयान भी सामने आया है। दरअसल, एक्स पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ है, जिसमें दावा किया गया है कि आमिर खान ने एक मीडिया हाउस से इंटरव्यू में कहा था, मैंने ये कैमियो रजनी सर के लिए किया था। ईमानदारी से कहूं तो आज तक समझ नहीं आया कि मेरे किरदार का मकसद क्या था। ऐसा लगा जैसे मैं बस एक-दो लाइनें बोलने स्क्रीन पर आया और फिर गायब हो गया। उसमें कोई असली मकसद नहीं था, न ही कोई सोच। वो सीन बहुत ही ढीला-ढाला और बिना सोचे-समझे बनाया गया था। आगे यह भी कहा गया है कि आमिर खान ने फिल्म के कमजोर बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन और मिले-जुले रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने कहा, फिल्म कैसे बन रही थी, उसमें मैं शामिल नहीं था, इसलिए मुझे नहीं पता था कि मेरा सीन आखिर में कैसा नजर आएगा। मैंने सोचा था कि यह एक मजेदार कैमियो होगा, लेकिन साफ है कि दर्शकों से वह जुड़ नहीं पाया। मुझे ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी, लेकिन अब पीछे मुड़कर देखता हूं तो समझ आता है कि लोग क्यों निराश हुए। वह सीन प्रभावी नहीं था बात बस इतनी सी है। यह एक बड़ी भूल थी और भविष्य में मैं ज्यादा सतर्क रहूंगा। हालांकि, आमिर खान से जुड़े सूत्रों के मुताबिक यह खबर फर्जी है और एक्टर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है।

एक नजर

कलावती इंटर कॉलेज में जलवायु परिवर्तन पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

मोतिगरपुर-सुलतानपुर। स्वास्थ्य विभाग मोतिगरपुर के संयोजन में शनिवार को कलावती इंटर कॉलेज शिवमूर्तिनगर, शाहपुर लपटा में छठवाँ अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ व नीला आसमान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वायु प्रदूषण जन–जागरूकता अभियान के तहत वाद–विवाद प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधीक्षक डॉ. अवनीश मिश्र, डॉ. अकील अहमद, डॉ. किरण यादव, डॉ. श्रुति झा एवं प्रधानाचार्य शर्मिला यादव की देखरेख में हुआ। प्रतियोगिता में इंटर की छात्रा मान्या मोदनवाल ने प्रथम स्थान, कक्षा 11 की महिमा पांडेय ने द्वितीय और नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में अग्निवेश चतुर्वेदी, द्वारिका प्रसाद द्विवेदी, सुषमा पाठक, गुड्डू दुबे, ललित तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शांति व सौहार्द के माहौल में सम्पन्न हो दुर्गा पूजा : थानाध्यक्ष

कूरेभार – सुलतानपुर। आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर थाना कूरेभार परिसर में शनिवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष रविन्द्र सिंह ने की। इस अवसर पर दरोगा राजेश यादव, गिरजेश कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। थानाध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा आयोजन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पूजा समितियों को सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरे, वालंटियर और अस्थाई विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था अनिवार्य होगी। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्र रात 10 बजे तक ही बजाए जाएँगे। एसओ ने समितियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मौजूद गणमान्य नागरिकों और पूजा समितियों के पदाधिकारियों ने भी पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इस दौरान सिपाही मन्नू पासवान, अभिषेक, प्रदीप कुमार समेत बड़ी संख्या में समितियों के सदस्य एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री को जवाबी पत्र से प्रतिमा हटाने का विरोध

सुलतानपुर। धनपतगंज बाजार में स्थित इन्द्र भद्र सिंह की प्रतिमा हटाने के लिए पूर्व मंत्री विनोद सिंह की ओर से शासन में की गई पैरवी पर वकील अरविन्द सिंह राजा ने चिन्ता जताई और प्रस्ताव को अनुचित बताया। अधिवक्ता ने कहा कि स्व. इन्द्र भद्र सिंह ने समाज व शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। जिसके चलते वर्ष 2000 में सर्व समाज के सहयोग से प्रतिमा स्थापित की गई थी, जो सड़क से चार फीट दूरी पर स्थित है और शासनादेश के अनुसार वैध है। पूर्व मंत्री की ओर से अधिवक्ता को भेजे पत्र के जवाब में उन्होंने कहा कि इन्द्रभद्र का सम्मान किसी पार्टी विशेष से जुड़ाव पर निर्भर नहीं करता। अधिवक्ता ने स्व. केदारनाथ सिंह और स्व. इन्द्र भद्र सिंह का समान रूप से सम्मान करते हुए प्रतिमा हटाने को समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम बताया।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत, मचा कोहराम

कुड़वार–सुलतानपुर। घर के अंदर कटे बिजली के तार की चपेट में आकर युवक झुलस गया। गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।परिजन शव लेकर अपने घर वापस आ गए। शनिवार दोपहर में घर के अन्दर कटे तार की चपेट में आकर बंधुआ कला थाना क्षेत्र के अलीगंज कस्बा निवासी दुर्गेश सोनी (25) पुत्र स्व.बलराम सोनी आ गए। गंभीर हालत में स्थानीय लोग लेकर जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।जिसके बाद लोग शव लेकर वापस अलीगंज आ गए। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के भाई दीपू की मौत साल भर पहले तथा पिता बलराम की मौत छह माह पहले हो चुकी है। मृतक अविवाहित युवक अपनी वृद्ध मां सुल्ताना के साथ अकेले घर में रहता था। बहनों की पहले ही शादी हो चुकी है।परिवार में कोई जिम्मेदार न होने के कारण पुलिस को लिखित सूचना नहीं दी गई है। नात रिश्तेदारो के आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी कि पोस्टमार्टम होगा या नहीं। चौकी इंचार्ज अलीगंज हरेंद्र ने बताया कि मौखिक जानकारी मिली है लिखित सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

मार्निंग वाक पर निकले वृद्ध को ट्रक ने कुचला, मौत

सुलतानपुर। शनिवार सुबह सुलतानपुर–वाराणसी फोरलेन पर बड़ा हादसा हो गया। देहात कोतवाली क्षेत्र के कामतागंज बाज़ार के पास मार्निंग वाक पर निकले वृद्ध को तेज़ रफ़्तार ट्रक ने डिवाइडर तोड़कर कुचल दिया। हादसे में वृद्ध की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पन्ना टिकरी निवासी भारत राम यादव (70) के रूप में हुई है। घटना के बाद आस–पास अफरातफरी मच गई। सूचना पर कोतवाल अखंड देव मिश्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि वृद्ध की मौत अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। प्रार्थना पत्र मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

गबन के आरोपों में प्रधानाध्यापक सस्पेंड, विभाग में हड़कंप

सुलतानपुर। जयसिंहपुर खंड शिक्षा क्षेत्र के जूनियर हाई स्कूल, ग्राम पंचायत टोलवा सहादतपुर के प्रधानाध्यापक मनोज सिंह को गंभीर गबन के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। ग्राम प्रधान किरन सिंह ने बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता को दिए प्रार्थना पत्र में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक बीते लगभग चार वर्षों से मैनेजमेंट कमेटी खाते का संचालन मनमाने ढंग से स्वयं कर रहे थे। मामले पर पर्दा डालने के लिए वह बीच–बीच में ग्राम प्रधान से कागज़ों पर हस्ताक्षर जरूर कराते थे, लेकिन उनका उपयोग नहीं किया जाता था। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनाव के दौरान जब प्रधानाध्यापक ने ग्राम प्रधान से हस्ताक्षर करवाने से इंकार किया, तब एमडीएम संचालन और धन के गबन की आशंका गहराने लगी। जब ग्राम प्रधान ने उनसे स्पष्टीकरण माँगा तो पूरा मामला सामने आ गया। गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर बीएसए उपेंद्र गुप्ता ने जांच बैठाई और प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से प्रधानाध्यापक मनोज सिंह को निलंबित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भ्रष्टाचार की ऐसी घटनाएँ बेहद निंदनीय हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे और कड़ी कार्रवाई भी हो सकती है।

किशोर की मौत मामले में अयोध्या प्रयागराज मार्ग जामकर प्रदर्शन

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। छह दिन पूर्व सरवन गांव में किशोर की संदिग्ध परिस्थित में हुई मौत के मामले में ग्रामीणों और परिवारजन ने द्वारिकागंज चौकी के सामने अयोध्या-प्रयागराज मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने पुलिस को मांग-पत्र सौंप कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

गोसाईगंज के सरवन चौथाई का पुरवा निवासी सहजराम के तेरह वर्षीय बेटे किशन की आठ सितंबर को संदिग्ध परिस्थित में मौत में मौत हो गई थी। उसका शव बल्ली के सहारे रस्सी से कमरे में अंदर लटका पाया गया था। पिता सहजराम ने भूमि विवाद में बेटे की हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हत्या का कारण स्पष्ट नही हो सका।

शनिवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे मृतक की सगी बहन आशा और मौसी निर्मला ने ग्रामीणों के साथ द्वारिकागंज चौकी के सामने अयोध्या-प्रयागराज हाइवे पर रोड जाम कर दिया। द्वारिकागंज चौकी इंचार्ज द्विवेश त्रिवेदी ने समझा बुझाकर ग्रामीणों को सड़क से हटाया। इस बीच 10 मिनट हाइवे पर आवागमन बाधित रहा। सूचना पर थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय चौकी पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को समझाया। उन्होंने कहा कि संबंधित तहरीर दीजिए,हम तुरंत मुकदमा दर्ज करेगें। इसके बावजूद मृतक की बहन और मौसी मामले में तहरीर देने को तैयार नही हुई। दोनों का कहना था कि किशन की फांसी लगाकर हत्या की गई है। जिसको पुलिस को खुलासा करना चाहिए। थानाध्यक्ष ने जल्द खुलासे का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने चौकी पर ढाई घण्टे तक प्रदर्शन कर पुलिस को मांग-पत्र सौंपा। जिसमें निष्पक्ष जांच और निर्दोष व्यक्तियों को न फांसने की मांग की गई है। प्रदर्शन में पिता सहजराम, सौतेली मां नीतू और सौतेली बहन पारो शामिल नही हुए। थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नही है। उन्होंने रोड जाम से इंकार कर दिया। साथ ही जल्द ही घटना के खुलासे की बात कही।

परिवारजन से एसओजी और पुलिस ने बारी-बारी से की पूछताछ

मंगलवार को शव के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस परिवारजन को थाने लाई। जहां पुलिस और एसओजी टीम ने पिता, सौतेली मां नीतू, सगी बहन आशा, सौतेली बहन पारो और पारो के पति से बारी–बारी पूछताछ की। बताया जा रहा है पुलिस को घटना स्थल से कथित रूप से एक सुसाइड नोट भी मिला था। जिसमें आत्महत्या किए जाने की बात लिखी गई थी। फिलहाल पुलिस सुसाइड नोट के बारे में कुछ भी बोलने को तैयार नही है। पुलिस घटना के छह दिन बाद भी आत्महत्या और हत्या की गुत्थी सुलझा नही सकी है।

आस्था के नाम पर मनमानी नहीं होगी बर्दास्त : एसडीएम

कुड़वार-सुलतानपुर। आगामी दुर्गापूजा, रामलीला, विसर्जन शोभा यात्रा के मद्देनजर स्थानीय थाने पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीस कमेटी बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में पूजा पण्डाल अध्यक्षों को परमीशन लेकर मूर्ति स्थापना की बात कही गयी।

शनिवार को स्थानीय थाने पर एसडीएम सदर विपिन कुमार द्विवेदी और सी ओ सिटी की उपस्थिति में पीस कमेटी की बैठक में दर्जनों पूजा समिति के सदस्यों ने हिस्सा लिया। उपस्थित लोगों से वार्ता करते हुए एसडीएम ने कहा सभी समिति के अध्यक्ष अपने अपने वालेंटियर की सूची तैयार करके पुलिस को उपलब्ध करा दें।साथ ही थाने पर आकर मूर्ति स्थापना के लिए फॉर्म भरकर दे दें। जिससे सभी को समय से परमिशन प्राप्त हो जाए। साथ ही दुर्गा पूजा महोत्सव में आस्था के नाम पर मनमानी किसी भी सूरत पर बर्दाशत नहीं की जाएगी। डीजे के खिलाफ गणेश विसर्जन में कार्यवाही हुई है जो आगे भी होगी। सीओ सिटी प्रशांत सिंह ने कहा कि सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा के दृष्टि से सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य रहेगा। साथ ही कोई भी पूजा पंडाल मुख्य मार्ग व बिजली के तार के नीचे नहीं रहेंगे।विसर्जन यात्रा में किसी भी तरह का हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी पुलिस बल द्वारा लगातार की जाएगी। अराजक तत्वों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। एसडीएम ने थाना प्रभारी अमित मिश्रा को निर्देशित किया कि सभी पूजा पंडालों के स्थान का निरीक्षण कर ले।विसर्जन यात्रा मार्ग पर अगर कोई डाल हो तो उसे समय रहते कटवा दे।

साथ ही कोई भी पूजा समिति हरे बांस में झंडा आदि न लगाए।इस मौके पर पूजा समिति के सदस्यों के साथ प्रधान अनंत राम चौरसिया, प्रधान संघ अध्यक्ष गौरीशंकर यादव,नरेंद्र मौर्य,रमेश तिवारी,राहुल गुप्ता सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

सरकार हर मोर्चे पर नाकाम अशोक सिंह बिसेन

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट ने सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, किसानों सहित अन्य विभागों में लूट रोकने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। बार एसोसिएशन सुलतानपुर में वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित होने के बाद मीडिया से बातचीत में बिसेन ने कहा कि कानून व्यवस्था से लेकर नौकरशाही तक खुली लूट मची हुई है। खाद, पानी, बिजली कटौती और स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर जनता को ठगा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जनता से वादाखिलाफी की है और अब आम लोग इस ₹सेवा₹ के नाम पर डंडा झेलने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पूर्ण बहुमत की सरकार दिलाई जाएगी। बिसेन ने कहा कि आज देश में किसान, सीमाओं पर जवान और बेरोजगार नौजवान आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। बुलंदशहर के ततारपुर निवासी अजय कुमार शर्मा को बिजली संकट के चलते आत्महत्या करनी पड़ी, जबकि ग़ाज़ीपुर में शांतिपूर्ण धरने पर बैठे भाजपा नेता सियाराम की पुलिस पिटाई से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि यह घटनाएँ साबित करती हैं कि सरकार जनता की भावनाओं को समझने में पूरी तरह नाकाम रही है।

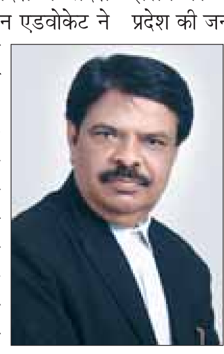

रोशनदान के सहारे घुसे चोरों ने उड़ाए गहने व नकदी

दोस्तपुर – सुलतानपुर। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत सहिनवा गांव में चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पीड़ित पक्ष की ओर से दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार दिनांक 12/13 सितम्बर 2025 की बीती रात अज्ञात चोर घर के राशनदान के सहारे ऊपर कमरे में घुस गए। चोरों ने मौके पर रखा जेवर व कपड़े समेट लिए तथा कपड़े घर के बाहर फेंक दिए। इसके बाद जेवर लेकर फरार हो गए।

आयुष्मान कार्ड के साथ खेल रहे अस्पताल संचालक, बना मजाक

सुलतानपुर। गरीबों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत कार्ड धारकों को हर साल पाँच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलना चाहिए। इसमें जांच, दवाएँ, भर्ती, ऑपरेशन और गंभीर बीमारियों का इलाज शामिल है।

लेकिन जनपद में यह योजना मरीजों के लिए राहत बनने के बजाय परेशानी बन गई है। जिले के कई निजी नर्सिंग होम और सरकारी अस्पताल खुलेआम यह कहकर मरीजों को टाल देते हैं कि कार्ड सिर्फ भर्ती और ऑपरेशन में मान्य है। जबकि शासनादेश साफ कहता है कि छोटी से छोटी जांच से लेकर बड़ी सर्जरी तक सब आयुष्मान कार्ड से निशुल्क होना चाहिए। किसान यूनियन नेता राम प्रकाश सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड गरीब मरीजों की जीवन रेखा है। लेकिन जिले के अस्पताल मालिक और डॉक्टर इस योजना को मजाक बना चुके हैं। जब तक मरीजों को योजना का पूरा लाभ नहीं मिलेगा, तब तक हम आंदोलन करेंगे। पूरे मामले में मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि जनपद के 47 निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से जुड़े हैं। सभी को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना अनिवार्य है। जल्द ही सीएमओ के साथ बैठक कर अस्पतालों को निर्देश दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 50,822 मामले

सुलतानपुर। जिले में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला जज लक्ष्मीकांत शुक्ला की अध्यक्षता में हुआ। लोक अदालत में बड़ी संख्या में बैंक संबधी मामलों के साथ कुल 50,822 मामलों का निस्तारण हुआ।

लोक अदालत में परिवार न्यायालय के न्यायाधीश हीरालाल यादव, अंकिता शुक्ला एवं शालिनी सागर ने 173 वैवाहिक वादों तथा प्री लिटिगेशन के 15 मामलों को सुलह समझौता से निस्तारित कराया। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 82 मामलों को निस्तारित कराया। अपर जिला जजों ने कुल 2095 प्रीलिटिगेशन बैंक वसूली से सम्बन्धित वादों को निस्तारित कराया जिसमें बैंको के ऋण सम्बन्धी वादों में 14 करोड़ 15 लाख 57 हजार 875 रूपये का समझौता किया गया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह और अन्य न्यायिक अधिकार्यों ने कुल 6,468 फौजदारी मामलों का निपटारा किया। अन्य अधिकारियों ने भी बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण किया। जिलाधिकारी सुलतानपुर एवं उनके अधीन कार्यरत पीठासीन अधिकारियों ने 18,124 वाद तथा जिलाधिकारी अमेठी एवं उनके अधीन कार्यरत अधिकारियों ने 21,155 मामलों को निस्तारित कराया।

बीए छात्रा की संदिग्ध मौत पर मचा बवाल

सुलतानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र में बीए की छात्रा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। 30 अगस्त को फोटोस्टेट कराने गई छात्रा का शव अगले दिन घर से मात्र 80 मीटर दूर पेड़ से लटका मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि थानेदार ने भाजपा नेता के दबाव में नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। परिजनों के जोरदार विरोध के बाद हत्या की धाराएं जोड़ी गईं, लेकिन आरोपी अब भी आज़ाद घूम रहे हैं।

परिवार का कहना है कि पंद्रह दिन गुजर जाने के बाद भी आरोपियों को सिर्फ थाने बुलाकर औपचारिक पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। न्याय की गुहार लगाते-लगाते परिजन पहले एसपी से मिले, फिर मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो लखनऊ जाकर डीजीपी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। शासन-प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया, लेकिन अखिलेश यादव ने मामले का संज्ञान लेते हुए सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित परिवार से मिलने भेजा है। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव, सांसद राम भुआल निषाद, विधायक ताहिर खान, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सोलंकी, राम कुमार भुर्जी, प्रदीप भुर्जी और स्वामीनाथ यादव शामिल हैं।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ लामबंद

सुलतानपुर। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किए जाने के फैसले ने पूरे देश के लाखों शिक्षकों में असंतोष और चिंता की लहर दौड़ा दी है। इसी मुद्दे को लेकर अब अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ लामबंद हो गया है। संगठन ने इस मामले में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है।

महासंघ के आह्वान पर 15 सितम्बर 2025 को देशभर के 780 जिलों से एक साथ प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। सुलतानपुर में भी शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी को पीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपेगा। जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने बताया कि टीईटी अनिवार्यता का निर्णय वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों के भविष्य को संकट में डाल देगा। नियम के मुताबिक अब कक्षा आठ तक पढ़ाने वाले हर सेवारत शिक्षक को भी टीईटी उत्तीर्ण होना अनिवार्य कर दिया गया है, चाहे उनकी नियुक्ति की तिथि कुछ भी रही हो। शिक्षक संगठनों का कहना है कि यह निर्णय लाखों शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और आजीविका पर गहरी चोट करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार यदि सचमुच शिक्षा सुधार चाहती है, तो इसके लिए आरटीई (शिक्षा का अधिकार) एक्ट में आवश्यक संशोधन किया जाए, ताकि पहले से कार्यरत शिक्षकों को राहत मिल सके।

हिंदी पखवाड़े में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र पुरस्कृत

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। कंपोजित विद्यालय करसा में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 6 से 13 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। पखवाड़े का समापन कार्यक्रम शनिवार को आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता भारतीय वायु सेना से वारंट ऑफिसर पद से सेवानिवृत्त जय प्रकाश यादव ने की।इस दौरान विद्यालय में पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन, भाषण, आशु भाषण, काव्य पाठ, सुलेख, श्रुतलेख एवं 'सुनो कहानी' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों—खुशी, आदित्य राज, रानी, शगुन, नन्दिनी, साक्षी, इन्द्र प्रताप, रौनक, भीमराज, अवनीश एवं सृष्टि—को मुख्य अतिथि ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि जय प्रकाश यादव ने कहा कि बच्चों का प्रदर्शन सराहनीय रहा और इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक बाबूलाल के साथ शिक्षक समरेंद्र, संदीप, निलेश एवं मातादीन निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।

लेखपाल से मारपीट और महिला से अभद्रता, मुकदमा दर्ज

सुलतानपुर। तहसील लम्भुआ क्षेत्र के कोतवाली देहात थाना अंतर्गत महेसुआ गांव में सरकारी कार्य के दौरान लेखपाल और महिला के साथ अभद्रता व मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार 11 सितम्बर को कार्यरत लेखपाल पुनीत कुमार खरवार सरकारी कार्य से गांव पहुंचे थे। आरोप है कि ग्राम प्रधान पति सुरेंद्र प्रताप सिंह और शुभम सिंह अपने 20-25 साथियों संग वहां पहुंचे और लेखपाल से गाली-गलौज व हाथापाई की। इतना ही नहीं, लेखपाल के हाथ से खसरा-नक्शा छीनकर फाड़ दिया गया और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

इसी गांव की महिला सुनेना ने भी सुरेंद्र प्रताप सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने बताया कि जब वह अपनी जमीन के संबंध में लेखपाल से बात कर रही थीं, तभी सुरेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें और उनके ससुर प्रताप नारायण को अपमानित करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जातिसूचक गालियां दीं। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उनके ससुर को धक्का देकर गांव से भगा दिया। दोनों घटनाओं में पीड़ितों ने कोतवाली देहात थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

बेहतर समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम : सीओ

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। स्टूडेंट पुलिस कैडेट (एसपीसी) कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कालेज, अमिलिया सिकरा, जयसिंहपुर में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। इस दौरान उन्हें पुलिस के कार्यों के साथ बेहतर समाज निर्माण में उनकी भूमिका के बारे में बताया गया।

जिला नोडल अधिकारी एसपीसी/क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर आशुतोष कुमार ने बच्चों को भ्रष्टाचार के प्रकार, उसके तरीके और दुष्परिणामों की जानकारी दी। साथ ही सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, दुर्घटना के समय नागरिक की भूमिका के अलावा आपातकालीन सेवाओं और हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 108, 1930 के बारे में विस्तार से बताया। बच्चों को साइबर अपराध के खतरों और उनसे बचाव के उपायों से भी अवगत कराया गया। पुलिस से सहयोग एवं सुरक्षा के महत्व को समझाते हुए उन्हें बेहतर शिक्षा हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य राकेश मेधानी व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कहीं सवाल न पूछ लिया जाए, इसलिए फोन तक नहीं उठाते डीएमओ बंशीलाल यादव, फोटो खिंचवाकर वायरल कराने से खत्म नहीं होंगी समस्याएं

डीएमओ की हीलाहवाली से कागजों तक सिमट गया विश्व मच्छर दिवस

सुलतानपुर। मलेरिया व फाइलेरिया से लोगों को बचाने के लिए योगी सरकार जहां अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है, वहीं जिले के जिम्मेदार अधिकारी ही लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी का प्रतीक बन बैठे हैं। मामला जनपद सुलतानपुर के जिला मलेरिया अधिकारी बंशीलाल यादव से जुड़ा है, जिन पर योजनाओं की अनदेखी, कामचोरी और विभागीय नियंत्रणहीनता के गंभीर आरोप लग रहे हैं। 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाना था, जिसका उद्देश्य मच्छर जनित बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। लेकिन जिले में यह दिवस केवल कागजों में सिमटकर रह गया। न तो किसी बड़े स्तर पर कार्यक्रम की जानकारी दी गई और न ही आम जनता तक कोई जागरूकता अभियान पहुँचा।

सूत्रों के अनुसार, डीएमओ बंशीलाल यादव से जब भी किसी योजना या कार्यक्रम की जानकारी लेने की कोशिश की जाती है, वह फोन उठाना ही मुनासिब नहीं समझते। कई बार संपर्क करने के प्रयास के बाद भी उन्होंने न सिर्फ फोन नहीं उठाया बल्कि सवाल पूछने वालों के नंबर तक ब्लैकलिस्ट कर दिए।

विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि श्री यादव को न तो विभाग की पूरी जानकारी रहती है और न ही वे जमीनी स्तर पर काम में रुचि लेते हैं। उन्हें यह तक नहीं पता कि जिले में कितने मच्छर कलेक्शन सेंटर हैं और उनकी जिम्मेदारी क्या है।

इतना ही नहीं, उनके नियंत्रणहीन रवैये के चलते विभागीय कर्मचारी भी मनमानी पर उतर आए हैं। कहीं लैब टेक्नीशियन खुद को डॉक्टर बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं, तो कहीं फाइलेरिया इंस्पेक्टर बायोलॉजिस्ट की कुर्सी पर बैठकर मनमानी कर रहा है। बंशीलाल यादव पर आरोप है कि वे कर्तव्यों से ज्यादा फोटो खिंचवाकर वायरल करने में रुचि रखते हैं। सूत्रों का तो यह भी कहना है कि वह अपने परिजनों के नाम से सप्लाई का खेल करने का प्रयास कर रहे हैं।

जब विश्व मच्छर दिवस को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भारत भूषण से जानकारी ली गई तो उन्होंने भी स्पष्ट कर दिया कि उन्हें किसी कार्यक्रम की जानकारी नहीं है।

इससे विभाग की पोल और अधिक खुल गई। कुल मिलाकर, योगी सरकार की योजनाएँ ज़मीन पर नहीं बल्कि फाइलों और फोटो सेशन तक ही सीमित हैं। विभागीय लापरवाही का खामियाजा जिले की 30 लाख आबादी भुगत रही है। अब सवाल यह है कि क्या सरकार इस लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी या फिर कागजों पर ही योजनाओं का क्रियान्वयन दिखाकर लोगों को बरगलाया जाएगा।

एक नजर

मोदी की हिंसाग्रस्त मणिपुर यात्रा महज दिखावा

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हिंसा से जूझ रहे मणिपुर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को दिखावा करार देते हुए कहा है कि उन्होंने शांति बहाली का ठोस प्रयास करने की बजाय शोशराबा करने पर ज्यादा ध्यान दिया है। खड़गे ने प्रधानमंत्री के नाम एक संदेश में शनिवार को कहा ₹ नरेंद्र मोदी जी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का पड़ाव करुणा नहीं, बल्कि एक दिखावा है और हिंसा से घायल हुए लोगों के जख्मों का अपमान है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल और चुराचांदपुर में आप जो तथाकथित रोड शो कर रहे हैं वह राहत शिविरों में रहने वाले लोगों का दर्द सुनने से बचने का एक प्रयास है।₹ उन्होंने मणिपुर हिंसा के जख्मों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 864 दिनों की हिंसा में लगभग 300 लोग मारे गये और 1,500 से ज्यादा घायल हुए तथा हिंसा के कारण 67,000 लोग विस्थापित हुए हैं। मणिपुर में भड़की हिंसा के बाद से आपने 46 विदेश यात्राएं की हैं लेकिन अपने देश के नागरिकों को सहानुभूति के दो शब्द कहने के लिए मणिपुर की एक भी यात्रा नहीं की।

गणेश विसर्जन जुलूस में ट्रक ने 9 को कुचला, मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के हासन जिले में एक ट्रक ने गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों को कुचल दिया। 9 लोगों की मौत हो गई, 20 लोग घायल हैं। घटना लगभग 8.45 बजे मोसाले होसाहल्ली गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मृतक युवा लड़के हैं। घायलों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। चश्मदीद ने बताया, ट्रक अरकलगुडु की तरफ से आ रहा था। जुलूस के नजदीक पहुंचते ही ट्रक का कंट्रोल खो गया और वह भीड़ को कुचलता हुआ निकल गया, लोग ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। इधर पीएम मोदी ने हादसे में मरने वाले सभी मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50,000 रुपए देने की घोषणा की है।

हिमाचल के बिलासपुर में बादल फटा

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नम्होल में शुक्रवार देर रात बादल फट गया जिससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गईं। सड़कें भी बह गईं, कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। वहीं, मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे से घिर गए हैं। 8 घर खाली कराए गए हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गया है। यूपी के उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 23 सेमी ऊपर है। यहां 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 100 से ज्यादा परिवार बेघर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा के किनारों का कटान तेज हो गया है। ग्रामीण अपने मकानों को खुद तोड़ रहे हैं। ईंट-सरिया निकालकर साथ ले जा रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी 15 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से शुरू हो सकती है। आमतौर पर मानसून 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाता है। इस साल मानसून ने 24 मई को केरल में दस्तक दी थी, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी 8 दिन पहले थी। इसके बाद यह पूरे देश में 9 दिन पहले यानी 29 जून तक फैल गया, अमूमन यह 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर करता है।

रेप-लव जिहाद के आरोपियों के घर चला बुलडोजर

भोपाल। भोपाल में कॉलेज छात्राओं से रेप और लव जेहाद के आरोपी साद और साहिल के अवैध मकानों पर आज जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। तीसरे आरोपी फरहान के घर पर कार्रवाई फिलहाल टाल दी गई है। शनिवार को 11 बजे कोर्ट में उसकी पेशी होनी थी, लेकिन लोक अदालत के चलते नहीं हो पाई। आरोपी फरहान के पिता रिजवान ने कहा कि पुलिस ने हमसे 10 लाख रुपए की डिमांड की गई थी। करीब 15 दिन तक इस मामले को दबाए रखा। हम 2 लाख रुपए ही दे पाए, 8 लाख की व्यवस्था नहीं हुई तो मिसरोद थाने के रंजीत सिंह ने मेरे बच्चे पर लव जिहाद का केस दर्ज कर दिया। अदालत का फैसला नहीं आया है, उससे पहले ही हमारे मकान गिराए जा रहे हैं। कार्रवाई से पहले शुक्रवार को मकानों के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई थी।

डोडा में तीन आतंकियों के छिपे होने की चर्चा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के थाथरी स्थित भल्लारा इलाके में सुरक्षाबलों को तीन संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिली है। डोडा के एसएसपी संदीप मेहता ने बताया कि शुक्रवार शाम से ही सर्च ऑपरेशन शुरू कर गया था। पुलिस और सेना ने आतंकवादियों की तलाश के लिए गांव और आसपास के जंगलों की घेराबंदी कर दी है। सूत्रों के अनुसार, अभी तक आतंकवादियों का पता नहीं चल पाया है।

श्री पद्मनाभस्वामी और अट्टुकल मंदिरों में बम की धमकी

तिरुवनंतपुरम। केरल के प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर और अट्टुकल भगवती मंदिर को शनिवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। पुलिस और बम निरोधक दस्ता दोनों मंदिरों की जांच कर रहा है। पुलिस के अनुसार, धमकी में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं दी गई थी। जांच जारी रहने तक आगे की जानकारी का इंतजार है।

उमर ने कहा मेहराज केस पर मोदी और शाह से की वार्ता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को डोडा विधायक मेहराज मलिक पर लगाए गए पब्लिक सेफ्टी एक्ट को अन्यायपूर्ण बताया। उन्होंने कहा- मेहराज ने गुस्से में आकर भले ही कुछ असंसदीय शब्द कह दिए हों, लेकिन उन पर पीएसए लगाना गलत है। यह मामला बातचीत से सुलझाया जा सकता था और मलिक अपने शब्द वापस ले सकते थे। उन्होंने कहा कि मैंने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि मलिक पर लगाया गया पीएसए वापस लिया जाए। गलती गुस्से में हो सकती है, लेकिन उसका हल दया और बातचीत से निकलना चाहिए, न कि कठोर कदमों से।

कोलकाता मेट्रो में दोस्त की हत्या

कोलकाता। कोलकाता में मेट्रो स्टेशन के अंदर एक दोस्त ने मामूली विवाद पर अपने ही दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को शुक्रवार देर रात हावड़ा स्टेशन से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि हमने उसे तब गिरफ्तार किया जब वह ट्रेन में चढ़ने और भागने की कोशिश कर रहा था।

रूस के कामचटका में 7.4 तीव्रता का भूकंप

मास्को। रूस के कामचटका में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के बाद यहां सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया। यूएसजीएस ने पहले भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई थी, लेकिन बाद में इसे 7.4 कर दिया।

नारी सशक्तिकरण की नजीर सुशीला कार्की

मणिपुर की धरती से पीएम मोदी का नेपाल की पीएम को बधाई संदेश

एजेंसी

इम्फाल। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को मणिपुर की धरती से नेपाल की अंतरिम पीएम बनाई गई सुशीला कार्की को बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कार्की के नेतृत्व में नेपाल में शांति, समृद्धि और स्थायित्व आएगा। उन्होंने बधाई संदेश देते हुए कहा कि सुशीला कार्की का नेपाल की असमंजस वाली स्थिति में सत्ता को संभालना महिला सशक्तिकरण का एक बेहतर उदाहरण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर की राजधानी में कहा, ₹ नेपाल, हिमालय की गोद में बसा हुआ है, हमारा करीबी दोस्त है। हमारा इतिहास और विश्वास जुड़ा हुआ है। मैं 140 करोड़ भारतीयों की तरफ से सम्माननीय सुशीला कार्की को बधाई देता हूं। कार्की का नेपाल की सर्वोच्च सत्ता को संभालना महिला सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं। मुझे यकीन है कि वह शांति, सुरक्षा और स्थायित्व के रास्ते पर नेपाल को आगे बढ़ाने का काम करेंगी। आपको बता दें कल रात में नेपाल के पिछले कुछ दिनों के हंगामे और दंगों के बाद से शांति स्थापित करने के लिए सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। केपी शर्मा ओली की सरकार को हटाने के बाद से ही जेन-जी प्रदर्शनकारी ने सुशीला कार्की को सत्ता संभालने के लिए बुलाना शुरू कर दिया था। नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीस रही सुशीला कार्की शपथ लेने के साथ ही नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री भी बन गई हैं।

पीएम मोदी ने नेपाल की हालिया घटनाओं के बाद जेन-जी युवाओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ₹हाल के दिनों में नेपाल में जो कुछ हुआ उसके बाद एक बात पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। पिछले कुछ दिनों से नेपाली युवा लगातार अपने देश की सड़कों को साफ करते हुए देखे जा सकते हैं। मैंने भी यह सोशल मीडिया के जरिए देखा है। युवाओं द्वारा किया जा रहा यह प्रयास नेपाल के पुनरुत्थान का प्रतीक है। मैं नेपाल के उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।₹ गौरतलब है कि इससे पहले भी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया के जरिए कार्की को बधाई दी थी।

सुशीला कार्की ने तय की आम चुनावों की तारीख

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पहली मंत्रिमंडल बैठक में संसद को भंग करने की सिफारिश की है। प्रधानमंत्री ने आगामी संसदीय चुनाव के लिए तारीख भी 05 मार्च 2026 तय कर दी है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद को भंग करने तथा अगले चुनाव कराने की सिफारिश का समर्थन किया है। श्रीमती कार्की ने शुक्रवार रात को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उन्हें राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 61 (तीन) और (चार) के तहत नियुक्त किया गया, जो राज्य प्रमुख को अंतरिम सरकार के नेता को नामित करने का अधिकार देता है। यह फैसला आठ-नौ सितंबर 2025 के युवा विद्रोह के बाद में आया है जिसने नेपाल की प्रमुख राजनीति को उथल-पुथल कर दिया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की शुक्रवार को युवा विद्रोह के प्रतिनिधियों के समर्थन से प्रधानमंत्री नियुक्त की गयीं। उन्हें छह महीने के भीतर आम चुनाव कराने को कहा गया है।

लगता है भगवान भी चारो धामों से भाग गये

हेमकुंड साहिब में 700 जानवरों की मौत से भड़कीं मेनका

विश्ववार्ता ब्यूरो

देहरादून। बीजेपी की पूर्व सांसद और एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट मेनका गांधी ने हाल ही में चार धाम यात्रा और पर्यावरण को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि, 'मुझे लगता है कि भगवान भी चार धामों से भाग गए हैं। पिछले साल हेमकुंड साहिब से 700 जानवर गिरकर मारे गए, ऐसे में कौन भगवान वहां पर टिकेगा? मेनका गांधी ने कहा कि जहां कभी घास के मैदान और फूलों की खूबसूरती से स्वर्ग जैसा एहसास होता था, आज वहां जाना दिल तोड़ देता है।

मेनका गांधी के इस बयान से देश की राजनीति गरमा गई हैं। वहीं धार्मिक संगठनों में भी हलचल देखने को मिल रही है। मेनका गांधी इससे पहले भी चार धाम यात्रा के दौरान जानवरों के खिलाफ होने वाली क्रूरता को लेकर सवाल उठाती रही हैं। उनका कहना है कि हमें बेजुबान जानवरों का ध्यान रखना चाहिए। बता दें कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ व अन्य धामों तक पहुंचने के लिए दुर्गम पहाड़ों पर चलना पड़ता है। ये चढ़ाई इतनी मुश्किल होती है कि यहां चढ़ना इतना आसान नहीं होता है। ऐसे में अक्सर कई बुजुर्ग, बच्चे और महिला श्रद्धालु बड़ी संख्या में घोड़े और खच्चरों का इस्तेमाल करते हैं।

मेनका गांधी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों पर आदेश का स्वागत किया। कोर्ट ने कहा कि जो कुत्ते फिलहाल शेल्टर होम में हैं, उन्हें बाहर छोड़ा जाए, लेकिन आक्रामक स्वभाव वाले कुत्तों और रेबीज से प्रभावित कुत्तों को बाहर नहीं छोड़ा जाएगा और उनकी नसबंदी (स्टेरिलाइजेशन) की जाएगी। मेनका गांधी ने इस फैसले पर सहमती जताई।

पाकिस्तानी फौज पर आतंकी हमला, 12 सैनिक मरे

टीटीपी ने ली जिम्मेदारी, वजीरिस्तान में फैली दहशत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी इलाके में शनिवार तड़के पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) द्वारा किए गए एक घातक हमले में कम से कम 12 सैनिक मारे गए, जबकि चार अन्य घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार यह हमला दक्षिण वजीरिस्तान जिले में सुबह लगभग 4 बजे उस समय हुआ जब सेना का एक काफिला इलाके से गुजर रहा था। स्थानीय सरकारी अधिकारी ने बताया कि "दोनों ओर से भारी हथियारों से फायरिंग की गई, जिसमें 12 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और चार घायल हुए।" हमलावर मौके से सेना का हथियार-सामान भी लेकर फरार हो गए। इलाके के सुरक्षा प्रभारी ने भी हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि हमला बेहद योजनाबद्ध और तीव्र था।

हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन पाकिस्तानी तालिबान ने ली है जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) भी कहा जाता है। हाल के महीनों में यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सबसे घातक घटनाओं में से एक माना जा रहा है। टीटीपी कभी इस क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति रखता था, लेकिन 2014 में पाकिस्तानी सेना के बड़े अभियान के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा था। हालांकि, अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से सीमावर्ती इलाकों में आतंकी गतिविधियों में तेजी देखी जा रही है।

भले ही टीटीपी और अफगान तालिबान अलग-अलग संगठन हैं, लेकिन दोनों के बीच नजदीकी रिश्ते माने जाते हैं। पाकिस्तान लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकियों को खत्म करने में नाकाम रहा है, जो बाद में पाकिस्तान में हमले करते हैं। वहीं, काबुल प्रशासन इन आरोपों से इनकार करता रहा है।

हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा के कई जिलों में इमारतों की दीवारों पर टीटीपी का नाम लिखे पोस्टर और नारे (ग्रैफिटी) दिखाई दिए हैं, जिससे आम नागरिकों में भय और यह आशंका बढ़ी है कि कहीं फिर से वह दौर न लौट आए जब तालिबान ने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया था। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में टीटीपी लड़ाकों की आवाजाही और हमलों की आवृत्ति में काफी वृद्धि हुई है।

रिकॉर्ड के मुताबिक, 1 जनवरी 2025 से अब तक खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में करीब 460 लोग आतंकी हमलों में मारे जा चुके हैं जिनमें अधिकतर सुरक्षा बलों के जवान शामिल हैं। वहीं, इस्लामाबाद स्थित सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज के अनुसार, पिछले वर्ष पाकिस्तान ने लगभग एक दशक की सबसे घातक अवधि झेली थी, जब 1,600 से अधिक लोग हिंसा में मारे गए। इनमें से लगभग आधे सैनिक और पुलिसकर्मी थे।

चीन पर 50-100% टैरिफ लगायें नाटो देश

रूस-युद्ध रोकने के लिए ट्रंप की नयी रणनीति

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई सालों से चल रहे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को रुकवाने की पुरजोर कोशिश में लगे हुए हैं। अब उन्होंने रणनीति बनाते हुए रूस को और कमजोर करने के लिए नाटो देशों से चीन पर 50-100 फीसदी टैरिफ लगाने के लिए कहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति का मानना है कि इससे यूक्रेन में युद्ध का अंत हो जाएगा। ट्रंप ने शनिवार को नाटो देशों को एक लेटर भी जारी किया, जिसमें उनसे रूसी तेल खरीदना बंद करने और रूस पर भी और कड़े प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया।

ट्रंप का यह पत्र उनकी पहले की धमकियों के बाद आया है, जिसमें उन्होंने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं होने पर मॉस्को पर प्रतिबंध लगाने और उसके तेल खरीदने वाले देशों, जैसे कि शीर्ष खरीदार चीन और भारत, पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ₹जब सभी नाटो देश सहमत हो जाएंगे और ऐसा करना शुरू कर देंगे, और जब सभी नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर देंगे, तो मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं।" पिछले महीने, अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूसी तेल के निरंतर आयात का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर 25% अतिरिक्त शुल्क लगाया था, लेकिन चीन के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की है।

ट्रंप ने सभी नाटो देशों को संबोधित करते हुए लिखे अपने लेटर में कहा, ₹मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं, सभी नाटो देश सहमत हो जाएं और ऐसा करना शुरू कर दें। सभी नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। जैसा कि आप जानते हैं, डब्ल्यूआईएन के प्रति नाटो की प्रतिबद्धता 100 फीसदी से भी कम रही है, और कुछ लोगों द्वारा रूसी तेल की खरीद चौंकाने वाली रही है। यह रूस पर आपकी बातचीत की स्थिति और सौदेबाजी की शक्ति को बहुत कमजोर करता है। खैर, जब आप तैयार हों तो मैं आगे बढ़ने को तैयार हूं। बस बताइए कब? मेरा मानना है कि इसके साथ ही नाटो, एक समूह के रूप में, चीन पर 50% से 100% टैरिफ लगाए, जिसे रूस और यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद पूरी तरह से वापस ले लिया जाएगा।"

उन्होंने आगे लिखा, "इस घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध को समाप्त करने में भी बहुत मदद करेगा। उस पकड़ को तोड़ देगा। यह ट्रंप का युद्ध नहीं है (अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह कभी शुरू ही नहीं होता!), यह बाइडन और जेलेंस्की का युद्ध है। मैं यहां सिर्फ इसे रोकने और हजारों रूसी और यूक्रेनी लोगों की जान बचाने के लिए हूं (पिछले हफ्ते अकेले 7,118 जानें गईं। पागलपन है!)। अगर नाटो मेरी बात मान ले, तो युद्ध जल्दी खत्म हो जाएगा और उन सभी की जान बच जाएगी। अगर नहीं, तो आप बस मेरा समय, और अमेरिका का समय, ऊर्जा और पैसा बर्बाद कर रहे हैं। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद- डोनाल्ड जे. ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति।"

दिल्ली के दो अस्पतालों को उड़ाने की धमकी

ताज पैलेस होटल को भी ईमेल से मिली थी धमकी

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। दिल्ली के दो प्रमुख अस्पतालों में शनिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम वहां पर सर्चिंग कर रही है। इनमें से पहली धमकी दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका स्थित मैक्स अस्पताल को मिली, जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा शाम 5 बजकर 47 मिनट पर इस बारे में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जबकि बम की दूसरी धमकी शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल को दी गई।

धमकियां कब दी गईं, इसका सटीक समय अभी तक स्पष्ट नहीं है। दोनों मामलों में सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और बेहद सावधानी के साथ अस्पताल में बम की तलाश शुरू कर दी।

इस बारे में मैक्स अस्पताल की तरफ से भी एक बयान जारी करते हुए स्थिति के बारे में बताया गया। इस दौरान अस्पताल प्रवक्ता ने कहा 'आज सुबह, मैक्स अस्पताल के कॉल सेंटर पर एक अज्ञात बम धमकी प्राप्त हुई थी। जिसके बाद आपातकालीन प्रक्रियाओं के अनुसार तुरंत अधिकारियों को सूचित कर दिया गया और बेहद सावधानी के साथ हमारे परिसर की तलाशी ली गई। हालांकि अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।' प्रवक्ता ने आगे कहा, 'हमारे मरीजों, स्टाफ और आगंतुकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं।'

इससे पहले शनिवार को दिन में शहर में स्थित ताज पैलेस होटल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हालांकि जांच के दौरान बम डिस्पोजल स्क्वॉड को वहां किसी तरह की कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उसे झूठा घोषित कर दिया था। साथ ही मामले की जांच करते हुए ईमेल भेजने वाले शख्स की तलाश शुरू कर दी थी।

एक दिन पहले शुक्रवार सुबह दिल्ली उच्च न्यायालय परिसर में कई बम होने की चेतावनी वाले एक ईमेल के बाद अफरा-तफरी मच गई थी। जिसके बाद हाई कोर्ट परिसर को खाली कराते हुए व्यापक सर्च अभियान चलाया गया था। हालांकि, बाद में पुलिस ने इस धमकी को झूठा बताया था। यह धमकी भरा मेल शुक्रवार सुबह 8.39 बजे एक आउटलुक अकाउंट से भेजा गया था और न्यायालय कर्मचारियों को संबोधित था। इसमें दावा किया गया था कि परिसर में तीन आईईडी लगाए गए हैं।

पीएम व उनकी मां से जुड़े एआई वीडियो केस में रपट

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी की छवि बिगाड़ने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने यह एक्शन बिहार कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर शेयर किए गए पीएम व उनकी मां से जुड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने डीपफेक वीडियो को लेकर लिया। यह वीडियो 10 सितंबर को शाम 6.12 बजे पोस्ट किया गया था। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली चुनाव सेल के संयोजक संकेत गुप्ता ने पुलिस के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि यह वीडियो न केवल प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत और संस्थागत प्रतिष्ठा पर हमला है बल्कि महिलाओं की गरिमा और मातृत्व की पवित्रता पर भी गंभीर चोट है। शिकायतकर्ता ने इसे भारतीय लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा हमला बताया। जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए 13 सितंबर को नॉर्थ एवेन्यू थाने में एफआईआर संख्या 0050 दर्ज की। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 18(2), 336(3), 336(4), 340(2), 352, 356(2) और 61(2) के तहत एफआईआर दर्ज की। इन धाराओं में मानहानि, फर्जी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तैयार करना, अफवाह फैलाना, महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाना और सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने जैसे अपराध शामिल हैं। अपनी शिकायत में भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस द्वारा जारी यह डीपफेक वीडियो न केवल जनता को गुमराह करने का प्रयास है बल्कि यह समाज में भ्रम, नफरत और अशांति फैलाने की सुनियोजित कोशिश है।

स्वर्ण वैदेही और सबौर मखाना-1 बीजों से बढ़ेगा उत्पादन

बढ़ेगी किसानों की आय, सरकार दे रही है मखाना के उन्नत बीज

संजय सिंह

पटना। बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सरकार मखाना किसानों को उन्नत बीज स्वर्ण वैदेही और सबौर मखाना-1 उपलब्ध कराने जा रही है। इन उन्नत बीजों से बिहार में और भी मखाना का उत्पादन तेजी से बढ़ेगा। सरकार की इस पहल से वैश्विक स्तर पर बढ़ रही मखाने की मांग को पूरा कर बिहार के किसान आर्थिक मुनाफा कमा सकते हैं।

बिहार सरकार ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत मखाना अवयवों की योजना को 2025-27 के लिए स्वीकृति दी है। इस योजना के तहत किसानों से उन्नत किस्म के बीजों स्वर्ण वैदेही और सबौर मखाना-1 की खेती कराई जाएगी। साथ ही डीबीटी पंजीकृत नए किसानों को 75 फीसदी का अनुदान दिया जा रहा है, जिसमें बीज इनपुट और हार्वेस्टिंग की लागत शामिल है। मखाना की खेती की इकाई लागत 0.97 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर है, इसमें किसानों को 75 प्रतिशत यानी 72,750 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से दो किस्तों में अनुदान मिलेगा।

सरकार महिला सहभागिता पर भी विशेष ध्यान दे रही है। इस योजना से लाभान्वित किसानों में 30 प्रतिशत महिला कृषकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी बल्कि महिला कृषकों की सक्रिय भागीदारी और सभी वर्गों की संतुलित हिस्सेदारी सुनिश्चित होगी।

मखाना विकास की यह योजना बिहार के 16 जिलों के लिए है। जिसमें कटिहार, पूर्णियां, दरभंगा, मधुबनी, किशनगंज, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, समस्तीपुर, भागलपुर, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण एवं मुजफ्फरपुर शामिल है।

गिरिराज के बयानों से टूटा नीतीश के सेक्युलरिज्म का तिलिस्म

हार्डकोर बयानों से मुस्लिमों ने जदयू से पल्ला झाड़ा, भारी हो सकता है इंडिया गठबंधन का पाला

विश्ववार्ता ब्यूरो

पटना। बीजेपी के फायर ब्रांड लीडर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अक्सर हिंदुत्व को उभारने वाले ऐसे वक्तव्य दे देतें है जो राजनीति में सेक्युलरिज्म की राह पर चलने वाले की राह में रोड़ा बोने का काम करता है। अक्सर बीजेपी के हार्ड कोर बयान से जहां राजद को फायदा हो जाता है तो वहीं सेक्युलर नेता राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नुकसान हो जाता है। इसे समझना हो तो जेडीयू के मुस्लिम विधायकों की लगातार घटती संख्या से समझा जा सकता है। स्थिति यह है कि यही स्थिति रही तो इस बार बिहार विधान सभा चुनाव में ज्यादातर मुस्लिम वोट इंडिया गठबंधन के पाले में जा सकते हैं। आइए देखते हैं वर्ष 2005 से वर्ष 2020 तक के विधासनसभा चुनाव में जेडीयू के घटते मुस्लिम विधायकों के बारे में।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बोल एक बार फिर सेक्युलरिज्म राजनीति करने वालों के लिए बिगड़ गए। बेगूसराय में एक सार्वजनिक मंच से उन्होंने कहा कि अगली बार बीजेपी की सरकार बनने पर बिहार से एक-एक बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए को बाहर निकाल दिया जाएगा। विपक्षी दलों पर भी तीखा हमला बोलते कहा कि "कांग्रेस और आरजेडी के लोग एसआईआर (सीआईआर/एनआरसी) का विरोध कर रहे हैं। वे ऐसा करके महज वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। लेकिन हम डंके की चोट पर कहते हैं कि देश और बिहार में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं होगी। फिर मुस्लिमों से एक अपील भी करते हैं कि आप मस्जिद जाइए, नमाज पढ़िए। हमें कोई आपत्ति नहीं। लेकिन अगर मस्जिदों से यह राजनीति होगी कि किसे वोट देना है और किसे नहीं, इसके लिए फतवे जारी होंगे, तो मंदिरों से भी घड़ी-घंटे की आवाज़ गूंजेगी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का यह कोई पहला बयान नहीं जो नीतीश कुमार की राजनीति को प्रभावित कर जाए। जिसे यहां के कानून पसंद नहीं वो पाकिस्तान चले जाएं। या फिर लालू यादव नमाज पढ़े न? इस तरह के बयान से सीएम नीतीश कुमार की राजनीति पर नकारात्मक प्रभाव तो पड़ा है। खास कर मुस्लिम मतों को लेकर। पिछले चार विधानसभा चुनाव का एक आकलन देखे...वर्ष 2005 विधानसभा चुनाव की बात करें तो जेडीयू की टिकट पर लड़ने वाले मुस्लिम प्रत्याशियों को भी पसंद किया जा रहा था। तब मुस्लिम प्रत्याशियों की जीत का औसत भी बेहतर भी था। कई विधायक बने। पुपरी से शाहिद अली खान, मुंगेर से मोनाजिर हसन, जोकीहाट से मंजर आलम, बलिया से जमशेद अशरफ को जीत मिली थी। यह दीगर बाद है कि बेलागंज, जहानाबाद और केसरिया विधानसभा से जदयू की प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो जदयू के प्रत्याशी साहेबपुर कमाल, डुमरांव, कल्याणपुर, गौडा बौराम, जोकीहाट और शिवहर विधासनसभा से मुस्लिम प्रत्याशियों की जीत हुई। डुमरांव से दाउद अली, गौडा बौराम से इजहार अहमद, साहेबपुर कमाल से परवीन अमानुल्लाह, जोकीहाट से सरफराज अहमद, शिवहर से शर्फुद्दीन तथा कल्याणपुर से रजिया खातून को जीत मिली थी। 2015 विधानसभा चुनाव में जदयू के पांच अल्पसंख्यक प्रत्याशी जीते थे। वर्ष 2015 में जदयू ने राजद के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ा था।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह***, **उत्तराखंड कार्यालय-** जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com